हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शुक्रवार • 20.02.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 206 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

बजट सत्र के दूसरे दिन प्रश्नकाल और राज्यपाल के अभिभाषण पर हुई चर्चा

जेपीएससी उम्र सीमा मामले में सरकार कर रही है सकारात्मक विचार : वित्त मंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : गुरुवार को सदन की पहली पाली में प्रश्नकाल आयोजित होगा, जिसमें सदस्यों के अल्पसूचित और तारांकित प्रश्न लिए जाएंगे तथा सरकार की ओर से उनके उत्तर दिए जाएंगे। इसके साथ ही शून्यकाल की सूचनाएं भी सदन में प्रस्तुत की जाएंगी। दूसरी पाली में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव रखा जाएगा, जिस पर विस्तृत चर्चा और वाद-विवाद होगा।

विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने अपने प्रारंभिक संबोधन में कहा कि लोकतंत्र की मजबूती सार्थक संवाद में निहित है। उन्होंने सदस्यों से अपेक्षा की कि सदन में आलोचना और विमर्श तो हो, लेकिन कार्यवाही गरिमा और अनुशासन के साथ संचालित की जाए। उन्होंने कहा कि बहस तथ्यपरक, तर्कसंगत और जनोन्मुखी होनी चाहिए। अध्यक्ष ने बजट सत्र को वर्ष 2026 का अत्यंत महत्वपूर्ण सत्र बताते हुए कहा कि यह केवल आय-व्यय का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि राज्य की विकास दिशा तय करने वाला दस्तावेज होता है। इस दौरान सदस्यों को अनुदान मांगों पर चर्चा, कटौती प्रस्तावों के माध्यम से समीक्षा और नीतिगत सुझाव देने का अवसर मिलेगा।

झारखंड विधानसभा के शून्यकाल के दौरान कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने जेपीएससी में उम्र सीमा को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि हजारों नौजवान इस लाभ से वंचित हो रहे हैं। विधायक ने बताया कि जेपीएससी की विज्ञापन तिथि के अनुसार कट-ऑफ 2018 का है, जबकि उनके पास 2021 और 2023 के दस्तावेज हैं। जिसमें 2016 था 2021 में, 2017 था 2023 में। अब 2026 की तिथि जारी की गई है। प्रदीप यादव ने कहा जो अभ्यर्थी सामर्थ्य थे वो हाई कोर्ट गए थे और उन्हें कोर्ट से अनुमति भी मिली गई है कि वो आवेदन करें लेकिन गरीब छात्रों के आवेदन सरकार के पास लंबित है। इस पर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने जवाब दिया कि इस विषय पर राज्य मंत्री परिषद की बैठक में गंभीर चर्चा की गई है। मुख्यमंत्री जी गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि जो अभ्यर्थी उच्च न्यायालय नहीं गए थे, उन्हें इस मामले में शामिल करने पर विचार किया जा रहा है।

सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने पशु चिकित्सा की समस्याओं पर उठाए सवाल

रांची : तारांकित प्रश्नकाल में सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने पशु चिकित्सा से जुड़ी समस्याओं पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राज्य के कई क्षेत्रों में पशु चिकित्सा केंद्र नहीं खुले हैं, केंद्रों में प्रशिक्षित कर्मचारी नहीं हैं और टीकाकरण की कमी के कारण मवेशी मर रहे हैं। इस पर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने जवाब दिया कि सरकार पशुपालकों के प्रति संवेदनशील है। जो आंकड़े दिये गये हैं, वह बिल्कुल सही है। पशुधन योजना, पशु चिकित्सालय से पशु पालकों को जोड़ा जा रहा है। सिमडेगा में 12 मवेशियों की मौत के बाद सरकार की एक टीम ने गांवों का भ्रमण किया था। जांच में यह पता चला कि मवेशी जंगल में कुछ ऐसा खा ले रहे हैं, जिससे उनका पेट फुल जा रहा है और वे मर जा रहे हैं। इसकी जांच की जा रही है। मेडिकल जांच रिपोर्ट आने के बाद उसके इलाज की व्यवस्था की जायेगी। विधायक भूषण बाड़ा ने गांवों के पशु चिकित्सालय में व्यवस्था बढ़ाने का मांग की।

राष्ट्रगान-राष्ट्रगीत और जी राम जी के मुद्दे पर सदन में नोकझोंक

रांची : विधायक हेमलाल मुर्मू ने राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के प्रोटोकॉल तथा वीबी जी राम जी योजना को लेकर गुरुवार को आपत्ति जताई, जिस पर सदन में तीखी बहस छिड़ गई। हेमलाल मुर्मू ने कहा कि हाल में राष्ट्रीय गीत (वंदे मातरम) को राष्ट्रीय गान (जन मन) से पहले गाना अनिवार्य किए जाना एक धर्मनिरपेक्ष राज्य में सांप्रदायिकता की झलक मिलती है। उन्होंने वंदेमातरम के कुछ अंशों पर ऐतिहासिक विवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी धर्मों की भावनाओं का सम्मान होना चाहिए। साथ ही उन्होंने मनरेगा के नामकरण, जी राम जी, ओबीसी के आरक्षण सहित अन्य मुद्दों पर केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की। उनके वक्तव्य के दौरान भाजपा विधायकों ने कड़ी आपत्ति जताई। विधायक नीरा यादव ने कहा कि राष्ट्रगान या राष्ट्रगीत जिसपर देश को अभिमान है लेकिन पता नहीं क्यों राष्ट्र गीत और राष्ट्र गान, गाने पर आपत्ति होती है। समझ से परे है। और जानबूझकर केंद्र के हर फैसले का विरोध करते हैं जो उचित नहीं है।

मांडू विधायक ने हाथियों के हमले से हुई मौतों पर विस परिसर में किया प्रदर्शन

रांची : मांडू विधायक ने झारखंड में जंगली हाथियों के हमले से हो रही मौत पर प्रदर्शन किया। दरअसल हाल ही में हाथियों के हमले में सात लोगों की मौत के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। इस पर विधानसभा परिसर के बाहर विधायक निर्मल महतो सीढ़ियों पर बैठकर बैनर के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार और वन विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। विधायक ने कहा कि राज्य में हाथियों का आतंक बढ़ता जा रहा है और वन विभाग उनकी गतिविधियों पर नजर रखने में पूरी तरह विफल साबित हुआ है।

विधायक जनार्दन पासवान का सवाल, पैक्स पर पहले एफआईआर, फिर क्लीनचिट

रांची : झारखड विधानसभा का बजट सत्र के प्रश्नकाल में गुरुवार को चतरा के विधायक जनार्दन पासवान ने सवाल उठाया कि प्रतापपुर प्रखंड के चार धान खरीद केंद्रों (पैक्स) के खिलाफ प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने पहले प्राथमिकी दर्ज कराई, लेकिन बाद में उन्हें क्लीनचिट दे दी गई। इस पर मंत्री इरफान अंसारी ने बताया कि गड़बड़ी की सूचना मिलने पर चतरा डीसी ने जांच कराई। जांच में धान न मिलने की पुष्टि हुई, जिसके बाद कार्रवाई की गई। इसके बाद दोबारा डीएसओ ने जांच की, जिसमें पाया गया कि पैक्स में धान मौजूद नहीं था, क्योंकि इसे मिल में जमा कर दिया गया था। मंत्री ने कहा कि जांच में विभागीय लापरवाही पाई गई। इसके बाद प्राथमिकी वापस लेने का निर्देश दिया गया। विधायक जनार्दन पासवान ने कहा कि पुलिस जांच में भी चारों पैक्स निर्दोष साबित हुए हैं। उन्होंने चारों पैक्स को धान खरीद की अनुमति देने की मांग की। इस पर मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि चारों को धान खरीद की अनुमति दे दी जाएगी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन पहुंचे धनबाद, दिवंगत डॉ बुद्धदेव महतो को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन गुरुवार को पूर्व विधायक आनंद महतो के बलियापुर (बड़ादाहा) धनबाद स्थित आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री वहां पूर्व विधायक आनंद महतो के दिवंगत सुपुत्र डॉ० बुद्धदेव महतो के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने दिवंगत डॉ० बुद्धदेव महतो की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। विधायक कल्पना सोरेन ने भी दिवंगत डॉ० बुद्धदेव महतो की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने पूर्व विधायक आनंद महतो एवं उनके परिजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की तथा उनका ढांढ़स बंधाया।

डेटा स्वायत्त, नियम पारदर्शी और मानवीय मूल्यों पर आधारित हो एआई : नरेन्द्र मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का उद्घाटन करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भविष्य पारदर्शिता, जवाबदेही और मानव-हित पर आधारित होना चाहिए। एआई कुछ देशों या कंपनियों का साधन नहीं बने, बल्कि यह ह्यसर्वजन हिताय, सर्वजन सुखायह्ण का माध्यम बने। प्रधानमंत्री ने एआई के लिए मानव विजन पेश करते हुए कहा कि अवसरों के साथ जोखिम भी हैं, इसलिए इसे मानव-केंद्रित और जिम्मेदार तरीके से विकसित करना जरूरी है। इस मौके पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, वैश्विक तकनीकी कंपनियों के प्रमुख और उद्योग जगत के दिग्गज मौजूद रहे। सम्मेलन के दौरान ह्यनई दिल्ली फ्रंटियर एआई इम्पैक्ट प्रतिबद्धताओं की घोषणा की गई, जिसका उद्देश्य एआई को समावेशी, बहुभाषी और वैश्विक विकास का साधन बनाना है। प्रधानमंत्री ने डीप फेक जैसी चुनौतियों का जिक्र किया और कहा कि जैसे खाने की चीजों पर लेबल लगता है कि उसमें क्या है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी लेबलिंग जरूरी है ताकि लोग सच-झूठ पहचान सकें। इसकी स्पीड और स्केल इतनी बड़ी है कि इसके अच्छे और बुरे दोनों प्रभाव हो सकते हैं। इसलिए सावधानी बरतनी होगी। एआई को खुली छूट मिलनी चाहिए, लेकिन कमान हमारे हाथ में होनी चाहिए। विकासशील देशों के लिए एआई को लोकतांत्रिक बनाना जरूरी है। मनुष्यों को सिर्फ डेटा का स्रोत नहीं बनने देना चाहिए, बल्कि एआई को सशक्तिकरण का माध्यम बनाना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में दो तरह के लोग हैं। कुछ एआई से डरते हैं, कुछ इसमें भाग्य देखते हैं। भारत गर्व से कहता है कि हमें एआई में भय नहीं, भाग्य और भविष्य दिखता है। भारत सेमीकंडक्टर चिप मैन्युफैक्चरिंग, क्वांटम कंप्यूटिंग तक मजबूत इकोसिस्टम बना रहा है।

एक नजर

फरार अभियुक्त घर बरही पुलिस ने चिपकाया इस्तेहार

बरही : बरही के चर्चित ज्वेलर्स लुट कांड में फरार चल रहे अभियुक्त सुजीत चौधरी पिता विजय चौधरी ग्राम झोर थाना शेरघाटी जिला गया के घर पर केस आई ओ मृत्युंजय सिंह ने इस्तेहार चिपकाया। ज्ञात हो कि बरही थाना कांड संख्या 439/25 के फरार अभियुक्त माननीय अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी, न्यायालय हजारीबाग निर्गत इस्तेहार को उनके घर एवं सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा करते हुए उन्हें ससमय माननीय न्यायालय में ससमय आत्मसमर्पण करने हेतु उनके परिजनों एवं ग्रामीणों क को सूचित किया गया।

जेनरल आब्जर्वर ने सामग्री कोषांग और मतगणना केंद्र का किया निरीक्षण

हजारीबाग : नगरपालिका चुनाव को लेकर जेनरल आब्जर्वर रविराज शर्मा की ओर से निर्वाचन कार्यों की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सामग्री कोषांग एवं मतगणना केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तैयारियों का अवलोकन करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया। सामग्री कोषांग के निरीक्षण के क्रम में उन्होंने मतदान सामग्रियों की उपलब्धता, उनके सुरक्षित भंडारण और वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी जरूरी सामग्रियां निर्धारित मानकों के अनुरूप सुव्यवस्थित ढंग से रखी जाएं। इसके बाद उन्होंने मतगणना केंद्र का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, बैरिकेडिंग, अभ्यर्थियों और मतगणना एजेंटों के बैठने की व्यवस्था सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित कोषांग पदाधिकारी और अन्य कर्मी उपस्थित थे।

प्रशासनिक आवास में हुआ गृह प्रवेश, कर्मचारियों को मिली बड़ी राहत

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के खूंटपानी प्रखंड मुख्यालय परिसर में गुरुवार को नव-निर्मित प्रशासनिक आवासों का विधिवत गृह प्रवेश समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी के सरकारी आवास के साथ-साथ पर्यवेक्षीय कर्मियों तथा तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों के लिए बनाए गए आवासों को औपचारिक रूप से उपयोग के लिए समर्पित किया गया। समारोह का शुभारंभ प्रखंड प्रमुख सिद्धार्थ होनहागा, जिला परिषद सदस्य यमुना तियू, विधायक प्रतिनिधि दुर्गा चरण पाड़ेया, प्रखंड अध्यक्ष बबलू गोडसोरा, बीडीओ धनंजय पाठक एवं अंचलाधिकारी फुलेश्वर साव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। कार्यक्रम की शुरूआत स्थानीय दिउरी की ओर से पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाज के अनुसार पूजा-अर्चना से हुई। कार्यक्रम में बताया गया कि इन आवासीय भवनों के निर्माण पर कुल पांच करोड़ 45 लाख 12 हजार रुपये की लागत आई है। लंबे समय से प्रखंड मुख्यालय में आवासीय सुविधा का अभाव था।

कलश यात्रा के साथ कोयली में शिव परिवार, राम लक्ष्मण सीता एवं राधा कृष्ण प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत कोयली ग्राम में नव निर्मित शिव परिवार, राम लक्ष्मण सीता एवं राधा कृष्ण मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का शुभारंभ कलश स्थापना के साथ हो गया। गुरुवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालु गाजे बाजे के साथ कलश लेकर बराकर नदी पहुंचे और पवित्र जल भरकर पूरे विधि विधान के साथ यज्ञशाला में कलश को स्थापित किया गया। बतौर यजमान राम किशुन यादव अपनी पत्नी के साथ पूरे विधि विधान की प्रक्रिया संपन्न कराए। कलश स्थापना की पूरी विधि विधान यज्ञाचार्य रंजय प्रताप पांडे एवं उनकी

टीम दे द्वारा सम्पन्न कराई गईं। कलश यात्रा का शुभारंभ भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति,जिप सदस्या प्रीति गुप्ता, मुखिया सिकंदर राणा, पंचायत समिति प्रतिनिधि झमन यादव ने संयुक्त रूप से कलश सौंप कर किया। ज्ञात हो कि यह महायज्ञ नौ दिवसीय है। इन नौ दिनों में लगातार पूजा अर्चना एवं प्राण प्रतिष्ठा को लेकर विधि विधान संपन्न कराया जायेगा। साथ ही प्रत्येक शाम को कथावाचिका लाडली शरण जी की प्रवचन किया जाएगा। यज्ञ परिसर में मीणा मजार सहित झूला, ब्रेक डांस सहित कई तरह के मनोरंजन के साधन उपलब्ध कराए गए है। महायज्ञ का समापन 27 फरवरी को भव्य जागरण के साथ किया जाएगा। यजमान राम किशुन यादव एवं रविन्द्र यादव ने बताया कि शिव परिवार, राम लक्ष्मण सीता एवं राधा कृष्ण मंदिर निर्माण में दो वर्ष लगे हैं। यहां शादी विवाह एवं अन्य मांगलिक कार्य किए जाएंगे। शादी विवाह की पूरी व्यवस्था है। कलश यात्रा में रामदेव साव, दिनेश साव, सुखदेव साव, रघुनाथ प्रसाद, बासुदेव यादव, हरि यादव, पुनीत यादव सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

अंडरपास निर्माण को लेकर सांसद मिले रसोइया धमना एवं छोटकी बरही के ग्रामीण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : रसोइया धमना मोड के पास अंडरपास को लेकर ग्रामीण सक्रिय हो गए है। अंडरपास की मांग को लेकर ग्रामीण बैठक कर रणनीति बना रहे हैं। इसी कड़ी में अंडरपास के वर्तमान डिजाइन से भविष्य में आवागमन में दिक्कतें आने की आशंका जताते हुए ग्रामीणों ने मनीष जयसवाल, सांसद हजारीबाग से मुलाकात कर अपनी बात रखी। यह मुलाकात सांसद प्रतिनिधि भगवान केसरी एवं मोतीलाल चौधरी के नेतृत्व में संपन्न हुई। ग्रामीणों ने बताया कि रसोईया धमना मोड़ से करीब 500 मीटर की दूरी पर अंडरपास का निर्माण चल रहा है, जिसमें दोनों ओर मिट्टी भरकर दीवार खड़ी करने की योजना है। उनका कहना है कि यदि निर्माण इसी स्वरूप में हुआ तो गांव का सीधा संपर्क बाधित हो सकता है। इससे

किसानों को खेतों तक पहुंचने, छात्रों को स्कूल-कॉलेज जाने और रोजमर्रा के कार्यों से निकलने वाले लोगों को लंबा रास्ता तय करना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने सुझाव दिया कि अंडरपास का निर्माण पिलर आधारित किया जाए, ताकि रास्ता खुला रहे और स्थानीय आवागमन सुचारु बना रहे। उनका मानना है कि इससे न केवल आवाजाही आसान होगी, बल्कि स्थानीय व्यापार और बाजार गतिविधियों को भी सहारा मिलेगा। इस मुद्दे को लेकर ग्रामीणों ने बरही विधायक मनोज कुमार यादव को भी जानकारी दी है।

बजट सत्र में बरही की सिंचाई योजनाओं पर उठा मुद्दा, सरकार ने सर्वे कराने का दिया आश्वासन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड की सिंचाई व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर विधायक मनोज कुमार यादव ने बजट सत्र के दौरान विधानसभा में तारांकित प्रश्न के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने क्षेत्र के तालाबों के गहरीकरण, नालों के जीर्णोद्धार तथा चेकडैम निर्माण की आवश्यकता को सदन में प्रमुखता से उठाया। विधायक ने सरकार से पूछा कि क्या बरही प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत विजैया के बसरिया गढ्ढा तालाब का गहरीकरण, कोल्हुआकला पंचायत के ग्राम बधियाजबाड़ स्थित पैनिया नाला का जीर्णोद्धार, ग्राम कोल्हुआकला के कनदुआ टांड तालाब का गहरीकरण तथा विजैया पंचायत के ग्राम गुडियो के छगरगोड़वा नाला पर चेकडैम निर्माण

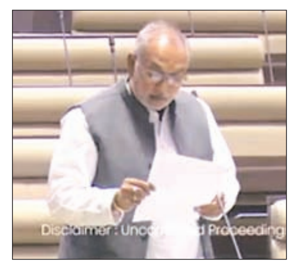

सिंचाई की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। इस प्रश्न के उत्तर में सरकार की ओर से आंशिक स्वीकारात्मक जवाब दिया गया। विधायक मनोज यादव ने अपने प्रश्न के दूसरे खंड में यह भी जानना चाहा कि यदि इन योजनाओं को धरातल पर उतारा जाता है, तो क्या इससे क्षेत्र के किसानों की हजारों एकड़ भूमि सिंचित हो सकेगी। इस पर भी सरकार की ओर से आंशिक रूप से सहमति जताई गई। तीसरे खंड में विधायक ने स्पष्ट किया कि जब आवश्यकता स्वीकार की जा रही है, तो क्या सरकार इन योजनाओं के क्रियान्वयन की दिशा में ठोस कदम उठाएगी यदि हां, तो समयसीमा क्या होगी और यदि नहीं, तो कारण क्या हैं। सरकार की ओर से दिए गए विस्तृत उत्तर में बताया गया कि बसरिया गढ़हा तालाब एवं कनदुआ टांड तालाब के पुनर्स्थापन तथा गुडियो गांव स्थित छगरगोड़वा नाला पर चेकडैम निर्माण के लिए विस्तृत सर्वेक्षण कराया जाएगा। तकनीकी संभाव्यता पाए जाने पर प्राक्कलन तैयार किया जाएगा और लाभ-लागत अनुपात तथा बजटीय प्रावधान को ध्यान में रखते हुए आगामी वर्षों में प्रशासनिक स्वीकृति पर विचार किया जाएगा। हालांकि, सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि नाला के गहरीकरण अथवा जीर्णोद्धार का कार्य जल संसाधन विभाग के दायरे में नहीं आता है।

भव्य विराट हिंदू सम्मेलन की तैयारियां अंतिम पायदान पर, 21 को रोमी मैदान में उमड़ेगा जनसैलाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सनातन संस्कृति के संरक्षण और सामाजिक समरसता के संदेश के साथ आगामी 21 फरवरी को रोमी मैदान में एक विशाल 'हिंदू सम्मेलन' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। इस आयोजन की सफलता को लेकर हिंदूवादी संगठनों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

संगठनों ने संभाली कमान

सम्मेलन को भव्य रूप देने का जिम्मा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और एकल परिवार के सदस्यों ने संयुक्त रूप से उठाया है। संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता दिन-रात एक कर कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। आयोजन को सर्वव्यापी बनाने के

लिए प्रखंड की हर पंचायत, गांव और मोहल्ले में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को निमंत्रण कार्ड बांट रहे हैं। ताकि अधिक से अधिक संख्या में हिंदू समाज की भागीदारी सुनिश्चित किया जाए और लोगों से आग्रह किया जा रहा है कि वे अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने के लिए इस सम्मेलन में अवश्य पहुंचें। ?विश्व में सबसे अधिक सहिष्णुता और 'सर्वे भवंतु सुखिन का भाव केवल सनातन हिंदू संस्कृति में ही निहित है। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज की सामाजिक विषमताओं को दूर करना और एकता का सूत्र पिरोना है। विहिप प्रतिनिधि भंडारे का विशेष आयोजन सम्मेलन में आने वाले श्रद्धालुओं और आगंतुकों के लिए विशाल भंडारे की भी व्यवस्था की जा रही है। आयोजन समिति ने बैठक कर कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा, बैठक व्यवस्था और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय में वेतन भुगतान पर नई शर्तों से शिक्षक आक्रोशित, बायोमेट्रिक अनिवार्यता पर उठे सवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय में शिक्षकों के वेतन भुगतान को लेकर अनावश्यक शर्तों के जोड़े जाने पर शिक्षक काफी हताश है। शिक्षकों का कहना है कि जिस विश्वविद्यालय में शिक्षकों के हित में कोई निर्णय को लागू करने में महीने लग जाते हैं वहीं अहित के मामले बिजली गति से पारित हो जाते हैं। अभी ताजा मामला वेतन भुगतान के लिए राज्य सरकार के लेखा परीक्षा विभाग से संबंधित औपचारिक प्रक्रियाओं का हवाला देते हुए विभागाध्यक्षों द्वारा समर्पित मासिक उपस्थिति विवरणी को सहायक द्वारा लौटाए जाने से उत्पन्न हुई है। विश्वविद्यालय में कोई ऐसी अधिसूचना नहीं है की वेतन भुगतान के लिए विभागाध्यक्षों तथा निदेशकों द्वारा सत्यापित उपस्थिति मान्य नहीं होगी। प्रत्येक महीना की भांति जब इस माह की अब्सेंटी समर्पित की गई तो इसे लौटा दिया गया। एक तृतीय वर्गीय कर्मचारी ने लौटाते वक्त बताया कि अब अब्सेंटी के साथ बायोमेट्रिक प्रतिवेदन संलग्न करके समर्पित करने पड़ेंगे। विश्वविद्यालय में बायोमेट्रिक मशीन लगे हुए हैं और उस पर उपस्थिति बनाए भी जाते हैं। परंतु मशीन को लेकर कई तरह की शंकाएं है। मशीन के प्रतिवेदन विश्वसनीय नहीं है। एक तो बिजली की समस्या होने से यह मशीन कार्य नहीं करते। दूसरा कि यह उंगली या चेहरे को कई बार ठीक से पढ़ नहीं पाता है। ऐसे गलत प्रतिवेदन को सत्यापित करने के निर्देश से शिक्षक हतप्रभ है। इसी विषय को लेकर आज विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर एवं व्यावसायिक विभागों के शिक्षकों ने एक आपात बैठक की। बैठक में विश्वविद्यालय कि इस कार्यशाली पर हैरानी जताई गई। शिक्षकों ने बताया कि जहां एक-एक शिक्षक से औसतन तीन शिक्षकों का कार्य लिया जा रहा है वहां इस तरह के आचरण अत्यंत निराशजनक है।

पेयजल की समस्या को लेकर विधायक रोशन लाल चौधरी मंत्री से मिले

प्राथमिकता के साथ विस्थापित प्रभावित गांव में पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराया जाए : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद से मिलकर बड़कागांव केरेडारी प्रखंड में हो रहे समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। विधायक ने ज्ञापन के माध्यम से मंत्री को अवगत कराते हुए बताया कि बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के हजारीबाग जिला अंतर्गत केरेडारी एवं बड़कागांव प्रखण्ड क्षेत्र के ग्रामीणों को गंभीर पेयजल संकट का सामना कर रहा है। क्षेत्र में संचालित विभिन्न कोयला खनन परियोजनाओं के कारण भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट, परंपरागत

जल स्त्रोतों का सूखना तथा जल प्रदूषण की समस्या उत्पन्न हो गई है। जिससे आम ग्रामीणों का जीवन अत्यंत प्रभावित हो रहा है। विशेष रूप से निम्नलिखित कोल परियोजनाओं के कारण अनेक गांव प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो रहे हैं। एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोल परियोजना लगभग 25-30 गांव प्रभावित, एनटीपीसी केरेडारी कोल परियोजना लगभग 30-35 गांव प्रभावित, एनटीपीसी चट्टी बरियातु कोल परियोजना लगभग 20-25 गांव प्रभावित है तथा आदानी, सीसीएल, एनएमडीसी के परियोजना से दर्जनों गांव प्रभावित होंगें। इन परियोजनाओं के कारण जलस्त्रोतों का अत्यधिक दोहन के कारण ग्रामीणों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है तथा आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए स्थिति और अधिक विकराल होने की संभावना है। आगे विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि केरेडारी एवं बड़कागांव प्रखण्ड के सभी शेष गांवों को आगामी वित्तीय वर्ष 2026-2027 में "नल-जल योजना" से पूर्णतः अच्छादित किया जाए। खनन प्रभावित गांवों में त्वरित राहत हेतु टैंकर आपूर्ति, डीप बोरिंग, सोलर आधारित जलापूर्ति योजना एवं चापानल की व्यवस्था की जाए। संबंधित कंपनियों को उनके उरफ मद से प्रभावित गांवों में स्थायी पेयजल योजना संचालित करने हेतु निर्देशित करने का काम करे। डीएमएफटी मद से खनन प्रभावित गांवों में प्राथमिकता के आधार पर जलापूर्ति संरचना का निर्माण कराया जाए। तथा प्रत्येक परियोजना से प्रभावित गांवों की आधिकारिक सूची तैयार कर उन्हें प्राथमिकता श्रेणी में रखा जाय। ताकि हमारे ग्रामीण जनता को पेयजल के लिए किसी भी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न ना हो।

संक्षिप्त खबरें

शिलान्यास के नौ माह बाद भी शुरू नहीं हो सका सड़क का निर्माण कार्य

बरही : रसोइया धमना पंचायत के लश्करी में शिलान्यास के नौ माह बीत जाने के बाद भी सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। विधायक मनोज कुमार यादव द्वारा सड़क शिलान्यास के बाद भी निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं होना लोगों को बहुत अखर रहा है। कुछ इसे सरकार की नाकामी बता रहे है तो कुछ इसे उक्त मद के धन का गबन मान रहे है। ज्ञात हो विधायक मनोज कुमार यादव ने 3 मई 2025 को मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना अंतर्गत लश्करी मोड से लेकर आंगनबाड़ी तक डेढ़ किलोमीटर लंबी सड़क का शिलान्यास किया था। लोगों को उम्मीद थी कि विधायक द्वारा किया गया सड़क के शिलान्यास पर तत्काल निर्माण कार्य आरंभ हो जाएगा और लोगों को आवागमन में हो रही समस्या से मुक्ति मिल जाएगी। लेकिन शिलान्यास के नौ माह बीत जाने के बावजूद निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं होने से लोगों में घोर निराशा छा रही है। वहीं सड़क से गिट्टियों के उखड़ जाने से बने गड्ढों व पत्थरों से राहगीरों को बच कर निकलना काफी जोखिम भरा हो गया है। अब देखना यह होगा कि सड़क मरम्मती के लिए ग्रामीणों को और कितना इंतजार करना पड़ेगा।

बड़कागांव में पंचायत सहायकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

बड़कागांव : पंचायती राज विभाग द्वारा बड़कागांव मुख्यालय में आयोजित पंचायत सहायकों का चार दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हो गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पंचायत स्तर पर कार्यप्रणाली को डिजिटल बनाना और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए सहायकों को दक्ष बनाना था। ?प्रशिक्षण के दौरान प्रखंड कर्मी आशीष पासवान की नेतृत्व में मुख्य प्रशिक्षक कुमारी माधुरी और संजय कुमार ने पंचायत सहायकों को उनके उत्तरदायित्वों, ई-ग्राम स्वराज पोर्टल के संचालन, और पंचायत फंड के सदुपयोग के तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में केवल सहायक ही नहीं, बल्कि विभिन्न पंचायतों के मुखिया और पंचायत सचिवों ने भी हिस्सा लिया। जिससे पंचायत के विकास कार्यों में आपसी समन्वय को बेहतर बनाने पर चर्चा की गई। इस चार दिवसीय प्रशिक्षण में प्रखंड की विभिन्न पंचायतों से आए प्रतिनिधियों और कर्मियों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की जिसमें मुखिया पूजा कुमारी, नीलम मिंज, कविता देवी,वीरेंद्र महतो, नागेश्वर गंझू , नितेश कुमार, शंकर कुमार, राजेश कुमार, श्याम कुमार, राजू कुमार, अजय कुमार, प्रियंका कुमारी, शकुंतला कुमारी, बिमल कुमार ,रीता कुमारी अन्य शामिल थे।

बरही चौक में कचरे का अंबार, स्वच्छता दावों पर उठे सवाल

बरही : स्वच्छ भारत अभियान के दावों के बीच बरही चौक की एक चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। बरही का यह मुख्य चौराहा, जो बरही में स्थित है और जहां से दिल्ली, कोलकाता, कोडरमा तथा हजारीबाग की ओर जाने वाले मार्ग अलग होते हैं, इन दिनों गंदगी की समस्या से जूझ रहा है। नेशनल हाईवे के किनारे और डिवाइडर के पास भारी मात्रा में प्लास्टिक, खाने-पीने के अवशेष और अन्य कचरा जमा हो गया है। व्यस्त अंतरराज्यीय मार्ग होने के बावजूद साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था नजर नहीं आ रही है। राहगीरों और स्थानीय लोगों के अनुसार, यहां से गुजरते समय तीखी बदबू का सामना करना पड़ता है, जिससे आमजन को काफी परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाहर से आने वाले लोग नहीं, बल्कि कुछ स्थानीय फल विक्रेता और आसपास के लोग रात के अंधेरे में कचरा फेंक देते हैं। इससे न केवल यातायात प्रभावित हो रहा है, बल्कि क्षेत्र की छवि पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है।

रामनवमी पूजा में डीजे नहीं बजाएं, कोर्ट का निर्देश का पालन करें : बिनोद

बरही : बरही के एसडीपीओ अजीत कुमार विमल और थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने आम जनता से अपील की है कि रामनवमी में डीजे नहीं बजाएं। दोनों पुलिस अधिकारियों ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय झारखंड के डीजे नहीं बजाने के निर्देश का पालन करना सभी का कर्तव्य है। एसडीपीओ अजीत कुमार विमल और थानाप्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश के आलोक में उपायुक्त हजारीबाग और पुलिस अधीक्षक हजारीबाग ने सख्त निर्देश दिया है कि आगामी रामनवमी में किसी भी परिस्थिति में किसी भी अखाड़े में डीजे का प्रयोग नहीं होगा। माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश का अनुपालन नहीं करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। इस संबंध में वरीय अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी बरही ने बरही के सभी रामनवमी अखाड़ा से निवेदन किया है कि किसी भी परिस्थिति में डीजे का प्रयोग रामनवमी में नहीं करें। डीजे की जगह चोगा तथा ताशा पार्टी का भरपूर आनंद लें।

रोजेदार रेलकर्मियों को रोजाना दो घंटे पहले ड्यूटी से मुक्त करने की मांग

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिला में पवित्र रमजान माह को देखते हुए ऑल इंडिया रेलवे ट्रैक मेंटेनर यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चांद मोहम्मद ने रोजा रखने वाले रेल कर्मचारियों को प्रतिदिन ड्यूटी समय से दो घंटे पहले कार्यमुक्त करने की मांग उठाई है। इस संबंध में यूनियन की ओर से दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक को पत्र सौंपा गया है। पत्र में कहा गया है कि 19 फरवरी 2026 से 20 मार्च 2026 तक रमजान का महीना चल रहा है और इस अवधि में मुस्लिम रेल कर्मचारी रोजा रखकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। चांद मोहम्मद ने मांग की है कि ऐसे कर्मचारियों को मानवीय आधार पर प्रतिदिन दो घंटे पहले कार्यस्थल से मुक्त किया जाए, ताकि वे समय पर अपने घर पहुंचकर इफ्तार कर सकें और धार्मिक कर्तव्यों का पालन सुचारू रूप से कर सकें। उन्होंने रेलवे बोर्ड के पूर्व आदेश पत्र संख्या 2016/जी-35/1 दिनांक 7 जून 2016, नई दिल्ली का उल्लेख करते हुए कहा है कि पूर्व में भी रमजान के दौरान विशेष व्यवस्था लागू की गई थी। उसी आदेश के आलोक में इस वर्ष भी रोजेदार कर्मचारियों को राहत देने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

एक नजर

झारखंड में रेबीज नियंत्रण पर जोर, सरकारी अस्पतालों में वैक्सीन रखना जरूरी

रांची: राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने राज्य में रेबीज उन्मूलन और डॉग-बाइट प्रबंधन को लेकर एक व्यापक अभियान की शुरूआत की है। इस क्रम में अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने राज्य के सभी सिविल सर्जनों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि जिला से लेकर पंचायत स्तर तक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। निर्देश में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत में प्रतिवर्ष लगभग 17 हजार लोगों की मृत्यु रेबीज के कारण होती है, जबकि समय पर टीकाकरण से इस जानलेवा बीमारी से पूरी तरह बचाव संभव है। अभियान निदेशक ने यह स्पष्ट किया है कि राज्य के सभी जिला अस्पतालों, अनुमंडल अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में एंटी रेबीज वैक्सीन की पर्याप्त उपलब्धता हर समय सुनिश्चित की जाए। इसके लिए डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स एनवेलप 2025-26 के अंतर्गत बजट का प्रावधान किया गया है। यदि किसी स्वास्थ्य केंद्र पर दवा की कमी होती है तो वैकल्पिक मदों से तत्काल क्रय कर व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी मरीज को उपचार से वंचित न होना पड़े। जनजागरूकता अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग पशुपालन विभाग, शहरी निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित करेगा। शहरों के प्रमुख चौराहों, हाट बाजारों, सरकारी परिसरों और ग्रामीण क्षेत्रों में होर्डिंग, बैनर और दीवार लेखन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा।

रांची नगर निगम ने लगाया वेस्ट यूजर चार्ज के बकाएदारों पर जुर्माना

रांची : रांची नगर निगम क्षेत्र के सभी भवनों, होटल, हॉस्टल, बैंक्वेट हॉल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए सॉलिड वेस्ट यूजर चार्ज का भुगतान अनिवार्य किया है। सभी वार्डों में वेस्ट यूजर चार्ज का संग्रहण चयनित एजेंसी Netwind Soft Labs Pvt. Ltd.के माध्यम से किया जा रहा है। अपर प्रशासक के निर्देश पर मेन रोड स्थित सभी भवनों और प्रतिष्ठानों से वेस्ट यूजर चार्ज वसूली के लिए 6 टीमों का गठन किया है। निगम टीम ने 25 प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण सहायक प्रशासक चन्द्रदीप कुमार के नेतृत्व में निगम टीम ने सर्जना चौक से डेली मार्केट चौक तक 25 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जिन प्रतिष्ठानों द्वारा अब तक वेस्ट यूजर चार्ज का भुगतान नहीं किया गया था, उन्हें ऑन-द-स्पॉट डिमांड नोटिस जारी किया गया।साथ ही निर्धारित समय-सीमा में भुगतान करने का निर्देश भी दिया गया। इसके अलावा V2 Mall द्वारा सड़क पर कूड़ा डंप किए जाने पर 2,000 रूपया का जुर्माना भी लगाया गया।

खलारी में दुकान लगाने को लेकर दो गुटों में मारपीट, पुलिस ने कराया समझौता

रांची : राजधानी के खलारी थाना इलाके में सेवई की दुकान लगाने को लेकर दो गुट आमने-सामने हो गए। दरअसल रमजान को लेकर एक गुट सेवई की दुकान लगा रहा था, उसी दौरान दूसरे गुट की ओर से इसका विरोध किया। दुकान कहीं और लगाने को कहा गया। लेकिन आपसी बातचीत में विवाद बढ़ गया और नौबत मारपीट तक आ गयी। दोनों गुटों के बीच मामला बढ़ता देख खलारी पुलिस, बुढ़मू थाना की पुलिस, ठाकुरगांव की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और माहौल को शांत कराने कराया। माहौल ना बिगड़े इसे देखते हुए दोनों गुटों के लोगों को पुलिस ने थाना बुलाया और आपस में समझौता करवाया।
विधानसभा सत्र छोड़ मौके पर पहुंचे विधायक इस घटना के संज्ञान में आते ही विधानसभा के बजट सत्र को बीच में ही छोड़कर स्थानीय विधायक सुरेश बैठा मौके पर पहुंचे।

झारखंड जगुआर का 18वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

जवानों के लिए खुलेगा अस्पताल : डीजीपी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड पुलिस की विशेष एंटी नक्सल इकाई झारखंड जगुआर का 18वां स्थापना दिवस रांची स्थित जगुआर मुख्यालय में गुरुवार को धूमधाम से मनाया गया। स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी गई और उनके योगदान को याद किया गया। इस दौरान जवानों ने परेड और हथियारों का प्रदर्शन भी किया, जिसने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। मौके पर झारखंड डीजीपी तदाशा मिश्रा, एडीजी मनोज कौशिक, आईजी साकेत सिंह आईजी माइकल राज आईजी अनूप अनूप बीथ्रे, आईजी असीम विक्रांत मिंज, आईजी अजय लिंडा, आईजी प्रभात कुमार, डीआईजी कन्हैया मयूर पटेल, डीआईजी इंद्रजीत महाथा, डीआईजी चंदन झा अन्य वरीय पदाधिकारी एवं जवानों के परिजन और अन्य लोग मौजूद रहे। मौके पर डीजीपी तदाशा मिश्रा ने कहा कि नक्सल समस्या पर झारखंड जगुआर ने अपनी आहूति देकर काबू पाया है। डीजीपी ने बताया कि 18 साल में जगुआर ने नक्सल आउटफिट्स के खिलाफ बेहतर काम किया है। हमारे झारखंड जगुआर को श्रेष्ठ बनाने में बेहतर प्रशिक्षण की भूमिका है। नए लड़के बेहतर काम कर रहे हैं। वर्तमान सरकार ने पुलिस की चुनौतियों को ठीक करने की दिशा में काम किया है। ऐसे में पुलिस का मनोबल बढ़ा है। 18 सालों में 350 से अधिक नक्सल की गिरफ्तारी हुई है। 50 से ज्यादा को मार गिराया गया। डीजीपी ने बताया कि झारखंड जगुआर के जवान नक्सलियों के खिलाफ बेहतरीन तो हैं ही। साथ ही जगुआर की बीडीएस टीम भी बेहतर कार्य कर रही है। नक्सलियों की ओर से लगाए गए आईईडी और लैंड माइंस को निष्क्रिय कर नक्सलियों को भारी नुकसान पहुंचाया और जंगली रास्तों को अपने फोर्स और ग्रामीणों के लिए सुरक्षित बनाया। जगुआर की स्थापना दिवस के अवसर पर डीजीपी तदाशा मिश्रा ने जगुआर मुख्यालय में एक अस्पताल खोलने की घोषणा की। डीजीपी ने बताया कि आईजी झारखंड जगुआर अनूप बिरथरे ने जगुआर कैंपस में एक अस्पताल होना अनिवार्य बताया था। यह सच भी है कि इतने बड़े कैंपस में डॉक्टरों की टीम का होना बेहद आवश्यक है। इसलिए जल्द ही 10 बेड का एक अस्पताल झारखंड जगुआर कैंपस में शुरू किया जाएगा, जिसमें डॉक्टरों की टीम के साथ-साथ चिकित्सा की सभी व्यवस्था रहेगी। इस अवसर पर आईजी अनूप बिरथरे ने कहा कि गठन के बाद से झारखंड जगुआर ने राज्य में शांति स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि अब तक जगुआर के 24 वीर जवान शहीद हुए हैं और वे सभी को नमन करते हैं।

कांग्रेस भवन में सिख समुदाय ने थामा हाथ, संगठन को मिली नई मजबूती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गुरुवार को कांग्रेस भवन में सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने की। 12.15 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में सिख समुदाय के सैकड़ों लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस आयोजन की पहल ज्योति सिंह माथारू द्वारा की गई थी, जबकि समाजसेवी सुखपाल सिंह नामधारी, गुरदीप सिंह और प्रितपाल सिंह के नेतृत्व में सिख समाज के लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान पार्टी नेतृत्व ने नए सदस्यों का अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया गया। कांग्रेस नेतृत्व ने इसे प्रदेश में पार्टी की नीतियों और सामाजिक समरसता के प्रति बढ़ते भरोसे का संकेत बताया। अपने संबोधन में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सर्वधर्म समभाव और भाईचारे की विचारधारा पर हमेशा कायम रही है। उन्होंने सिख समुदाय के ऐतिहासिक योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि उनके जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और पार्टी की विचारधारा और सशक्त होगी। वरिष्ठ नेता सुबोधकांत सहाय ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल संख्या बढ़ाने का नहीं बल्कि विचारों की एकजुटता का प्रतीक है।

केरल की बिटिया आलिन शेरिन अब्राहम के माता-पिता के साहस को हेमन्त सोरेन ने किया नमन, लिखा भावुक पोस्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने एक्स हैंडल पर ट्वीट कर कहा है कि हमारे देश, केरल की नन्ही बिटिया आलिन शेरिन अब्राहम... यह नाम पूरे देश को द्रवित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अपनी संतान को खो देना किसी भी माता-पिता के लिए सबसे असहनीय क्षण होता है। ऐसे समय में, जब हृदय शोक से भरा हो, अपने जिगर के टुकड़े के अंग दान करने का निर्णय शेरिन एन जॉन और अरुण अब्राहम के लिए साधारण नहीं, बल्कि अद्भुत साहस, त्याग और करुणा का उदाहरण है। यह केवल अंगदान नहीं था, यह मानवता के प्रति उनकी अटूट आस्था का जीवंत प्रमाण था। आलिन का जीवन भले ही अल्पकालिक रहा, पर आज वह कई घरों की उम्मीद बनकर जीवित है और अमर हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि दिवंगत आलिन के माता-पिता ने जो किया, वह पूरी मानवता के लिए एक अमिट मिसाल है ऐसी मिसाल जो हर सीमा, हर भाषा और हर भेद से भी ऊपर है। मैं नन्ही आलिन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और दिवगंत आत्मा के माता-पिता के अद्वितीय साहस को नमन करता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन की संवेदनशीलता को भी नमन करता हूँ, जिन्होंने दिवगंत आलिन के अंतिम संस्कार को राजकीय सम्मान देकर मानवता के इस संदेश को और ऊंचाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि दूसरों को जीवन देने का महादान है- अंगदान। झारखंड राज्य में भी अंगदान की नीति को और सुदृढ़ बनाने के लिए राज्य सरकार हर आवश्यक कदम उठाएगी।

वार्ड 27 प्रत्याशी महिमा देवी फर्जी दस्तावेज तैयार कर निकाय चुनाव लड़ रहीं : बबली सोनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नगर निगम क्षेत्र में हो रही नगर निकाय चुनाव की सरगर्मी के बीच वार्ड संख्या-27 किशोर गंज में चुनावी माहौल में बड़ा विवाद सामने आया है। प्रत्याशी बबली सोनी भी उसी वार्ड से चुनाव लड़ रहीं है। गुरूवार को बबली सोनी अपने दर्जनों समर्थकों के साथ समाहरणालय ए ब्लॉक पहुंची। इस दौरान विपक्ष से चुनाव लड़ रही वार्ड पार्षद प्रत्याशी महिमा देवी पर गंभीर आरोप लगाए है और निर्वाचन आयोग को भी इसकी शिकायत किए है। आवेदन में लिखा है कि विपक्ष में चुनाव लड़ रही महिमा देवी अवैध तरीके से जाति प्रमाण-पत्र बनाकर नगर निकाय चुनाव में नामांकन कर चुनाव लड़ने का आरोप लगाया।

निर्वाचन पदाधिकारी को दी लिखित शिकायत

वार्ड प्रत्याशी बबली सोनी ने मिडिया को बताया कि 5 फरवरी को निर्वाचन पदाधिकारी को इस संबंध में लिखित सूचना दी है। महिमा देवी द्वारा नामांकन पत्र के साथ संलग्न जाति प्रमाण-पत्र अवैध तरीके से बनाया गया है। जालसाजी कर संवैधानिक व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किया गया है। जाति प्रमाण-पत्र ईटकी अंचल कार्यालय से निर्गत है और ईटकी सीओ द्वारा रद्द कर दिया गया है। महिमा देवी द्वारा जाली दस्तावेज एवं मुहर का भी इस्तेमाल कर जाति प्रमाण पत्र बनाने में किया गया है। बबली सोनी ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

एसीबी ने रिश्वत लेते अमीन को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने रांची के सिल्ली अंचल कार्यालय में कार्यरत अमीन को आठ हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अमीन गणेश महतो एक व्यक्ति से जमीन मापी के लिए रिश्वत की मांग कर रहा था। जिसकी लिखित शिकायत एसीबी में की गई थी। एसीबी मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित रांची के सिल्ली निवासी वासुदेव महतो ने एसीबी में लिखित शिकायत दी थी कि अमीन गणेश महतो के जरिये उनकी जमीन की नापी, रिपोर्ट और नक्शा के एवज में रिश्वत की मांग कर रहा है। वासुदेव महतो किसी भी हाल में रिश्वत देकर काम करवाना नहीं चाहता था। इसके बाद उन्होंने मामले की लिखित शिकायत एसीबी में की। शिकायत मिलने के बाद एसीबी के पदाधिकारियों ने मामले की जांच की तो शिकायत सत्य पाई गई। अमीन ने वासुदेव महतो से जमीन की मापी और नशे को लेकर बड़ी रकम की मांग की थी, लेकिन वासुदेव महतो ने जब कहा कि उसके पास पैसे नहीं है तब 8000 में बात बनी। पैसे देने की बात वासुदेव महतो के जरिये एसीबी को बताई गई। इसके बाद अमीन को पकड़ने के लिए एसीबी की टीम ने जाल बिछाया और गुरुवार को रिश्वत लेते उसे रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सरकार पर जमकर निशाना साधा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के जवाब में बजट सत्र के दूसरे दिन गुरूवार को नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। सदन में उन्होंने राज्य की बिगडती कानून-व्यवस्था, डीजीपी नियुक्ति, भूमि अधिग्रहण, कृषि नीति, शराब घोटाले पर बगैर चार्जशीट दाखिल आरोपितों को जेल भेजने से लेकर राज्य में भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को उठाते हुए सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए। बाबूलाल की तमाम बातों को सुनने के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने सदन में शराब घोटाले पर कहा कि जो बातें न्यायालय में है, उसपर सदन में चर्चा करना सही नहीं। मरांडी ने आगे कहा कि सत्तापक्ष सरकार की ठोस उपलब्धियों की बजाय विषयांतर कर रहा है। जानबूझकर मोदी सरकार और उसकी नीतियों पर सवाल उठा रहा है।
उन्होंने आरोप लगाया कि जसीडीह और संताल परगना क्षेत्र में उद्योग के नाम पर आदिवासी किसानों की खेती योग्य जमीन छीनी जा रही है। लेकिन यह सोचनीय विषय है कि अंग्रेजों के समय से भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धो कान्हू सहित अन्य शहिदों ने आदिवासी मूलवासियों के जिस जल जंगल और जमीन के मुद्दे पर आंदोलन किया। अपनी जान न्यौछावर की। आज भी उसी मुद्दे पर आदिवासी समुदाय फंसी हुई है। उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया गया है, लेकिन आज आदिवासी मूलवासियों को उनकी अपनी जमीन से बेदखल करने की कोशिश हो रही है। जसीडीह जमीन मामलों की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी गठित की जाए, जो स्थल निरीक्षण कर जांच कर किसान हित में ठोस निर्णय ले। मामलों की निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई तो विपक्ष आंदोलन शुरू करेगा। राज्य में डीजीपी नियुक्ति के मुद्दे पर मरांडी ने आरोप लगाया कि नियमों की अनदेखी कर वैसे पदाधिकारी को डीजीपी बना दिया गया है, जो उस पद के लायक ही नहीं था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हमेशा केंद्र से सहयोग न मिलने की बात कहकर अपनी जिम्मेदारियों से नहीं बच सकता। कृषि क्षेत्र की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि धान खरीद लक्ष्य के अनुरूप नहीं हो रही है। वास्तविक किसानों को लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिचौलियों को संरक्षण दिया जा रहा है। किसानों के खातों में सीधे लाभ पहुंचाने की व्यवस्था प्रभावी नहीं है। हर बार राज्य सरकार धान अधिप्राप्ति पर किसानों को लाभ पहुंचने के दावे करती है। सलाना इसपर खरा नहीं उतर पाती। पिछली बजट से लेकर हर बार 28 प्रतिशत किसानों को ही धान खरीदारी पर सरकार की ओर से लाभ पहुंचने के दावे किए जाते हैं। मरांडी ने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वास्तविक किसानों को ही योजनाओं का लाभ मिले न कि बिचौलियों को।

संक्षिप्त खबरें

रंग रंगीलो श्री श्याम फागण अमृत महोत्सव का शुभारंभ आज

रांची : खाटू नरेश का केशर चंदन तिलक श्रृंगार खाटूनरेश का आज अमावस्या महास्नान के बाद मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका एवं कोषाध्यक्ष मनोज खेतान के सानिध्य में मंदिर के आचार्य के साथ विधायक विधान से केसर चंदन तिलक सिंगार किया गया।
श्री श्याम मित्र मंडल रांची का 54 वा स्थापना दिवस सह रंग रंगीलो श्री श्याम फागण अमृत महोत्सव श्री गणेश पूजन के साथ कल 20 फरवरी शुक्रवार से हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रारंभ हो रहा है। प्रात: 9:15 बजे राजेश सिंघानिया सारिका सिंघानिया गणेश पूजन ध्वज स्थापना एवं हवन अनुष्ठान के समस्त पूजन कार्य संपन्न करवाएंगे। इसके बाद प्रात: 9.30 बजे हरमू रोड के गौशाला से श्री श्याम कथा के शुभ अवसर पर कलश यात्रा प्रारंभ होगी जो की श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में आकर संपन्न होगी। जयपुर से प्रसिद्ध पाठ वाचक श्री गिरिराज शरण जी गुरुवार को संध्या 5:00 बजे विमान से रांची पधार चुके हैं। श्री श्याम कथा के मुख्य यजमान श्री कमल मोर श्री प्रतीक मोर अपने परिवार के साथ श्री श्याम कथा का पूजन पाठ विधि विधान से मंदिर परिसर में प्रारंभ करवाएंगे। झारखंड की धरती पर पहली बार श्री श्याम कथा का आयोजन संगीतमय भजनों एवं नृत्य नाटिका के साथ किया जा रहा है। श्याम जगत में एवं श्याम प्रेमियों के लिए यह कथा अमूल्य धरोहर के समान है। मुख्य यजमान कमल मोर प्रतीक मोर अपने परिवार के साथ कलश यात्रा के साथ श्री श्याम कथा के आयोजन का शुभारंभ महाराज श्री गिरिराज शरण जी के सानिध्य में करेंगे ।

मुरी स्टेशन के प्लेटफॉर्म एक नंबर एवं दो नंबर पर पानी सप्लाई बंद यात्री परेशान

सिल्ली : मुरी स्टेशन परिसर में प्लेटफार्म संख्या एक एवं दो नंबर पर पानी सप्लाई बुधवार को बंद रहा जिससे ट्रेन से उतरे यात्रियों को पानी को लेकर भाग दौड़ करते हुए देखा गया वही यात्रियों का कहना है कि स्टेशन परिसर में पानी बंद रहना हमारे लिए समस्या था मगर स्टॉल के माध्यम से पानी का बोतल जहां दस रुपए में बिकता है वहां आज बीस रुपए पर बोतल खरीदना पड़ा स्टेशन में ट्रेन के अंदर भी पानी भी बीस रुपए बोतल होकर के द्वारा बेचा जा रहा था हम लोग मजबूर थे प्यास बुझाने के लिए पानी जरूरत थी इसी कारण से बीस रुपए पर बोतल पानी खरीदे। वही वाटर मेनडिग मशीन जो मुरी स्टेशन एक नंबर एवं दो नंबर पर लगा हुआ है मगर सप्लाई बंद है बस दिखाने के लिए स्टेशन परिसर में वाटर मेनडिग लगाकर छोड़ दिया गया है। इस मशीन को चालू होने से यात्रियों को मात्र पाच रुपए में बोतल भर पानी उपलब्ध होगा वही राजधानी रांची में मशीन के द्वारा यात्रियों को सुविधा दिया जाता है मगर सोच से परे है मुरी स्टेशन परिसर में मशीन चालू क्यों नहीं हुआ इस और अधिकारी स्टेशन मैनेजर एवं आईओडबलु को ध्यान नहीं गया। यह विषय सोच से परे बनी हुई है। इस संबंध में मुरी के आईओडबलु विद्युत रंजन सिंह मोबाइल नंबर 9771484221 से संपर्क करने पर उनका मोबाइल नेटवर्क क्षेत्र से बाहर बताया उसके बाद मोबाइल रिचार्ज नहीं है वही दूसरे अधिकारी अभी तत्काल पदभार में है अरुण कुमार मोबाइल नंबर 9771448265 से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि पाइपलाइन फट गया था जिसका मरम्मती का कार्य चल रहा है जल्द से जल्द स्टेशन परिसर में पानी चालू कर दिया जाएगा।

रांची में महिला सम्मेलन, रोशनी खलखो के समर्थन में हुंकार

रांची: आदित्य साहू ने रांची के गंगा नगर, हरमू में भाजपा समर्थित मेयर प्रत्याशी रोशनी खलखो के समर्थन में आयोजित महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि रोशनी खलखो एक जुझारू और संघर्षशील प्रत्याशी हैं, जो महिला सशक्तिकरण के लिए संकल्पित हैं। पिछले चुनाव में निर्विरोध पार्षद चुनी जा चुकी रोशनी खलखो रांची नगर निगम के घर-घर को रोशन करने का संकल्प लेकर मैदान में हैं। श्री साहू ने आरोप लगाया कि राजधानी रांची में विधि-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। बहन-बेटियों के साथ दुष्कर्म, लूट और छिनतई की घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा भी खतरे में है और पिछले वर्षों में हजारों बच्चे गायब हुए हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं के आंदोलन के बाद कुछ बच्चों की बरामदगी संभव हुई, लेकिन अब भी कई बच्चे लापता हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर तथा एक रुपये में 50 लाख तक की संपत्ति की रजिस्ट्री जैसी योजनाओं से सशक्त किया। भाजपा ही महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

मारवाड़ी कॉलेज में अबुआ अधिकार मंच का प्रदर्शन, नियमित कक्षाएं नहीं होने पर दी चेतावनी

रांची: रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले मारवाड़ी कॉलेज में नियमित कक्षाएं नहीं होने के मुद्दे पर छात्र राजनीति तेज हो गई है। छात्र संगठन 'अबुआ अधिकार मंच' के अध्यक्ष सह रांची विश्वविद्यालय संयोजक विशाल कुमार यादव के नेतृत्व में कॉलेज परिसर में विरोध प्रदर्शन किया गया। दरअसल सोशल मीडिया पर एक रील इन दिनों फेसबुक और इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें एक छात्र नेता कॉलेज प्रशासन से कक्षाएं नहीं होने को लेकर तीखी बहस करते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो मारवाड़ी कॉलेज का बताया जा रहा है। बाद में छात्र नेता विशाल कुमार यादव से बातचीत में पूरे मामले की जानकारी सामने आई। विशाल यादव ने आरोप लगाया कि कुछ प्रोफेसर एक लाख से तीन लाख रुपये तक वेतन लेने के बावजूद नियमित रूप से कक्षाएं नहीं ले रहे हैं, जिससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों में इसको लेकर गहरा असंतोष है। संगठन ने एक ऐसे प्रोफेसर का भी उल्लेख किया, जो दो बार चुनाव लड़ चुके हैं और विधायक प्रत्याशी रह चुके हैं। संगठन का कहना है कि यदि कोई शिक्षक सक्रिय राजनीति करना चाहता है तो यह उसका अधिकार है, लेकिन छात्रों को पढ़ाना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

सिमडेगा : नगरपालिका आम चुनाव 2026 को लेकर समीक्षा बैठक, डीसी ने न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में नगरपालिका आम चुनाव 2026 के सफल संचालन को लेकर बी.एल.ओ. एवं बी.एल.ओ. पर्यवेक्षकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने मतदान दिवस के पूर्व एवं मतदान दिवस के दिन बी.एल.ओ. की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें अपने दायित्वों का शत-प्रतिशत निर्वहन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर पोलिंग पार्टी को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि न्यूनतम सुविधा सुनिश्चित रूप से बहाल हों। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिया कि मतदान केंद्रों पर स्वच्छ पेयजल, छाया, महिला एवं पुरुष शौचालय,

दिव्यांगजनों हेतु रैम्प, समुचित प्रकाश व्यवस्था, हेल्प डेस्क, सूचना पट्ट एवं प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध रहे। मतदान दिवस के दिन दिव्यांग मतदाता, गर्भवती महिला, बुजुर्ग एवं वरिष्ठ नागरिकों को कतार में न लगाकर प्राथमिकता के आधार पर मतदान कराने का निर्देश दिया गया। किसी भी मतदान केंद्र पर समस्या उत्पन्न होने की स्थिति में इसकी सूचना अविलंब प्रखंड विकास पदाधिकारी को देने को कहा गया। मतदाता पर्ची वितरण को लेकर उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि शत-प्रतिशत मतदाताओं तक पर्ची पहुँचाना बी.एल.ओ. की जिम्मेदारी है। पर्ची केवल संबंधित परिवार के मुखिया या सदस्य को ही दी जाए। किसी भी अन्य व्यक्ति, गांव-टोला या किसी राजनीतिक प्रतिनिधि को पर्ची नहीं सौंपी जाए। साथ ही पर्ची का थोक वितरण नहीं किया जाए तथा वितरण के उपरांत अभिलेख सुरक्षित रखा जाए। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि मतदान दलों के आगमन पर बी.एल.ओ. उपस्थित रहकर निर्धारित कक्ष की पहचान, सामग्री के भंडारण, भोजन-पानी एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में सहयोग करेंगे तथा 100 एवं 200 मीटर की दूरी चिह्नित कराने में सहायता करेंगे। 100 मीटर की दूरी में कोई भी प्रचार से सम्बंधित क्रिया कलाप न हो। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी पवन कुमार महतो, प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर रेनियर खालखो, जिला जन-संपर्क पदाधिकारी पलटू महतो सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने लगाया जनता दरबार, समस्याओं के त्वरित समाधान के दिये निर्देश

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह ने जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया। उपायुक्त ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को त्वरित निष्पादन हेतु अग्रसारित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों पर समयबद्ध एवं पारदर्शी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जरूरतमंदों को शीघ्र राहत मिल सके। जनता दरबार में आयुष्मान कार्ड के माध्यम से इलाज की सुविधा दिलाने, रोजगार उपलब्ध कराने, ऑनलाइन दर्ज नामांतरण मुकदमे को निरस्त कराने, खराब सार्वजनिक पेयजल सुविधा की मरम्मत कराने, पेंशन स्वीकृति, बिजली बिल एवं मीटर से संबंधित समस्याओं के समाधान, अबुआ आवास योजना की किस्त भुगतान कराने तथा राशन कार्ड योजना का लाभ दिलाने सहित अन्य विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए।

एक नजर

शून्यकाल में उठा लखीबागी के आम रास्ता का मामला

कोडरमा : जिला मुख्यालय से सटे सुजानपुर लखीबागी में आम रास्ता का मामला गुरुवार को विधानसभा के शून्य काल में उठाया गया। कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा कि सुजानपुर लखीबागी में रेडियो स्टेशन का चहारदीवारी किया जाना है। वहां पिछले 60 वर्षों से आम रास्ता का लोग उपयोग कर रहे हैं। लोगों ने दक्षिणी छोर पर आम रास्ता को छोड़कर रेडियो स्टेशन का चहारदीवारी करवाने की मांग की है, ताकि आम लोगों को कठिनाई नहीं हो। इस मामले को संज्ञान में लेते हुए विधायक डॉ नीरा यादव ने सरकार से ग्रामीणों की समस्या को ध्यान में रखते हुए रास्ता छोड़कर चहारदीवारी का निर्माण करवाने की मांग की है।

रानी टूटी के समर्थन में भाजपा ने चलाया प्रचार अभियान

खूंटी : खूंटी नगर पंचायत क्षेत्र के जिला दतिया (वार्ड संख्या 4) में गुरुवार को नगर निकाय चुनाव को लेकर भाजपा की ओर से बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य आगामी चुनाव को लेकर मतदाताओं को जागरूक करना और भाजपा समर्थित प्रत्याशी रानी टूटी के पक्ष में एकजुटता दिखाना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता देखी गई। बैठक के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा उपस्थित रहे। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि नगर निकाय चुनाव स्थानीय विकास की दिशा तय करता है, इसलिए सभी मतदाताओं को सोच-समझकर मतदान करना चाहिए। उन्होंने सभी समाज के लोगों से अपील की कि वे प्रत्याशी रानी टूटी को छड़ी छाप पर वोट दे कर विजयी बनाने के लिए संगठित प्रयास करें। सभा को संबोधित करते हुए प्रत्याशी रानी टूटी ने कहा कि यदि उन्हें जनता का आशीर्वाद मिलता है तो ग्राम और वार्ड की मूलभूत समस्याओं—जैसे सड़क, पेयजल, स्वच्छता और जनसुविधाओं—का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनहित से जुड़े मुद्दों को नगर निकाय में मजबूती से उठाया जाएगा। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष आनंद कुमार, संयोजक काशीनाथ महतो, जिला महामंत्री संजय साहू, निखिल कंडुलना, अर्जुन पाहन, परमानंद महतो, रोशन कुमार, कामेश्वर महतो एवं पांचू महतो सहित कई स्थानीय कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने बच्चा चोर की अफवाह पर युवक की कर दी पिटाई

धनबाद : धनबाद से बच्चा चोरी करने की अफवाह में एक व्यक्ति के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, ग्रामीणों की भीड़ ने बच्चा चोरी की अफवाह में एक व्यक्ति के साथ मारपीट की। बताते चलें कि यह घटना धनबाद स्थित मटकुरिया श्मशान घाट के पास गुरुवार की सुबह हुई। इस घटना की सूचना मिलते ही बैंक मोड़ थाना के प्रभारी प्रवीण कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस द्वारा तत्काल मामले की जांच शुरू की गई। बताते चलें कि जांच में सामने आया कि पकड़ा गया व्यक्ति एक ट्रांसजेंडर है, जो होली के अवसर पर घर-घर जाकर शुभकामनाएं देने का काम करता है। वहीं, पुलिस द्वारा जब उस व्यक्ति की पोटली की तलाशी ली गई तो उसके पोटली से किसी भी तरह का कोई भी आपत्तिजनक या संदिग्ध सामान नहीं मिला। बहरहाल, इसके बाद पुलिस ने स्पष्ट किया कि बच्चा चोरी की खबर पूरी तरह से अफवाह थी और इसका कोई आधार नहीं है।

कोडरमा में बच्चा चोर की अफवाह पर युवक की पिटाई, पुलिस ने बचाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा जिला के कोडरमा-गिरिडीह बॉर्डर स्थित पपलो पंचायत के नावाडीह (बेको) गांव में बच्चा चोर की अफवाह के चलते ग्रामीणों ने एक अज्ञात युवक की पिटाई कर दी। बुधवार शाम गांव में घूम रहे युवक से पूछताछ के दौरान वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका, जिससे ग्रामीणों का शक गहरा गया और भीड़ ने उसे बच्चा चोर बताकर मारपीट शुरू कर दी। घटना के दौरान कुछ युवकों ने युवक का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। सूचना मिलते ही मरकच्चो थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को भीड़ से मुक्त कराकर थाने ले आई। युवक के शरीर पर चोट के निशान पाए गए, जिसके बाद उसे अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराया गया। थाना प्रभारी नंदकिशोर तिवारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त प्रतीत होता है और वह अपना सही पता नहीं बता सका। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध की सूचना तुरंत प्रशासन को दें। फिलहाल मामले की जांच जारी है तथा अफवाह फैलाने वालों पर भी नजर रखी जा रही है।

सुदूर टीनगिना पंचायत पहुंचे बीडीओ सड़क व नेटवर्क दिक्कतों पर जताई चिंता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जलडेगा : प्रखंड विकास पदाधिकारी जलडेगा डॉ प्रवीण कुमार ने जलडेगा प्रखंड अंतर्गत टीनगिना पंचायत के सुदूर गांव ढोंगी झरिया गांव जाकर लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं के विषय में जानकारी लिया । प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ में स्थानीय मुखिया कल्याण गुड़िया पंचायत के कनीय अभियंता साथ में थे । गांव का पहुंच पथ कच्चा है जिसमें लोगों को आने-जाने में काफी कठिनाई होती है। साथी वहां किसी प्रकार का नेटवर्क नहीं होने से लोगों का संपर्क करने में काफी दिक्कत होती है। विशेष तौर पर बीमार होने पर संपर्क करने में काफी कठिनाई होती है। लोगों ने बताया कि एएनएम और सहिया गांव पहुंचते हैं और उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की

जानकारी लेते हैं। हालांकि गांव जंगलों से घिरा हुआ है और छोटी सी सरिता गांव में बहती है, जिसके चलते गांव में सब्जी की खेती बड़े पैमाने पर होती है , गांव में गर्मा धान की खेती भी की जा रही है। लोग बकरी पालन अच्छी संख्या में करते हैं। बिजली गांव में पहुंची हुई है जिसके चलते सिंचाई करने में काफी सहूलियत होती है। लोगों को पूर्व से मनरेगा से कुआं मिला है जिससे करीब डेढ़ एकड़ जमीन में सब्जी की खेती की जा रही है। आबुआ आवास , शौचालय आदि योजनाओं का लाभ पूर्व से मिला हुआ है। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने ग्रामीणों से बैठकर बात कर उन्होंने कहा कि वह जल्द से ग्राम सभा आयोजित करते और गांव के लिए जो भी आवश्यकता है उसे ग्राम सभा में लेकर आए और आवेदन प्रखंड कार्यालय में दें तो निश्चित तौर पर आपकी समस्याओं का समाधान प्रशासन के द्वारा किया जाएगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा ढोंगी झरिया के अभियान विद्यालय का भी निरीक्षण किया गया जहां शिक्षक और छात्र सभी उपस्थित थे।

इटखोरी महोत्सव का मंत्रियों ने किया उद्घाटन, पहले दिन कई कार्यक्रम आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : तीन दिवसीय राजकीय इटखोरी महोत्सव 2026 का शुभारंभ गुरुवार को हुआ। उद्घाटन समारोह में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और महोत्सव का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर चतरा सांसद कालीचरण सिंह, चतरा विधायक जनार्दन पासवान, सिमरिया विधायक उज्ज्वल कुमार दास, पूर्व मंत्री सत्यानंद भोगता, जिला परिषद अध्यक्षा ममता कुमारी और जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रिज किशोर तिवारी सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। समारोह के दौरान अतिथियों ने इटखोरी की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक थौर आध्यात्मिक विरासत को समर्पित कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया

गया। साथ ही श्रद्धालुओं और आमजनों की सुविधा के लिए मां भद्रकाली मंदिर के लिए विकसित आधिकारिक वेबसाइट का भी लोकार्पण किया गया। उद्घाटन के बाद सभी अतिथियों ने मां भद्रकाली मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और राज्य की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उपायुक्त कीर्तिश्री ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि राजकीय इटखोरी महोत्सव क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय पटल पर स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने महोत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी विभाग और आम लोगों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। महोत्सव के पहले दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम, पारंपरिक लोकनृत्य और रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। आगामी दो दिनों तक विविध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पर्यटन आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे इटखोरी की पहचान और अधिक सशक्त होगी।

अभियंत्रण महाविद्यालय में मतदान दल का अंतिम चरण प्रशिक्षण संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा जिला में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ऋतुराज के आदेशानुसार एवं उप विकास आयुक्त सह वरीय पदाधिकारी (प्रशिक्षण कोषांग) रवि जैन के मार्गदर्शन में मतदान दल के पदाधिकारियों का अंतिम चरण का प्रशिक्षण अभियंत्रण महाविद्यालय कोडरमा में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण की देखरेख जिला शिक्षा अधीक्षक अजय कुमार, नोडल पदाधिकारी प्रशिक्षण कोषांग द्वारा की गई। पार्टी वाइज प्रशिक्षण के लिए मास्टर ट्रेनर सुदीप सहाय, मनोज चौरसिया, अश्विनी तिवारी, राजेश्वर पाण्डेय, नरेश यादव, रामचंद्र ठाकुर समेत कुल 11 मास्टर ट्रेनरों द्वारा 9 कमरों में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान पर्दानशीन बूथों के लिए महिला शिक्षिकाओं को विशेष रूप से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चले सत्र में सभी प्रकार के प्रपत्र भरने, चारों तरह के लिफाफे तैयार करने, मतपेटिका खोलने-बंद करने, सील करने तथा मतदान की स्थिति में लाने का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण का गहन निरीक्षण ऑब्जर्वर, उप विकास आयुक्त, जिला शिक्षा अधीक्षक एवं जिला सूचना पदाधिकारी द्वारा किया गया। शेष बचे पार्टी वाइज मतदान दल के पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कल सुबह 10 बजे से पुनः आयोजित किया

सिमडेगा में अपराध गोष्ठी व पुलिस सभा आयोजित, कांड निष्पादन व कानून-व्यवस्था पर एसपी के सख्त निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : गुरुवार को पुलिस अधीक्षक महोदय, सिमडेगा की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में, अपराध गोष्ठी तथा पुलिस सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सभी थानों के विगत माह फरवरी में प्रतिवेदित और निष्पादित काण्डों की समीक्षा की गयी। काण्डों के निष्पादन और उद्भेदन हेतु कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए । आयोजित पुलिस सभा में पुलिस कर्मियों के समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया तथा उनके निष्पादन हेतु अग्रतर करवाई की

गई। बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए निम्न प्रकार से आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये - काण्ड के निष्पादन एवं उद्भेदन में सक्रियता के साथ-साथ तेजी लाना और गुणवतापूर्ण अनुसंधान करना। पोक्सो/एस0सी-एस0टी0/अपहरण, दुष्कर्म जैसे गंभीर प्रवृति के कांडों में ससमय प्राथमिकी दर्ज करना। प्राथमिकी की तिथि से 60 दिन एवं 90 दिनों के भीतर काण्ड का निष्पादन करना। अपराध नियंत्रण के दृष्टिकोण से रोड फेसिंग सी0सी0टी0भी कैमरा का अधिष्ठापन। सक्रिय अपराधकर्मियों/नक्सलियों का सत्यापन। सम्पति मूलक अपराधों पर नियंत्रण एवं उनका उद्भेदन जमानतदारों का सत्यापन करना। जिले में यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करना तथा यातायात नियमों का पालन । सड़क दुर्घटना की रोकथाम हेतु प्रभावी रूप से वाहन चेकिंग करना एवं एम0भी0आई एक्ट के विभिन्न धाराओं में कार्रवाई करना। बिट पुलिसिंग को ठीक से लागू करना। क्षेत्र में पेट्रोलिंग में तेजी लाना तथा प्रभावी रूप से पेट्रोलिंग करना। क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्यों/विकास कार्यों पर निरंतर निगरानी एवं सुरक्षा। अवैध शराब के विरूद्ध लगातार प्रभावी छापामारी अभियान चलाना। नशा एवं आड़ेबाजी के विरुद्ध कार्रवाई। वारंट का स समय निष्पादन करना। एवं गवाहों को स समय कोर्ट में उपस्थित कराना। आगामी होली पर्व को लेकर सुरक्षा और विधि व्यवस्था के मद्देनजर विशेष सतर्कता और निगरानी रखना तथा शांती समिति की बैठक करना। नगरपालिका आम चुनाव के मद्देनजर क्षेत्र में विशेष निगरानी रखना। कम्यूनिटि पुलिसिंग के तहत क्षेत्र में नागरिकों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए विभिन्न विषयों पर जागरूकता अभियान चलाना।

संक्षिप्त खबरें

झुमरीतिलैया नगर परिषद चुनाव : पंकज बर्णवाल ने जारी किया घोषणा-पत्र

झुमरीतिलैया : पंकज बर्णवाल ने नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए अपना चुनावी घोषणा-पत्र जारी करते हुए शहर के सर्वांगीण विकास का संकल्प दोहराया। घोषणा-पत्र का विमोचन भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी एवं मुख्य अतिथि शोभा यादव की उपस्थिति में किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पंकज बर्णवाल ने कहा कि जनता का आशीर्वाद मिलने पर वे ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्ठा के साथ कार्य करते हुए झुमरीतिलैया को स्वच्छ, जाममुक्त और भ्रष्टाचारमुक्त शहर बनाएंगे। उन्होंने नगर परिषद को विकास और सुशासन का मॉडल बनाने का लक्ष्य रखा। घोषणा-पत्र में शहर की बुनियादी समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी गई है। सड़क व्यवस्था के तहत सभी वार्डों में पक्की एवं मजबूत सड़कों का निर्माण, जर्जर सड़कों की मरम्मत तथा जलजमाव से मुक्ति के लिए समुचित नाली निर्माण का वादा किया गया है। सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए नियमित कचरा उठाव, नालियों की सफाई तथा स्वच्छ झुमरीतिलैया, स्वस्थ झुमरीतिलैया अभियान चलाने की घोषणा की गई। बिजली व्यवस्था के अंतर्गत हर घर तक निर्बाध आपूर्ति, खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत और अंधेरे क्षेत्रों में नई लाइट लगाने का आश्वासन दिया गया। पेयजल समस्या के समाधान के लिए स्वच्छ एवं नियमित जलापूर्ति, खराब चापाकलों व पाइपलाइन की मरम्मत तथा जल संकट वाले वार्डों में विशेष योजना लागू करने की बात कही गई। महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष योजनाएं शुरू करने का भी वादा किया गया। शहर में जाम की समस्या दूर करने के लिए मुख्य चौक-चौराहों पर यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने, अतिक्रमण हटाने, भीड़भाड़ वाले बाजार क्षेत्रों में ट्रैफिक प्लान लागू करने तथा आवश्यक स्थानों पर पार्किंग व्यवस्था विकसित करने का संकल्प व्यक्त किया गया। पंकज बर्णवाल ने नगरवासियों से अपील की कि वे चुनाव चिह्न बैटरी टॉर्च पर मुहर लगाकर उन्हें विजयी बनाएं। मौके पर संयोजक नितेश चन्द्रवंशी, सुभाष मोदी, प्रभारी अंबिका सिंह, अर्जुन साव, मीडिया प्रभारी चन्द्रशेखर जोशी, मंडल अध्यक्ष नवीन चौधरी, इन्द्रदेव बर्णवाल, राजेश वर्मा, पियूष सहल सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धरगांव पंचायत में भक्ति का रसपान एवं भक्ति बयार बहेगा, कलश यात्रा कार्यक्रम आज

कोडरमा : डोमचांच प्रखंड अंतर्गत धरगांव पंचायत के नीचे टोला में श्री श्री 1008 नवदिवसीय शिव शक्ति प्राण प्रतिष्ठा रूद्र यज्ञ एवं संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का भव्य आयोजन 20 फरवरी से होने जा रहा है यज्ञ की पूरी तैयारी समिति के द्वारा कर ली गई है। 20 फरवरी को भव्य कलश यात्रा का आयोजन होगा आयोजन को लेकर श्रद्धालु भक्तों में उत्साह उमंग देखा जा रहा है वहीं यज्ञ समिति के द्वारा यज्ञ स्थल से लगभग पांच किलोमीटर तक लाइट एवं ध्वनि लगाया गया है नवादा चौक पर यज्ञ स्थल जाने के लिए भव्य तोरण गेट भी बनाया गया है जगह जगह पर एलइडी गेट लगाया गया है,यज्ञ स्थल पर प्रवचन के लिए मंच एवं श्रद्धालु भक्तों को प्रवचन सुनने के लिए भव्य पंडाल का बनाया गया है। रुद्र यज्ञ 20 फरवरी से 28 फरवरी तक चलेगा। वहीं 2 मार्च को झारखंड की प्रसिद्ध मशहूर भजन गायिका पल्लवी झा अपने पूरे टीम के साथ भक्ति के अथाह सागर में गोते लगाने के लिए श्रद्धालु भक्तों को विभोर करते हुए भजन का रस पान कराएगी .रुद्र यज्ञ कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के तमाम पदाधिकारी एवं सदस्य गण जुटे हुए हैं।

उपायुक्त ने चुनावी तैयारियों का निरीक्षण किया

सिमडेगा : नगर पालिका आम चुनाव 2026 को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह-उपायुक्त सिमडेगा श्रीमती कंचन सिंह ने चुनावी तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु पोलिंग पार्टियों को उपलब्ध कराई जा रही सामग्री एवं आवश्यक प्रपत्रों की गहन समीक्षा की। उन्होंने स्वयं एक मतदान केंद्र के लिए तैयार किए गए सभी सामग्रियों की मिलन की। चेकलिस्ट के माध्यम से एक-एक सामग्री का मिलान कर यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी प्रकार की आवश्यक वस्तु छुट न जाए। उपायुक्त ने सामग्री कोषांग में कार्यरत पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि नगर क्षेत्र अंतर्गत 37 मतदान केंद्रों के लिए सभी आवश्यक सामग्री समय पर एवं पूर्ण रूप से पोलिंग पार्टियों को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की कमी से मतदान कार्य प्रभावित नहीं होना चाहिए और मतदान कर्मियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। सभी सामग्रियों का पुनः सत्यापन कर व्यवस्थित ढंग से वितरण सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी पवन कुमार महतो, जिला आपूर्ति पदाधिकारी नरेश रजक, प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर रेनियर खालखो, निर्वाचन शाखा के कर्मीगण सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ठेकेदार से लेवी मांगने और मारपीट करने वाले तीन को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गुमला : गुमला जिले में घाघरा पुलिस ने ठेकेदार से लेवी मांगने और मारपीट करने के आरोप में तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार अपराधी देवाकी कुसुमटोली के निवासी हैं। इनमें प्राथमिक अभियुक्त प्रेम उरांव, मुकेश उरांव और संदीप उरांव शामिल हैं। थाना प्रभारी मोहन कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस की टीम ने अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर तीनों अपराधियों को गिरफ्तार किया। यह घटना सोमवार की रात लगभग 8 बजे हुई। घटना के अनुसार, देवाकी कुसुम टोली गांव में उत्तर प्रदेश से आए बिजली विभाग के तार लगाने के कार्य में लगे ठेकेदार अपने काम के बाद रूम में थे। तभी अज्ञात हथियारबंद अपराधियों ने लेवी की मांग की। लेवी देने से इनकार करने पर अपराधियों ने राजस्थान गुदावली भाटपुर निवासी कंपनी के बिजली विभाग के सुपरवाइजर विजय सिंह पर हमला किया। पहले उन्हें हथियार के बट से सिर पर मारा गया और बाद में पत्थर से हमला कर सिर फोड़ दिया। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सुपरवाइजर को नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया, जहां उनका उपचार किया गया।

एक नजर

ऑर्गेनिक खाद से मिट्टी के साथ जीवन सुधारने की चलेगी मुहिम

पटमदा : पटमदा प्रखंड में मनरेगा योजना सहित कई योजनाओं में चल रहे पौधरोपण योजनाओं में लगाने के दौरान जैविक खाद का उपयोग करने को लेकर जागरूक किया गया।जानकारी देते हुए ग्रीन एज जैविक खाद उत्पादक के विकास लोहिया ने बताया कि किसानों और विभागों के द्वारा चलाए जा रहे कृषि उत्पादन और पौधरोपण योजनाओं में यदि जैविक खाद का उपयोग किया जाए। तो फसलों के बेहतर उत्पादन के साथ मिट्टी की गुणवत्ता की भी रक्षा होगी। जिससे अन्य प्रकार के केमिकल युक्त खाद से मिट्टी को हो रहे नुकसान से राहत मिलेगा। उन्होंने कहा कि चाकुलिया गौशाला के गौधन के गोबर को संग्रह कर जैविक खाद बनाया जा रहा हैं ताकि गौशाला में भी कुछ सहयोग हो सके। इस दौरान किसान गोपेन कुंभकार ने भी प्रखंड परिसर में लोगों को इस जैविक खाद के उपयोग के प्रति जागरूक किया। वही पटमदा के मनरेगा बीपीओ ललिता सोरेन को उपहार स्वरूप सौंपकर उपयोग करने की अपील की।

हाथी के हमले में महिला गंभीर रूप से घायल

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के गुड़ाबांदा प्रखंड अंतर्गत बेनागाड़िया गांव में गुरुवार सुबह लगभग साढ़े छह बजे उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब एक जंगली हाथी ने 68 वर्षीय चंपा हेंब्रम पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि वृद्धा रोज की तरह घर से बाहर शौच के लिए निकली थीं। इसी दौरान अचानक सामने हाथी आ गया। घबराकर वह भागने लगीं, लेकिन हाथी ने उन्हें पटक दिया, जिससे उनका एक पैर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण तत्काल उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन स्थिति नाजुक देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें ओडिशा के बारीपादा रेफर कर दिया गया।

डीसी और एसपी ने सेक्टर पदाधिकारियों को आपसी समन्वय का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : आगामी 23 फरवरी को पलामू के पांचों नगर निकाय क्षेत्रों के लिये मतदान होगा। इसे लेकर गुरुवार को मेदिनीनगर के टाउन हॉल में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त समीरा एस और पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने चुनाव में प्रतिनियुक्त सेक्टर पदाधिकारियों और सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी समीरा एस ने एक-एक कर सेक्टर पदाधिकारी से उनके क्षेत्राधिकार में पड़ने वालों बूथों की संख्या, बूथों का लोकेशन, क्लस्टर से बूथों की दूरी की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने सभी सेक्टर पदाधिकारियों से उनके बूथों पर एएमएफ के तहत सभी सुविधा बहाल रहे, यह सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव निष्पक्ष और भय मुक्त वातावरण में संपन्न हो, इसके लिये सेक्टर पदाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों के बीच आपसी समन्वय जरूरी है। मतदान के बाद सभी लोग क्लस्टर पर पहुंचेगें। पूर्व से निर्धारित रुट को फॉलो करना जरूरी रहेगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाताओं के बीच वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप का वितरण शत-प्रतिशत करने का निर्देश दिया। किसी भी परिस्थिति में पोलिंग पर्सन के की ओर से निजी वाहनों का इस्तेमाल नहीं किया जायेगा। उन्होंने सभी को मतदान पूर्व संध्या जिम्मेदारी, आवंटित मतदान केंद्रों का दौरा, मतदान केंद्रों का निरीक्षण, नियंत्रण कक्ष एवं संचार व्यवस्था, क्रिटिकल बूथों पर विशेष नजर रखने पर ध्यान देने की बात कही। उन्होंने सभी को उनके दायित्व के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। वहीं पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने कहा कि 23 फरवरी को मतदान स्थल के 100 मीटर के क्षेत्र में किसी प्रकार के हथियार ले जाने पर पाबंदी है। सभी पुलिस के जवान यह सुनिश्चित करें कि कोई भी मतदाता मतदान स्थल के भीतर मोबाइल के साथ प्रवेश नहीं करे। उन्होंने मतदानकर्मियों से कहा कि किसी प्रकार की गड़बड़ी की शिकायत सर्वप्रथम अपने सेक्टर पुलिस पदाधिकारी से करें। इसके अलावे एसपी ने सभी पुलिस कर्मियों को भयमुक्त चुनाव संपन्न कराने को लेकर कई निर्देश दिये। मौके पर उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन, सभी निवार्ची पदाधिकारी, सहायक निवार्ची पदाधिकारी, सभी सेक्टर पदाधिकारी और सेक्टर पुलिस पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

ईचागढ़ में अनियंत्रित ट्रैक्टर 10 फीट नीचे पलटा, चालक गंभीर रूप से घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ थाना क्षेत्र के सिल्ली रांगामाटी सड़क पर झारूआ गांव के पास एक बीना नंबर का अनियंत्रित ट्रैक्टर सड़क किनारे करीब 10 फीट नीचे जाकर पलट गई। ट्रैक्टर पलटने से चालक का बायां पैर टुट कर अलग हो गया। चालक का पहचान चौका थाना क्षेत्र के सीदडीह निवासी अरूण लोहार के रूप में की गई। घटना की सुचना मिलते ही ईचागढ़ थाना के एएसआई सुवालाल सिंह दलवल के साथ एंबुलेंस लेकर पहुंचे और घायल चालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ईचागढ़ भेज दिया, जहां चिकित्सकों ने बेहतर इलाज हेतु एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि खाली ट्रैक्टर चौका से ईचागढ़ थाना क्षेत्र के जारगोडीह जा रहा था, जहां अनियंत्रित होकर पलट गया। तत्काल स्थानीय पत्रकारों ने घायल को खाई से ढोकर उठाया एवं एंबुलेंस में चढ़ाकर अस्पताल भेजा।ग्रामीणों का कहना है कि प्रतिदिन सैकड़ों बालु लदे ट्रैक्टर तेज रफ्तार से चौका , चांडिल एवं विभिन्न जगहों पर ले जाया जाता है। अधिक ट्रीप करने के चक्कर में कई बार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया है एवं कई लोगों की जाने भी जा चुकी है। अनियंत्रित बालु लदे ट्रैक्टरों के चलते सड़कों पर वाहन सवारी जान जोखिम में डालकर आवाजाही के लिए मजबुर है।

हथियार के साथ सात गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : सबिना कॉलोनी में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अपराध की योजना बना रहे सात युवकों को हथियार और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई गोलमुरी थाना क्षेत्र में की गई। मामले का खुलासा गुरुवार को सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में किया। सिटी एसपी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सबिना कॉलोनी के एक कमरे में कुछ युवक इकट्ठा होकर किसी बड़ी आपराधिक वारदात की साजिश रच रहे हैं। सूचना मिलते ही एक विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई।

पुलिस टीम को देखते ही कमरे में मौजूद युवक भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर सभी को खदेड़कर पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों में सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली डांगुडीह निवासी मो. जीशान उर्फ जीशु (26), बिष्टूपुर धतकीडीह ए ब्लॉक निवासी शेख नुमान (25), धतकीडीह न्यू डीएस फ्लैट निवासी शेख फैज (23), गोलमुरी मुस्लिम बस्ती निवासी मो. चांद शेख (25), गोलमुरी हिंदू लाइन निवासी शुभम कोहली उर्फ अनमोल कोहरी (20), मो. जुनैद रजा (20) तथा सबिना कॉलोनी निवासी परवेज आलम (32) शामिल हैं। तलाशी के दौरान आरोपितों के पास से एक देशी पिस्टल, सात जिंदा गोलियां, एक स्कॉर्पियो वाहन, चापड़, भुजाली, चाकू और 22,500 रुपये नकद बरामद किए गए। एसपी ने बताया कि बरामद हथियारों का इस्तेमाल किसी बड़ी वारदात में किया जाना था। स्कॉर्पियो वाहन को भी जब्त कर लिया गया है और उसके मालिक की जांच की जा रही है। प्रेसवार्ता में सिटी एसपी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में कुछ अहम सुराग मिले हैं और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आरोपियों का आपराधिक इतिहास क्या रहा है तथा वे किस वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। सभी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है और अन्य संभावित सहयोगियों की भी तलाश की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

बनकुचिया और गेरुवाला मध्य विद्यालय को उच्च विद्यालय में उत्क्रमित करने को लेकर हुई बैठक

पटमदा : पटमदा प्रखंड के बंगाल सीमावर्ती क्षेत्र में बसे उत्क्रमित उच्च विद्यालय गेरुवाला और बनकुचिया को उत्क्रमित उच्च विद्यालय बनाने को लेकर शिक्षा समिति की बैठक बीडीओ कार्यालय में जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों के साथ किया गया। बैठक में विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावक शिक्षा के प्रति जागरूक हो चुके हैं। सभी विद्यालयों में शिक्षा के स्तर को बेहतर करने को लेकर विभाग को सक्रियता होने की जरूरत है। वही बैठक में जिन विद्यालयों में अतिरिक्त शिक्षक पदस्थापित हैं वहां से एकल शिक्षक वाले विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को दूर करने की बात पर भी चर्चा हुआ। पार्षद प्रदीप बेसरा ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के नामांकन में भी पारदर्शिता के साथ योग्य छात्राओं का नामांकन लेने की बात कही। उत्तरी जिला परिषद सदस्य खगेन चंद्र महतो ने कहा कि मेरे जिला परिषद अनिता सिन्हा बीईईओ, पार्षद खगेन चंद्र महतो, पार्षद प्रदीप बेसरा, प्रमुख बालिका सोरेन, बीडीओ शशि नीलिमा डुंगडुंग,सांसद प्रतिनिधि महावीर महतो, विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू,अबनी महंती, कल्याण पदाधिकारी प्रियब्रत कुमार कस्तूरबा नामांकन में चयन में हो पारदर्शिता, जरूरतमंद बच्चों का हो नामांकन, एकल शिक्षक वाले स्कूलों में शिक्षकों की हो आपूर्ति, अतिरिक्त शिक्षक वाले विद्यालय से शिक्षकों को पदस्थापित किया जाए।

कुकडू प्रखंड कार्यालय में शोक सभा, दिवंगत नाजिर तापस सरकार को दी गई श्रद्धांजलि

कुकडू : सरायकेला-खरसावां जिले के कुकडू प्रखंड कार्यालय में दिवंगत नाजिर तापस सरकार की आत्मा की शांति के लिए गुरुवार को शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित सभी कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने तापस सरकार के मिलनसार स्वभाव, कर्तव्यनिष्ठा और कार्यालय के प्रति उनकी समर्पित सेवा को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि उनके निधन से प्रखंड कार्यालय को अपूरणीय क्षति हुई है। शोक की इस घड़ी में प्रखंड कार्यालय के समस्त कार्यों को गुरुवार के लिए स्थगित रखा गया। उपस्थित सभी कर्मियों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

उन्नत उद्यानिकी प्रशिक्षण के लिए 40 प्रगतिशील किसान नोएडा रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम ; पूर्वी सिंहभूम जिले से गुरुवार को मिशन फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर (एमआईडीएच) योजना के तहत चयनित 40 प्रगतिशील किसानों को पांच दिवसीय उन्नत उद्यानिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नोएडा रवाना किया गया। किसानों को समाहरणालय परिसर से उप विकास आयुक्त नागेंद्र पासवान ने हरी झंडी दिखाकर बस से रवाना किया। इसके बाद सभी किसान ट्रेन के माध्यम से अपनी आगे की यात्रा पूरी करेंगे। इस अवसर पर जिला उद्यान पदाधिकारी अनिमा लकड़ा सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय बागवानी तकनीकी संस्थान, नोएडा में आयोजित किया जा रहा है, जहां किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक उद्यानिकी पद्धतियों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान उन्नत उत्पादन तकनीक, गुणवत्तायुक्त पौध प्रबंधन, संरक्षित खेती की विधियां, पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन तथा कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी प्रदान की जाएगी, ताकि किसान अपने क्षेत्रों में बेहतर उत्पादन के साथ आय में वृद्धि कर सकें।

पसारी कास्टिंग एंड रॉलिंग मील प्राइवेट लिमिटेड में हादसा, श्रमिक की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : चांडिल स्थित पसारी कास्टिंग एंड रॉलिंग मील प्राइवेट लिमिटेड में 18 फरवरी को कार्य के दौरान हुए हादसे में एक श्रमिक की मौत हो गई। आरोप है कि कार्यस्थल पर सेफ्टी नियमों और आवश्यक सुरक्षा उपकरणों की अनदेखी के कारण परशुराम महतो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अवस्था में उन्हें तत्काल जमशेदपुर स्थित एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद परिजनों में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। परिजनों के साथ कंपनी में कार्यरत कई श्रमिकों ने प्रशासन से कंपनी में सुरक्षा मानकों की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। यह घटना औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक सुरक्षा और जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। घटना की सूचना मिलते ही झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय सचिव गोपेश महतो अस्पताल पहुंचे और शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। उनके नेतृत्व में कंपनी प्रबंधन के साथ चली लंबी वार्ता के पश्चात कंपनी ने मृतक के परिजनों को कुल 13 लाख रुपये मुआवजा देने पर सहमति जताई। इसमें 6-6 लाख रुपये के दो चेक तथा एक लाख रुपये नकद शामिल हैं। इस संबंध में लिखित समझौता पत्र पर हस्ताक्षर भी किए गए। वार्ता के दौरान गोपेश महतो ने कंपनी प्रबंधन को भविष्य में सेफ्टी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि यदि श्रमिकों की सुरक्षा से समझौता किया गया तो संगठन धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)-सह-उपायुक्त कार्यालय का सिमडेगा
(जिला निर्वाचन शाखा)

-: आम सूचना :-

राज्य निर्वाचन आयोग, झारखण्ड, राँची से प्राप्त अधिसूचना के अनुसार सिमडेगा जिला अन्तर्गत नगर परिषद क्षेत्र में दिनांक 23.02.2026 को मतदान की तिथि निर्धारित है।

मतदान के दौरान मतदाता की पहचान ठीक ढंग से होनी चाहिए इसलिए ऐसे निर्वाचकों की पहचान साबित करने के लिए निम्न दस्तावेज आयोग द्वारा निर्धारित किये गये हैं:-

1. भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किया गया मतदाता पहचान पत्र (EPIC)
2. निर्वाचन तंत्र द्वारा जारी प्रमाणिक फोटोयुक्त मतदाता पर्ची
3. पासपोर्ट
4. ड्राईविंग लाइसेंस
5. राज्य/केन्द्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रम, स्थानीय निकाय या पब्लिक लिमिटेड कम्पनी द्वारा उनके कर्मचारियों को जारी किये जाने वाले फोटो युक्त सेवा पहचान पत्र
6. बैंक/डाकघर फोटोयुक्त पास बुक
7. आयकर पहचान पत्र (पैन कार्ड)
8. आधार कार्ड
9. राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (NPR)
10. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत जारी फोटोयुक्त जॉब कार्ड
11. फोटोयुक्त स्वास्थ बीमा योजना (स्माट कार्ड)
12. फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)
-सह-उपायुक्त, सिमडेगा

PR 373260 Simdega (25-26)_D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग

- :: आम सूचना ::-

एतद् द्वारा हजारीबाग जिला क्षेत्रान्तर्गत सदर/दारू/कटकमसांडी/कटकमदाग/चुरचू/डाड़ी/ बड़कागॉव/ केरेडारी/ विष्णुगढ/टाटीझारिया/ईचाक/बरही/पदमा/बरकट्ठा/चलकुशा एवं चौपारण प्रखण्ड के आमजनों को सूचित किया जाता है कि गर्मी को ध्यान में रखकर उक्त क्षेत्रों में पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित करने हेतु पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग के स्तर पर नियंत्रण कक्ष का गठन किया गया है। नियंत्रण कक्ष का दुरभाष सं0- **06546-262291** पर नलकूप मरम्मति/ग्रामीण पाईप जलापूर्ति योजनाओं से संबंधित शिकायतों को प्राप्त किया जायेगा। जिसके नोडल पदाधिकारी श्री राजशेखर, प्राक्कलक, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग एवं उनके अधीनस्थ सदस्यों के रूप में श्रीमती रीता देवी, नि0व0लि0 एवं श्री उपेन्द्र कुमार, निम्न वर्गीय लिपिक तथा श्रीमती पिंकी देवी एवं श्री संतोश कुमार, अनुसेवक नियंत्रण कक्ष में रहेंगे। वर्णित दूरभाष पर उक्त क्षेत्र के ग्रामीण जनता नलकूप मरम्मति/ ग्रामीण पाईप जलापूर्ति योजनाओं में त्रुटि के निराकरण हेतु कार्य अवधि में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत प्राप्त होने पर उसके निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई की जायेगी।

पेयजलापूर्ति संबंधित शिकायत को निराकरण हेतु प्रखण्डों में पदस्थापित सहायक अभियन्ता/कनीय अभियन्ता का नाम एवं मोबाईल नं0 निम्नांकित है, जिनसे पेयजलापूर्ति की समस्या के समाधान हेतु उनसे सीधे संपर्क किया जा सकता है।

क्र0	अवर प्रमण्डल पदाधिकारी का नाम/मोबाईल नं0	कार्यरत कनीय अभियन्ता का नाम/मोबाईल नं0	आवंटित प्रखण्ड	अभ्युक्ति
1	श्री रक्षित कुमार, पेयजल एवं स्वच्छता अपर प्रमण्डल सं0-01, हजारीबाग मो0-8651694007	श्री प्रेम नाथ उरांव प्रसाद, प्रशाखा- कटकमसांडी, ह0बाग मो0 नं0-8009599783	कटकमसांडी एवं कटकमदाग	
		श्री संजीत उरांव प्रशाखा - सदर, हजारीबाग। मो0 नं0-7632931408	प्रखण्ड-सदर एवं दारू	
		श्री मणिकांत कुमार महतो प्रशाखा-चुरचू मो0 नं0-8102690901	प्रखण्ड- चुरचू एवं डाडी,	
2	श्री चन्द्रिका राम, पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमण्डल सं0-02, हजारीबाग मो0-8789356527	श्री अरूण कुमार प्रशाखा-ईचाक मो0 नं0-7295921997	प्रखण्ड- ईचाक	
		श्री संजीव कुमार प्रशाखा-बड़कागॉव, मो0 नं0-7903179626	प्रखण्ड-बड़कागॉव, केरेडारी,	
		श्री विवेक कुमार रवि प्रशाखा-विष्णुगढ़ मो0 नं0-7079376302	विष्णुगढ़ एवं टाटीझरिया	
3	श्री निखिल कुमार, पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमण्डल बरही, हजारीबाग मो-8076635024	श्री अभिजीत कुमार प्रशाखा-बरकट्ठा, मो0 नं0-9508005732	प्रखण्ड- बरकट्ठा एवं चलकुशा	
		श्री आकिब अहमद प्रशाखा-बरही मो0 नं0- 9430337916	प्रखण्ड-बरही, चौपारण एवं पदमा	

कार्यपालक अभियन्ता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,हजारीबाग

PR 373335 Drinking Water and Sanitation(25-26).D

डायन कुप्रथा मामले के बाद कलईया गांव पहुंचे उपायुक्त और एसपी, पीड़ित परिवार से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के हाटगम्हरिया प्रखंड अंतर्गत कुमारडुंगी थाना क्षेत्र के कलईया गांव में डायन के संदेह में मां-बेटे की हत्या की घटना के बाद जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। गुरुवार को जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार और पुलिस अधीक्षक अमित रेणु ने गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और हालात का जायजा लिया। अधिकारियों ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से विस्तार से बातचीत कर घटना की पूरी जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में भर्ती घायल व्यक्ति के स्वास्थ्य की भी जानकारी प्राप्त की और चिकित्सीय व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने परिवार को भरोसा दिलाया कि प्रशासन उनके साथ खड़ा है और हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने यह भी जांच की कि परिवार को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा परिवार के बच्चों के आंगनबाड़ी केंद्र में नामांकन की स्थिति की समीक्षा की गई। संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया कि पीड़ित परिवार को सभी आवश्यक योजनाओं से प्राथमिकता के आधार पर जोड़ा जाए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। पुलिस अधीक्षक ने गांव में कानून-व्यवस्था की स्थिति का भी आकलन किया और पीड़ित परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस जघन्य घटना में शामिल दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी भी सूरत में कानून को हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन ने पुनर्वास और सुरक्षा को लेकर गंभीरता जताते हुए कहा कि पूरे मामले की लगातार निगरानी की जा रही है। मौके पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

न्याय बने विकास की कसौटी

किसी भी समाज की सच्ची प्रगति उसकी ऊंची इमारतों या तेज आर्थिक वृद्धि से नहीं बल्कि इस बात से मापी जानी चाहिए कि वह अपने सबसे कमजोर, वंचित और हाशिए पर खड़े नागरिकों को कितना न्यायपूर्ण, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करता है। 20 फरवरी को मनाया जाने वाला सामाजिक न्याय का विश्व दिवस मानव सभ्यता की उस मूल चेतना का प्रतीक है, जिसके बिना न तो शांति संभव है और न ही टिकाऊ विकास। इस दिवस की स्थापना इसलिए की गई थी ताकि गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक बहिष्कार, असमानता और भेदभाव जैसी जटिल वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए देशों के बीच साझा प्रतिबद्धता को मजबूती मिल सके। वर्ष 2026 में सामाजिक न्याय का विश्व दिवस की थीम है 'समावेशन को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना'। यह थीम स्पष्ट करती है कि असमानताओं को कम करने के लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। जरूरी यह है कि विकास की प्रक्रिया में समाज के हर वर्ग की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित हो। समावेशन का अर्थ केवल योजनाओं का लाभ पहुंचाना नहीं बल्कि निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में उन लोगों की आवाज को स्थान देना है, जो अब तक हाशिए पर रहे हैं। जब तक नीतियां केवल केंद्रों में बनती रहेंगी और उनका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंचेगा, तब तक सामाजिक न्याय एक अधूरा लक्ष्य बना रहेगा। यह दिवस विशेष प्रासंगिकता रखता है क्योंकि आज की दुनिया एक गहरे संक्रमणकाल से गुजर रही है। वैश्वीकरण, तकनीकी प्रगति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक तनावों ने आर्थिक व सामाजिक ढ़ांचों को तेजी से बदला है। इन बदलावों का लाभ जहां कुछ सीमित वर्गों तक सिमट गया है, वहीं बड़ी आबादी, विशेषकर गरीब, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, महिलाएं, प्रवासी, दिव्यांगजन और अल्पसंख्यक समुदाय और अधिक असुरक्षित होती जा रही है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय केवल नैतिक आदर्श नहीं, नीति और शासन की अनिवार्य प्राथमिकता बन चुका है। सामाजिक न्याय की अवधारणा अवसरों, संसाधनों और अधिकारों के निष्पक्ष वितरण से जुड़ी है। इसका मतलब यह नहीं कि सभी को समान परिणाम मिले बल्कि यह है कि सभी को समान अवसर उपलब्ध हों। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और कानूनी सुरक्षा तक समान पहुंच इसके मूल स्तंभ हैं। जब किसी व्यक्ति का भविष्य उसकी जाति, लिंग, धर्म, जन्म स्थान या आर्थिक स्थिति से तय होने लगे, तब यह स्पष्ट संकेत होता है कि समाज में न्याय का संतुलन बिगड़ चुका है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई लगातार चौड़ी हो रही है। एक ओर अत्यधिक संपन्न वर्ग है, जिसके पास संसाधनों और अवसरों की प्रचुरता है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों लोग बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बेरोजगारी, असुरक्षित रोजगार और कम वेतन ने विशेष रूप से युवाओं के सामने गंभीर संकट खड़े कर दिए हैं। इसी संदर्भ में सम्मानजनक कार्य और मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र की आवश्यकता सामने आती है। पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, बेरोजगारी सहायता और खाद्य सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं केवल कल्याणकारी योजनाएं नहीं बल्कि सामाजिक स्थिरता और भरोसे की आधारशिला हैं। भारत में सामाजिक न्याय का विचार गहरे संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा है। संविधान की प्रस्तावना सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की गारंटी देती है जबकि मौलिक अधिकार और राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत असमानताओं को कम करने और कल्याणकारी राज्य की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। स्वतंत्रता के बाद से आरक्षण नीति, सामाजिक कल्याण योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य में सार्वजनिक निवेश तथा कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। बावजूद इसके, क्षेत्रीय असमानताएं, शहरी-ग्रामीण विभाजन, डिजिटल डिवाइड और लैंगिक विषमता जैसी चुनौतियां आज भी बनी हुई हैं। सामाजिक न्याय का विश्व दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है कि क्या हमारी नीतियां अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच रही हैं, क्या शिक्षा और रोजगार के अवसर वास्तव में समान हैं और क्या विकास का लाभ संतुलित रूप से बंट रहा है? यह दिवस यह भी याद दिलाता है कि सामाजिक न्याय की लड़ाई किसी एक देश या सरकार की नहीं बल्कि वैश्विक सहयोग और सामूहिक प्रयास की मांग करती है।

सूडोकु नवताल- 7711

मध्यम

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7710 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

असमानताओं पर प्रहार, समानता का विस्तारः एक सार्थक पुकार

ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व सामाजिक न्याय दिवस आज के समय में केवल असमानताओं पर प्रहार एवं समानता के विस्तार की एक सार्थक पुकार का अंतरराष्ट्रीय आयोजन ही नहीं, बल्कि वैश्विक चेतना का आह्वान है। वर्ष 2026 में यह दिवस विशेष महत्व ग्रहण कर रहा है, क्योंकि विश्व तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था, तकनीकी संक्रमण, जलवायु संकट, राजनीतिक ध्रूवीकरण और सामाजिक असमानताओं के बीच नई संतुलित व्यवस्था की तलाश में है। इस वर्ष की थीम "समावेश को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना" हमें यह याद दिलाता है कि विकास तभी सार्थक है जब वह समावेशी हो और समावेशन तभी प्रभावी है जब वह न्यायपूर्ण हो। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल अवसरों की समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक व्यवस्था की स्थापना का आग्रह करता है जिसमें संसाधनों, अधिकारों और गरिमा का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित हो। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा की समान उपलब्धता नहीं मिलती, तब तक प्रगति अधूरी है। 2026 की थीम विशेष रूप से उन समुदायों की भागीदारी पर बल देती है जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं-चाहे वे आर्थिक रूप से वंचित हों, सामाजिक रूप से उपेक्षित हों या राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व से दूर हों। समावेशन का सशक्तिकरण केवल नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता का अधिकार है।

आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई कई रूपों में दिखाई देती है। एक ओर तकनीकी क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है, तो दूसरी ओर पारंपरिक श्रम-आधारित रोजगार असुरक्षित होते जा रहे हैं। डिजिटल विभाजन नई सामाजिक दूरी का कारण बन रहा है। ग्रामीण और शहरी, विकसित और विकासशील, पुरुष और महिला, सक्षम और दिव्यांग-इन सबके बीच संसाधनों की असमान पहुंच सामाजिक तनाव को जन्म देती है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय का अर्थ है इन अंतरों को पहचानना और उन्हें पाटने के लिए लक्षित, संवेदनशील और पारदर्शी नीतियों का निर्माण करना। सम्मानजनक कार्य की अवधारणा भी सामाजिक न्याय के केंद्र में है। केवल रोजगार उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसा कार्य-संस्कृति बनाना आवश्यक है जिसमें उचित वेतन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो। आर्थिक विकास तभी टिकाऊ हो सकता है जब वह मानव गरिमा के साथ जुड़ा हो। यदि विकास केवल आंकड़ों में सीमित रह जाए और आम नागरिक के जीवन में राहत न ला सके, तो वह विकास नहीं, केवल विस्तार है।

मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र इस युग की अनिवार्यता बन चुका है। कोविड-19 महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि संकट किसी भी समाज को अचानक अस्थिर कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट और आर्थिक मंदी से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। वृद्धजन, दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक-इन सभी के लिए संरक्षित ढांचा ही न्यायपूर्ण समाज की नींव है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में सामाजिक न्याय का विचार ऐतिहासिक और संवैधानिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान ने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों के माध्यम से एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां जाति, धर्म, लिंग या वर्ग के आधार पर भेदभाव न हो। आज भी सामाजिक न्याय का प्रश्न केवल आर्थिक असमानता तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक पूर्वाग्रहों, लैंगिक भेदभाव, क्षेत्रीय असंतुलन और सांस्कृतिक असमानताओं से भी जुड़ा है।

समकालीन भारत में सामाजिक न्याय के संदर्भ में विभिन्न सरकारी योजनाओं और पहलों के माध्यम से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक और नशा-पीड़ित व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। सरकार का दृष्टिकोण यह रहा है कि सामाजिक न्याय विभाजन की राजनीति नहीं, बल्कि समावेशन की नीति के माध्यम से स्थापित हो। 'संतुष्टिकरण' बनाम 'तुष्टिकरण' की अवधारणा इसी दिशा में एक वैचारिक संकेत है, जो समाज को जोड़ने की बात करती है। फिर भी चुनौतियां शेष हैं। महंगाई, बेरोजगारी, पर्यावरणीय संकट और बढ़ती जीवन-यापन लागत आम नागरिक के लिए वास्तविक कठिनाइयां उत्पन्न करती हैं। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं, बल्कि जनसंतोष और जनकल्याण सुनिश्चित करना है। यदि नागरिक स्वयं को असुरक्षित, असमान या उपेक्षित अनुभव करें, तो सामाजिक न्याय का आदर्श खोखला प्रतीत होने लगता है।

आज आवश्यकता है कि सामाजिक न्याय को केवल राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व के रूप में देखा जाए। हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि 'यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।' रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि 'मनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है।' लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती। शासन और प्रशासन की प्रत्येक नीति का अंतिम लक्ष्य मानव कल्याण होना चाहिए। यदि शक्ति के स्त्रोत जनहित में प्रयुक्त न हों, तो वे असंतोष और अविश्वास को जन्म देते हैं। विश्व सामाजिक न्याय दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। क्या हमारा लोकतंत्र समानता का लोकतंत्र है या विभेद का? क्या हमारी स्वतंत्रता सबके लिए समान अवसर लेकर आई है या केवल कुछ वर्गों तक सीमित है? क्या हमारी नीतियां पारदर्शिता और नैतिकता पर आधारित हैं या वे जटिलता और असमानता को बढ़ा रही हैं? इन प्रश्नों का उत्तर ईमानदारी से खोजना ही इस दिवस की सार्थकता है।

सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नई वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और डिजिटल नवाचार नए अवसर प्रदान कर रहे हैं, वहीं यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इन अवसरों का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। अन्यथा विकास की गाड़ी कुछ लोगों को आगे ले जाएगी और शेष को पीछे छोड़ देगी। समावेशन का सशक्तिकरण इसी असंतुलन को रोकने का प्रयास है।

रोबोडॉग प्रकरणः प्रमाणन की होड़ में दम तोड़ती अकादमिक गुणवत्ता

डॉ. प्रियंका सौरभ

गलगोटिया यूनिवर्सिटी में रोबोडॉग के प्रदर्शन से जुड़ा हालिया विवाद सोशल मीडिया और मुख्यधारा मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना। सतह पर यह मामला उपयुक्तता, प्राथमिकताओं या कैंपस संस्कृति से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन वास्तविकता में यह भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में वर्षों से पनप रहे गहरे और संरचनात्मक संकट का केवल एक लक्षण है। समस्या रोबोडॉग नहीं है। समस्या यह है कि हमारे विश्वविद्यालय धीरे-धीरे क्या बनते चले गए हैं।

पिछले दो दशकों में भारत में उच्च शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। निजी विश्वविद्यालयों, स्ववित्तपोषित कॉलेजों और डिग्री संस्थानों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इस विस्तार को अक्सर शिक्षा तक पहुँच बढ़ने और जनसांख्यिकीय लाभ के रूप में प्रस्तुत किया गया। लेकिन जब यह विस्तार समानांतर नियमन, अकादमिक कठोरता और जवाबदेही के बिना हुआ तो इसकी कीमत गुणवत्ता को चुकानी पड़ी। परिणाम यह हुआ कि मात्रा बढ़ी पर गुणवत्ता लगातार गिरती चली गई।

आज देश के अधिकांश-हालाँकि सभी नहीं—निजी विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज शिक्षा के केंद्र कम और डिग्री वितरण केंद्र अधिक बन गए हैं। शिक्षा एक बौद्धिक प्रक्रिया नहीं बल्कि लेन-देन बनती जा रही है- पैसे के बदले डिग्री। उपस्थिति, अकादमिक भागीदारी, प्रयोगशाला कार्य और बौद्धिक अनुशासन जैसी बातें अब अनिवार्य नहीं रहीं, बल्कि समझौते के दायरे में आ गई हैं। जो कभी उच्च शिक्षा में गैर-समझौतावादी हुआ करता था, वह अब लचीला, कमजोर और विकृत हो चुका है। यह गिरावट विशेष रूप से उन विषयों में चिंताजनक है जहाँ कठोरता अनिवार्य है। सैद्धांतिक पढ़ाई का कमजोर होना एक बात है, लेकिन विज्ञान शिक्षा का खोखला हो जाना कहीं अधिक गंभीर है। आज स्थिति यह है कि छात्र बिना नियमित कक्षाओं में गए और बिना प्रयोगशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण लिए विज्ञान जैसे विषयों में स्नातक और परास्नातक डिग्रियाँ प्राप्त कर रहे हैं। प्रयोगात्मक कार्य- जो कभी वैज्ञानिक प्रशिक्षण की रीढ़ हुआ करता था—अब औपचारिकता बनकर रह गया है। डिग्रियाँ तो दी जा रही हैं लेकिन दक्षता सुनिश्चित नहीं की जा रही।

इस खोखलेपन के परिणाम तब स्पष्ट होते हैं जब छात्र नौकरी के लिए सामने आते हैं। रसायन विज्ञान में परास्नातक छात्र बुनियादी वैज्ञानिक अवधारणाएँ नहीं समझा पाता। कॉमर्स स्नातक डेबिट और क्रेडिट की मूल अवधारणा स्पष्ट नहीं कर पाता। प्रबंधन की डिग्री रखने वाला छात्र समस्या-समाधान और आलोचनात्मक सोच में कमजोर दिखाई देता है। ये कोई इक्का-दुक्का उदाहरण नहीं बल्कि उद्योग जगत द्वारा बार-बार देखी जा रही सामान्य प्रवृत्तियाँ हैं।

स्वाभाविक रूप से इससे छात्रों और अभिभावकों में निराशा पैदा होती है। वर्षों की पढ़ाई और भारी आर्थिक निवेश के बावजूद जब रोजगार नहीं मिलता तो सवाल उठते हैं। माता-पिता यह पूछने में बिल्कुल सही होते हैं कि पढ़ाई के बाद भी बच्चा बेरोजगार क्यों है। अक्सर इस असंतोष का निशाना सरकार बनती है, जिस पर रोजगार सृजन न कर पाने का आरोप लगाया जाता है। हालाँकि रोजगार सृजन एक नीतिगत चुनौती है लेकिन यह विमर्श एक असहज सच्चाई को नजरअंदाज कर देता है कि बड़ी संख्या में स्नातक वास्तव में रोजगार योग्य ही नहीं हैं। यहीं से मूल प्रश्न जन्म लेता है। यदि छात्रों में आवश्यक ज्ञान और कौशल नहीं है तो उन्हें योग्य घोषित करने वाली डिग्रियाँ उन्हें कैसे मिल गईं? ऐसी संस्थाओं को बिना अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित किए प्रमाणपत्र बाँटने की अनुमति किसने दी? इसका उत्तर हमें उच्च शिक्षा के नियामक ढाँचे में मिलता है।

भारत में उच्च शिक्षा की देखरेख कई मंत्रालयों, विभागों और नियामक संस्थाओं द्वारा की जाती है, जिनका घोषित उद्देश्य मानकों की रक्षा, गुणवत्ता सुनिश्चित करना और अकादमिक ईमानदारी बनाए रखना है। मान्यता प्रणालियाँ, निरीक्षण, मूल्यांकन और अकादमिक ऑडिट इसी उद्देश्य से बनाए गए थे। लेकिन व्यवहार में ये प्रक्रियाएँ अक्सर वास्तविक मूल्यांकन की बजाय औपचारिक अनुष्ठान बनकर रह गई हैं।

निरीक्षण प्रायः पूर्व निर्धारित होते हैं। दस्तावेज औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए सजाए जाते हैं। इमारतों और बुनियादी ढाँचे को शिक्षण गुणवत्ता पर प्राथमिकता दी जाती है। अनुपालन को सीखने के परिणामों से ऊपर रखा जाता है। छात्रों का वास्तविक अकादमिक अनुभव, शिक्षण की गुणवत्ता, परीक्षा की कठोरता और जिज्ञासा की संस्कृति- इन पर गंभीर और निरंतर निगरानी शायद ही होती है। नतीजतन, संस्थान शिक्षा सुधारने के बजाय नियामकों को ह्लमैनेजह्व करना सीख लेते हैं।

इस नियामक शिथिलता ने एक दुष्चक्र को जन्म दिया है- संस्थान न्यूनतम अकादमिक जवाबदेही के साथ चलते रहते हैं, नियामक निगरानी का आभास बनाए रखते हैं और डिग्रियाँ लगातार जारी होती रहती हैं। इस व्यवस्था की कीमत न तो संस्थान चुकाते हैं, न ही नियामक बल्कि छात्र, नियोक्ता और समाज चुकाता है।

विडंबना यह है कि एक ओर उद्योग जगत योग्य मानव संसाधन की कमी की शिकायत करता है, वहीं दूसरी ओर देश शिक्षित बेरोजगारी के गंभीर संकट से जूझ रहा है। यह कोई विरोधाभास नहीं बल्कि उस व्यवस्था का स्वाभाविक परिणाम है जहाँ प्रमाणपत्र को क्षमता से ऊपर रखा गया है। कंपनियाँ नए कर्मचारियों को फिर से प्रशिक्षित करने पर भारी खर्च करने को मजबूर हैं, जबकि युवा पेशेवर आत्मविश्वास की कमी और करियर ठहराव से जूझते हैं।

इस व्यवस्था का सबसे बड़ा शिकार वे ईमानदार और प्रतिभाशाली छात्र हैं, जो अक्सर विकल्पों की कमी या भ्रामक ब्रांडिंग के कारण औसत संस्थानों में दाखिला ले लेते हैं। वे मेहनत करते हैं, सीखना चाहते हैं लेकिन अंततः उन्हें अपनी काबिलियत से ज्यादा अपनी मार्कशीट पर दर्ज संस्थान के नाम का बोझ उठाना पड़ता है। उनकी व्यक्तिगत योग्यता संस्थागत विश्वसनीयता की कमी में दब जाती है। यह केवल अन्याय नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा की बबार्दी है।

यह स्वीकार करना होगा कि भारत में आज भी कुछ उच्च-गुणवत्ता वाले संस्थान मौजूद हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हैं। लेकिन वे अपवाद हैं, नियम नहीं। उल्लेखनीय है कि बारहवीं तक की स्कूली शिक्षा आज भी अपेक्षाकृत अधिक संरचित और नियंत्रित है। जैसे ही छात्र उच्च शिक्षा में प्रवेश करता है, निगरानी ढीली पड़ जाती है और अपेक्षाएँ धुंधली हो जाती हैं।

यदि इस प्रवृत्ति को समय रहते नहीं रोका गया, तो इसके दीर्घकालिक परिणाम गंभीर होंगे। डिग्रियों का सामाजिक और आर्थिक मूल्य घटेगा। उच्च शिक्षा पर सार्वजनिक विश्वास कमजोर होगा। योग्यता और औसतपन के बीच का अंतर और अधिक अस्पष्ट होता जाएगा। हर गली में विश्वविद्यालय जैसे वाक्य व्यंग्य नहीं बल्कि यथार्थ का वर्णन बन जाएंगे—जहाँ विश्वविद्यालय तो हर जगह होंगे, पर शिक्षा नहीं।

अब सुधार का समय है और यह सुधार ईमानदार और कठोर होना चाहिए। नियामक संस्थाओं को बॉक्स-टिकिंग से आगे जाकर परिणाम आधारित, पारदर्शी और अप्रत्याशित मूल्यांकन अपनाना होगा। शिक्षण की गुणवत्ता, सीखने के परिणाम, छात्र सहभागिता और मूल्यांकन की ईमानदारी को इमारतों और विज्ञापनों से ऊपर रखना होगा।

संस्थानों की जवाबदेही तय करनी होगी। जो कॉलेज और विश्वविद्यालय लगातार अकादमिक रूप से असफल हो रहे हैं, उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई होनी चाहिए- सीटों में कटौती, पाठ्यक्रम निलंबन या मान्यता रद्द करने तक। उच्च शिक्षा ऐसा व्यवसाय नहीं हो सकता जहाँ असफलता की कोई कीमत न चुकानी पड़े।

छात्रों और अभिभावकों को भी अधिक सजग होना होगा। केवल मार्केटिंग, बुनियादी ढाँचे और ब्रांडिंग के आधार पर निर्णय लेना भविष्य के साथ समझौता है। शिक्षा कोई साधारण खरीद नहीं बल्कि बौद्धिक और व्यावसायिक विकास में निवेश है और गलत निर्णयों के दूरगामी परिणाम होते हैं।

अंततः, उच्च शिक्षा का उद्देश्य डिग्री बाँटना नहीं बल्कि सोचने-समझने वाले, सक्षम और ज़िम्मेदार नागरिक तैयार करना है। जब तक यह मूल उद्देश्य पुनः स्थापित नहीं होता, तब तक रोबोडॉग जैसे विवाद आते रहेंगे- कुछ समय के लिए शोर मचाएँगे और फिर शांत हो जाएँगे, जबकि असली संकट जस का तस बना रहेगा। हमें सजावटी सुधार नहीं, बल्कि प्रणालीगत आत्ममंथन चाहिए। क्योंकि शिक्षा का संकट केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहता, वह चुपचाप राष्ट्र का भविष्य गढ़ता है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कर्नाटक से कलिंग तक शिक्षा के मंदिरों में बढ़ती अमानवीय घटनाएं

मनोज कुमार अग्रवाल

दुनिया भर के विभिन्न हिस्सों में उच्च शिक्षा संस्थानों के केम्पस से लगातार सहपाठी छात्र छात्राओं के साथ अमानवीयता भरा दुर्व्यवहार करने के समाचार आते रहते हैं। हमारे देश में भी इसी तरह की घटनाएं हो रही हैं। इनका सबसे दुखद पहलू यह है कि कई मामलों में पीड़ित छात्र छात्रा उत्पीड़न से तंग आकर सुसाइड जैसे कदम उठा रहे हैं। यह बेहद चिंताजनक और शर्मनाक विषय है। सवाल उठता है कि यह सब क्यों हो रहा है? नौजवान बच्चे उत्पीड़न और दुर्व्यवहार की हदें पार क्यों कर रहे हैं? ताजा मामलों में ओडिशा के भुवनेश्वर में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी के हॉस्टल में एक नेपाली छात्रा का शव बरामद हुआ। आरोप लगाया गया है कि छात्रा को आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया। इस मामले में अबतक 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। छात्रा के बैचमेट छात्र के साथ ही केआइआइटी के तीन डायरेक्टर और दो सिक्योरिटी गाड्र्स को अरेस्ट किया गया। वहीं एक अन्य घटना कर्नाटक के एक मेडिकल कॉलेज में कश्मीरी छात्र के साथ मारपीट और रैगिंग की सामने आयी है। अनंतनाग जम्मू-कश्मीर के रहने वाले सेकेंड ईयर के छात्र हमीम के साथ अल-अमीन मेडिकल, विजयपुरा में क्रिकेट मैच के दौरान यह घटना घटी। सीनियर छात्रों ने हमीम को रैगिंग का शिकार बनाया, उसे धमकाया और मारा-पीटा। उन्होंने उसे जबरन माफी मांगने का वीडियो भी रिकॉर्ड करवाया। जम्मू-कश्मीर छात्र संघ ने इस घटना की निंदा की है और कर्नाटक के मुख्यमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की है।यह दो मामले तो नमूना भर हैं आए दिन हमारे कालेज केम्पसों से इस तरह की खबरें आ रहीं हैं।

नेपाली छात्रा से जुड़े मामले की जांच के लिए ओडिशा सरकार ने गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव और उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त-सह-सचिव वाली हाई लेवल फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया है।

दरअसल, 16 फरवरी की शाम बी-टेक थर्ड ईयर की स्टूडेंट प्रकृति लामसाल का शव कॉलेज के हॉस्टल में मिला था। कहा गया कि उसने आत्महत्या की है। छात्रा की मौत पर कॉलेज के अन्य छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया।

छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रकृति के बैच का ही एक छात्र उसे प्रताड़ित कर रहा था। दावा है कि छात्र लड़की का बॉयफ्रेंड था। स्टूडेंट्स का कहना है कि शिकायतों के बाद भी यूनिवर्सिटी ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। छात्रों ने यह आरोप भी लगाया कि यूनिवर्सिटी ने मामले को दबाने की कोशिश भी की।

मीडिया पर वायरल एक वीडियो में दावा किया गया है कि कालेज की दो टीचर्स ने नेपाली छात्रों से बहस की। एक टीचर ने कहा कि हमारा कॉलेज 40 हजार लोगों को फ्री में बैठा के पढ़ा-खिला रहा है। दूसरी ने कहा कि इतना तुम्हारे देश का बजट नहीं होगा।

वहीं, सोशल मीडिया पर यूनिवर्सिटी के नेपाली छात्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि लड़की का मर्डर किया गया था। एक एक्स पोस्ट में शेयर किए गए वॉट्सऐप चैट के स्क्रीनशॉट के मुताबिक, आरोपी लड़के ने यूनिवर्सिटी की सेंट्रल लाइब्रेरी में लड़की को मोलेस्ट किया, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। इसके बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने उसके शव को ले जाकर उसके हॉस्टल के कमरे में रख दिया जिससे ये सुसाइड दिखे।

इसके अलावा एक वीडियो में दावा किया गया है कि यूनिवर्सिटी ने करीब 800 छात्रों को ऑडिटोरियम में बैठाया और उनके फोन जब्त किए, ताकि वे इस मामले को लेकर किसी से बात न कर सकें।

इस घटना के बाद यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले नेपाल के छात्रों ने कॉलेज प्रशासन पर मामले को दबाने का आरोप लगाया। स्टूडेंट्स ने कहा कि हम यूनिवर्सिटी के इंटरनेशनल ऑफिस गए और रात भर धरने पर बैठे रहे। इसके अगले दिन हमें हॉस्टल से बाहर निकाल दिया गया।

एक छात्र ने बताया कि हम लोग प्रदर्शन कर रहे थे। यूनिवर्सिटी स्टाफ आए और हॉस्टल खाली करने को कहा। जो लोग जल्दी सामान पैक नहीं कर रहे थे, उन्हें मारा गया। हमें जबरन हॉस्टल खाली करने पर मजबूर कर दिया गया। दो बसों में भरकर हमें कटक रेलवे स्टेशन पर उतार दिया गया। ओडिशा के भुवनेश्वर में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी के हॉस्टल में नेपाली छात्रा के मामले में अबतक छह लोगों की गिरफ्तारी हुई है। छात्रा के बैचमेट भारतीय छात्र की गिरफ्तारी के बाद कलिंगा इंस्टीट्यूट के तीन डायरेक्टर और दो सिक्योरिटी गाड्र्स को भी अरेस्ट किया गया है। इस मामले की जांच के लिए ओडिशा सरकार ने गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव और उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त-सह-सचिव वाली हाई लेवल फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया है।

दरअसल, 16 फरवरी की शाम बी-टेक थर्ड ईयर की स्टूडेंट प्रकृति लामसाल का शव कॉलेज के हॉस्टल में मिला था। कहा गया कि उसने आत्महत्या की है। छात्रा की मौत पर कॉलेज के अन्य इंटरनेशनल छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रकृति के बैच का ही भारतीय छात्र उसे प्रताड़ित कर रहा था। दावा है कि छात्र लड़की का बॉयफ्रेंड था। स्टूडेंट्स का कहना है कि शिकायतों के बाद भी यूनिवर्सिटी ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। छात्रों ने यह आरोप भी लगाया कि यूनिवर्सिटी ने मामले को दबाने की कोशिश की।

दैनिक पंचांग

20 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.43 बजे से
चंद्र	मीन में	मेष	09.13 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	10.53 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.51 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	15.05 बजे से
शुक्र	कुंभ में	सिंह	17.21 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	19.33 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.44 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.58 ब.से
		धनु	02.14 बजे से
		मकर	04.19 बजे से
		कुंभ	06.06 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 51 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 14.39 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराभाद्रपदा 20.08 बजे को समाप्त।
योग साध्य 18.23 बजे को समाप्त।
करण गर 14.39 बजे तदनन्तर वणिज 01.52 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 2.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 11° 00'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872626
जूलियन दिन 2461091.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान
तारीख 02

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नगरपालिका चुनाव को लेकर प्रशासन सतर्क उपायुक्त ने मतगणना स्थल का लिया जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में गुरुवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त, रामगढ़, फैज अक अहमद मुमताज ने रामगढ़ महाविद्यालय परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। प्रस्तावित रूप से इस महाविद्यालय में चुनाव से संबंधित डिस्पैच सेंटर, स्ट्रांग रूम (बज्रगृह) तथा मतगणना केंद्र स्थापित किए जाने हैं। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संबंधित स्थलों का सूक्ष्म अवलोकन करते हुए वहां उपलब्ध आधारभूत संरचनाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर चुनावी प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करने हेतु आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था, अभिलेखों के सुरक्षित भंडारण, मतपेटियों की निगरानी, प्रवेश एवं निकास मार्ग की सुव्यवस्था सहित विभिन्न पहलुओं पर विशेष बल दिया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्वाचन से जुड़े सभी कार्य योजनाबद्ध एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए जाएं, ताकि किसी भी स्तर पर अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने महाविद्यालय परिसर में पेयजल, शौचालय, विद्युत आपूर्ति, पार्किंग स्थल तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता की भी समीक्षा की और आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता, भवन प्रमंडल रामगढ़ के अधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुचारु बनाने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। जिला प्रशासन द्वारा की जा रही इस सक्रिय पहल से स्पष्ट है कि नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी स्तरों पर गंभीरता से तैयारियां की जा रही हैं।

भुरकुंडा में बंद मकान बना निशाना पांच लाख के सोने-चांदी के गहने चोरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : भुरकुंडा थाना क्षेत्र स्थित पटेलनगर सीसीएल कॉलोनी में चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये मूल्य के पुश्तैनी आभूषणों की चोरी कर ली। घटना के बाद परिवार के लोग स्तब्ध हैं, वहीं सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार पटेलनगर निवासी संतोष मिश्रा अपने परिजनों के साथ उत्तर प्रदेश के बलिया जिले स्थित पैतृक गांव में एक विवाह समारोह में शामिल होने गए थे। बुधवार की रात जब वे वापस अपने घर लौटे तो मुख्य दरवाजे का ताला खोलने का प्रयास किया, लेकिन चाबी से ताला नहीं खुला। संदेह होने पर उन्होंने पड़ोसी से हथौड़ी लेकर ताला तोड़ा और अंदर प्रवेश किया। घर के भीतर का दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए। अलमारी खुली हुई थी और सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था। संतोष मिश्रा ने बताया कि अलमारी में रखे पुराने समय के उनकी मां और दादी द्वारा पहने जाने वाले चांदी के चार जोड़ी बेरा (पैरों के आभूषण), दो हसली, गले की चांदी की चेन, कान की बालियां तथा एक सोने की चेन गायब है। चोरी गए गहनों की अनुमानित कीमत चार से पांच लाख रुपये बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही भुरकुंडा थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और गृहस्वामी से विस्तृत पूछताछ की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चोरों ने पहले मुख्य गेट का ताला तोड़ा, फिर वारदात को अंजाम देने के बाद घर के अंदर रखा दूसरा ताला बाहर लगा दिया, जिससे सब सामान्य प्रतीत हो। यही कारण रहा कि पुरानी चाबी से ताला नहीं खुला और उसे तोड़ना पड़ा। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा संदिग्ध गतिविधियों की जांच की जा रही है। भुरकुंडा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि घर बंद कर कहीं बाहर जाने से पूर्व स्थानीय थाना को सूचना अवश्य दें। इससे गश्ती दल ऐसे घरों पर विशेष निगरानी रख सकता है। पुलिस का कहना है कि नागरिकों की सतर्कता और सहयोग से ही चोरी जैसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

डायन बिसाही मामले में पीड़ित परिवार को मिली 25 हजार की सहायता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के कुमारडुंगी प्रखंड में डायन बिसाही के आरोप में महिला और उसके पुत्र की हत्या के मामले में पीड़ित परिवार को त्वरित राहत देते हुए झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने कॉस्ट फंड से 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। झालसा, रांची के कार्यकारी अध्यक्ष सह झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए जिला प्राधिकार को निर्देश दिया था कि शोक संतप्त परिजनों को तत्काल राहत पहुंचाई जाए। उनके निर्देश के बाद जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पश्चिमी सिंहभूम के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहम्मद शाकिर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सचिव रवि चौधरी को जल्द कार्रवाई के निर्देश दिया। सचिव रवि चौधरी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही अधिकार मित्रों की दो अलग-अलग टीमें गठित की गईं। एक टीम पीड़ित परिवार के घर पहुंची, जबकि दूसरी टीम सदर अस्पताल में समन्वय और सहयोग के लिए तैनात रही। विधिक सहायता सुनिश्चित करने के लिए पैनल अधिवक्ता प्रमोद प्रसाद को नियुक्त किया गया है। वहीं, प्रखंड स्तर पर अधिकार मित्र संतोष कुमार गौड़ को परिवार के निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवार को खाद्य सामग्री भी उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा, पीड़ित मुआवजा योजना के तहत अंतरिम राहत के लिए आवेदन प्राप्त कर आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही परिवार को राज्य और केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की पहल की जा रही है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की अमानवीय घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जागरूकता अभियान लगातार चलाए जाएंगे।

निगम चुनाव में 70 और 40 लाख में खरीदे गए मेयर प्रत्याशी : त्रिपाठी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : मेदिनीनगर नगर निगम का चुनाव दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है। आरोप प्रत्यारोप का दौर तेज है। इस क्रम में मेयर पद की प्रत्याशी जय श्री गुप्ता और मीना गुप्ता का अरुणा शंकर को समर्थन किए जाने पर पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने गुरूवार को मेदिनीनगर के एक होटल में तंज करते हुए कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास दोनों मेयर उम्मीदवार को खरीदने के लिए यहां आए थे। 70 और 40 लाख में इन्हें खरीदा गया और समर्थन की घोषणा कराई गई। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा है कि वार्ड और मेयर के चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेता, पूर्व मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक, पूर्व मंत्री दिन-रात एक किए हुए हैं। स्टार प्रचारक फिल्म अभिनेत्री का आगमन हो रहा है। धनबल का खुल्लम खुल्ला उपयोग हो रहा है। उन्होंने चुनाव आयोग से मांग किया कि चुनाव प्रचार में 15 लाख की जगह 15 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च होने वाला है। इसलिए आयोग को मामले की निष्पक्ष जांच कराए। उन्होंने कहा कि नेता बिक जाएं, लेकिन यहां की जनता कभी नहीं बिकेगी। यदि कोई जनता की कीमत लगाएगा तो उनको उनका औकात बता दिया जाएगा। सारे घटनाक्रम को जनता देख रही है और समय जल्द आने वाला है। इसका जवाब मिलेगा। त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि 1130 करोड रुपए बंदरबांट करने के लिए रखे गए हैं और उसका उपयोग इस चुनाव में धड़ल्ले से किया जा रहा है। मौके पर कांग्रेस पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

एफएसएसएआई लाइसेंस के बिना चल रहीं मीट-चिकन दुकानों पर छापेमारी, तीन पर जुर्माना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सिविल सर्जन सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, रामगढ़ के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने चित्तरपुर एवं कोठार क्षेत्र में संचालित मीट और चिकन दुकानों पर विशेष जांच अभियान चलाया। निरीक्षण के दौरान कई दुकानों में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं, जिसके बाद विभाग ने सख्त कदम उठाते हुए जुमार्ना लगाया और सुधारात्मक नोटिस जारी किए। जांच के दौरान पाया गया कि अधिकांश दुकानें भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा जारी अनुज्ञप्ति या पंजीकरण के बिना संचालित की जा रही थीं। साथ ही खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अनुसूची-क्ष के अनुरूप स्वच्छता मानकों का पालन नहीं किया जा रहा था। दुकानों में अत्यधिक गंदगी, अस्वच्छ वातावरण तथा खाद्य सामग्री के भंडारण और रख-रखाव में गंभीर लापरवाही देखी गई। खाद्य सुरक्षा विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए न्यू महतो झटका मटन शॉप (चित्तरपुर), मेहता झटका मीट दुकान (चित्तरपुर) तथा तौफीक अंसारी (कोठार चौक) पर 5,000-5,000 रुपये का जुमार्ना लगाया। इसके अतिरिक्त न्यू महतो झटका मटन शॉप, मेहता झटका मटन दुकान, लालू झटका मटन दुकान, जय मां काली झटका मटन दुकान, अनिल मुर्गा दुकान (चित्तरपुर), राजेश चिकन शॉप (कोठार) तथा देवानंद मटन शॉप (जेल मोड़, कोठार) को सुधार के लिए नोटिस जारी किया गया है। विभाग ने संबंधित दुकानदारों को निर्देश दिया है कि वे निर्धारित मानकों के अनुरूप स्वच्छता बनाए रखें, वैध लाइसेंस प्राप्त करें तथा खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और भविष्य में भी इस प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

महिला सम्मान की दिशा में बीएफसीएल की पहल प्लांट व हेड ऑफिस में सेनेटरी पैड की स्थायी व्यवस्था

BFCL Driven by Quality with Commitment

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : महिला सशक्तिकरण और सुरक्षित कार्य वातावरण की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड (बीएफसीएल) ने अपने प्लांट तथा हेड ऑफिस में महिला कर्मचारियों के लिए आपातकालीन सेनेटरी पैड की उपलब्धता सुनिश्चित की है। कंपनी प्रबंधन का यह कदम औद्योगिक क्षेत्र में संवेदनशील और प्रगतिशील सोच का उदाहरण माना जा रहा है। प्रबंधन के अनुसार यह सुविधा सभी महिला कर्मचारियों–ऑन-रोल और ऑफ-रोल–के लिए समान रूप से सुलभ रहेगी। इसका उद्देश्य कार्यस्थल पर किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में महिलाओं को असुविधा से बचाना और उनकी गरिमा व स्वास्थ्य की सुरक्षा करना है। कंपनी का मानना है कि बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता कर्मचारियों के आत्मविश्वास और कार्यक्षमता को सीधे प्रभावित करती है। इस पहल पर कंपनी के सीनियर जीएम (एचआर) जसपाल भांकर ने कहा कि बीएफसीएल एक सुरक्षित, सम्मानजनक और सहयोगात्मक कार्य संस्कृति में विश्वास रखता है। उन्होंने कहा, हम समझते हैं कि महिला कर्मचारियों की विशेष आवश्यकताओं का ध्यान रखना संस्थान की जिम्मेदारी है। आपातकालीन सेनेटरी पैड की व्यवस्था इसी सोच का हिस्सा है, ताकि किसी भी स्थिति में उन्हें असुविधा का सामना न करना पड़े। हमारा लक्ष्य कार्यस्थल पर समानता, संवेदनशीलता और समावेशन को व्यवहार में उतारना है। कंपनी प्रबंधन का यह भी मानना है कि जब कर्मचारियों को सुरक्षित और सहयोगपूर्ण वातावरण मिलता है तो उनके मनोबल और उत्पादकता में सकारात्मक वृद्धि होती है। यह कदम न केवल महिलाओं की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देता है, बल्कि उत्तरदायी और समावेशी कॉर्पोरेट संस्कृति को भी रेखांकित करता है। सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने विभागों में इस सुविधा की जानकारी व्यापक रूप से साझा करें, ताकि आवश्यकता पड़ने पर कोई भी महिला कर्मचारी असुविधा का सामना न करे। बीएफसीएल भविष्य में भी कर्मचारी कल्याण और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ी पहलों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एक नजर

लोको पायलटों को दिया गया प्रशिक्षण

पूर्वी सिंहभूम : टाटानगर स्थित इलेक्ट्रिक लोको पायलट प्रशिक्षण केंद्र में गुरुवार को रेल सिविल डिफेंस की ओर से व्यापक आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस विशेष सत्र का उद्देश्य नव नियुक्त और सेवारत लोको पायलटों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित, समन्वित और सुरक्षित कार्रवाई के लिए तैयार करना था। प्रशिक्षण में रेलवे भर्ती बोर्ड से हाल ही में चयनित सहायक लोको पायलटों के साथ रिफ्रेशर कोर्स कर रहे अनुभवी लोको पायलटों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना सभा से हुई, जिसके बाद सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने ट्रेन में आग लगने की संभावित परिस्थितियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यात्रियों द्वारा ज्वलनशील पदार्थों का अवैध रूप से ले जाना, पैंट्री कार में गैस रिसाव, विद्युत तंत्र की अनदेखी, शॉर्ट सर्किट, खुले तार, ट्रेक्शन यूनिट की खराबी और लोकोमोटिव में तकनीकी दोष जैसी वजहें गंभीर हादसों को जन्म दे सकती हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इंजन में आग लगने की घटनाएं प्रायः रखरखाव में कमी, सुरक्षा उपकरणों की अनुपलब्धता और केबलिंग की अव्यवस्था के कारण होती हैं। ऐसी स्थिति में लोको पायलट की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

टाटानगर-एनाकुर्लम के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

पूर्वी सिंहभूम : दक्षिण पूर्व रेलवे के टाटानगर स्टेशन से यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने 08189/08190 टाटानगर-एनार्कुलम-टाटानगर स्पेशल ट्रेन (टू ओवर डिमांड) चलाने का निर्णय लिया है। यह विशेष ट्रेन एक-एक फेरा लगाएगी और दक्षिण भारत जाने वाले यात्रियों को राहत देगी। रेलवे द्वारा गुरुवार को कहा जारी सूचना के अनुसार 08189 टाटानगर-एनार्कुलम स्पेशल 22 फरवरी 2026 दिन रविवार को टाटानगर से दोपहर 14:30 बजे प्रस्थान करेगी और विभिन्न महत्वपूर्ण स्टेशनों से होकर अगले दिन एनार्कुलम पहुंचेगी। वहीं 08190 एनार्कुलम-टाटानगर स्पेशल 24 फरवरी 2026 दिन मंगलवार को एनार्कुलम से प्रस्थान कर निर्धारित मार्ग से होते हुए टाटानगर पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में यह ट्रेन एक-एक ट्रिप संचालित की जाएगी। टाटानगर से खुलने वाली स्पेशल ट्रेन राउरकेला, झारसुगुड़ा, संबलपुर, बरगढ़ रोड, बलांगीर, टीटीलागढ़, केसिंगा, मुनिगुड़ा, रायगड़ा, पार्वतीपुरम, विजयनगरम, डुव्वाड़ा, सामलकोट, राजमुंदरी, एलुरु, विजयवाड़ा, तेनाली, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर, रेनिगुंटा, काटपाड़ी, सलेम, इरोड, तिरुपुर, पलक्काड, त्रिशूर, अलुवा होते हुए एनार्कुलम पहुंचेगी। वापसी में भी यही प्रमुख स्टेशन निर्धारित किए गए हैं।

वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ की गई गंगा आरती

चतरा : इटखोरी में पवित्र महाने नदी के तट पर गंगा आरती का आयोजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच शंख और घंट की प्रतिध्वनि के बीच मां गंगा का आवाह्न किया गया। राजकीय इटखोरी महोत्सव के पहले दिन गुरुवार को माता भद्रकाली मंदिर के समीप उत्तरवाहिनी महाने नदी के तट पर गंगा आरती में वाराणसी से आए वैदिक कर्मकांडियों ने विधिवत पूजा अर्चना के बाद माता गंगा की आरती उतारी। आरती कार्यक्रम को देखने के लिए यहां काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। महोत्सव में पहली बार गंगा आरती कार्यक्रम आयोजित की गई। उल्लेखनीय है कि इटखोरी प्रसिद्ध महाने और बक्सा नदी के तक पर बसा है। यही नदी आगे चल कर फल्गु कहलाती है। नदियों के संरक्षण और धार्मिक आस्था और पौराणिक मान्यताओं को लेकर जिला प्रशासन ने महोत्सव के पहले दिन यहां गंगा आरती कार्यक्रम आयोजित किया।

संक्षिप्त खबरें

राधा गोविन्द विवि मतदान जागरूकता अभियान के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

रामगढ़ : नगर निकाय चुनाव की प्रस्तावित प्रक्रिया को देखते हुए युवाओं में लोकतांत्रिक चेतना जगाने के उद्देश्य से राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा मतदान जागरूकता अभियान के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके मताधिकार के प्रति सजग बनाना और लोकतंत्र में मतदान की निर्णायक भूमिका को रेखांकित करना था। झारखंड में प्रस्तावित शहरी निकाय चुनाव के परिप्रेक्ष्य में आयोजित इस प्रतियोगिता का विषय मताधिकार का महत्व और जिम्मेदारी रखा गया। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने तर्कसंगत एवं प्रभावशाली भाषणों के माध्यम से बताया कि जागरूक मतदाता ही लोकतंत्र की असली ताकत होते हैं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही स्वस्थ राजनीतिक व्यवस्था संभव है। कुलाधिपति बी. एन. साह ने अपने संदेश में कहा कि जागरूक मतदाता ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण करते हैं। विश्वविद्यालय सचिव प्रियंका कुमारी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। कुलपति प्रो. (डॉ.) रश्मि ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ और नागरिक कर्तव्यों के प्रति सजगता भी उतनी ही आवश्यक है। प्रतियोगिता के समापन पर विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेम प्रकाश और प्राध्यापक डॉ. सूरज कुमार मिंज ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। यूजी की छात्रा सोनल मिश्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पीजी की छात्रा काजल कुमारी द्वितीय और पीजी के छात्र रिकी पोंटिंग तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. (डॉ.) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार सहित विभाग के अन्य प्राध्यापक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने पंचायत सचिवालय व पुस्तकालय केंद्र का किया औचक निरीक्षण

गोला : गोला प्रखंड के सोसो कलां स्थित पंचायत सचिवालय एवं पुस्तकालय केंद्र का गुरुवार को रामगढ़ की जिला आपूर्ति पदाधिकारी रंजीता टोपो ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुस्तकालय की व्यवस्था, उपलब्ध संसाधनों तथा संचालित योजनाओं की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरूआत पंचायत सचिवालय परिसर में संचालित पुस्तकालय केंद्र से की गई। इस दौरान पुस्तकालय में पुस्तकों की उपलब्धता, उनका रख-रखाव, पठन-पाठन की सुविधा तथा अभिलेखों की स्थिति की जांच की गई। उन्होंने संबंधित कर्मियों को निर्देश दिया कि पुस्तकालय को नियमित रूप से व्यवस्थित रखा जाए और अधिक से अधिक विद्यार्थियों व आम नागरिकों को इसका लाभ दिलाया जाए। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने पुस्तकालय के साथ-साथ पंचायत स्तर पर संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन, अभिलेख संधारण और लाभुकों तक पहुंच की जानकारी ली। पंचायत प्रतिनिधियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया गया कि योजनाओं का पारदर्शी और प्रभावी संचालन सुनिश्चित करें तथा परिसर में स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर ग्रामीणों को अधिक से अधिक सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि निरीक्षण का उद्देश्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करना और जनहितकारी योजनाओं को सही तरीके से लागू करना है। इस अवसर पर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अरविंद कुमार महतो, पंचायत सचिव संगीता लकड़ा, बीएसओ कंप्यूटर ऑपरेटर नरेंद्र कुमार, प्रज्ञा केंद्र संचालक मोबीन अहमद, पंचायत सहायक विवेक कुमार महतो, समाजसेवी गुलाम सरवर, रियाज अंसारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पीएलएफआई के नाम पर लेवी वसूली करने वाला अपराधी गिरफ्तार

खूंटी : प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के नाम पर लेवी वसूली, अवैध हथियार रखने और चोरी की मोटरसाइकिल के उपयोग आपराधिक घटनाओं में करने सहित कई मामलों का वांछित कुख्यात अपराधी अजीम हव्वारी उर्फ हिमांशु(36) को पुलिस ने खूंटी से गिरफ्तार कर लिया। वह लियाकत अली लेन खूंटी का रहनेवाला है। इस संबंध में खूंटी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक ने गुरुवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में इस कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो पूर्व में नक्सली संगठन से जुड़ा रहा है और वर्तमान में अलग गिरोह बनाकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। पुलिस को सूचना मिली थी कि पीएलएफआई के नाम पर क्षेत्र में लेवी वसूली की जा रही है तथा अवैध हथियारों की खरीदझ्बिक्री का नेटवर्क संचालित हो रहा है। सूचना की सत्यता की जांच करते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और छापेमारी कर आरोपित को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपित ने स्वीकार किया है कि वह पीएलएफआई संगठन से जुड़े हथियार और गोली को कपड़ों में छिपाकर बेचता था। साथ ही संगठन के नाम पर व्यवसायियों और आम लोगों से लेवी की मांग करता था। आरोपित का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में दहशत फैलाकर अवैध वसूली करना था। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी पूर्व में पीएलएफआई का सक्रिय सदस्य रहा है। वर्तमान में उसने अपना अलग गिरोह बना लिया था और हथियार के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में लूटपाट एवं रंगदारी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। उन्होंने बताया कि पुलिस यह भी जांच कर रही है कि उसके गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं, हथियार कहां से लाए जाते थे तथा अब तक कितने लोगों को हथियार सप्लाई किए गए हैं। आरोपित के खिलाफ पूर्व में भी कई गंभीर मामले दर्ज हैं। वह कई बार जेल भी जा चुका है।

एक नजर

वाहन की चपेट में आने से युवक घायल, रेफर

साहिबगंज : शहर के साप्ताहिक रविवार हाट के पास गुरुवार को एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन के चपेट में आने से एक युवक बुरी तरह से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार शहर के वार्ड नंबर 9 चाई पाड़ा निवासी भोला मंडल के पुत्र राजेश मंडल (25) सुबह अपने घर से पैदल बजार की और आ रहा था। उसी दौरान एक तेज रफ्तार डाक पार्सल के चार पहिया वाहन चालक ने अनियंत्रित होकर राजेश मंडल को धक्का मार दिया जिससे उक्त युवक सड़क पर गिरकर बुरी तरह से घायल हो गया। जिसे परिजनों एवं आसपास के लोगों की मदद से आनन-फानन में इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। जहां डिप्टी में मौजूद डॉक्टर ने उक्त घायल युवक का प्राथमिक इलाज करने के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं धक्का मार कर वाहन चालक वाहन लेकर भागने लगा कुछ लोगों एवं राधानगर पुलिस के सहयोग से उधवा के पास वाहन को पकड़ कर थाना नगर थाना लाया। पुलिस को सूचना मिलते ही अस्पताल पहुंचकर छानबीन में जुट गए थे।

पाकुड़ में 20 फरवरी को तिथि भोज सह जन्मोत्सव, उपायुक्त ने तैयारियों की समीक्षा की

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सभी प्रधानाध्यापकों, बीपीओ, बीआरपी एवं सीआरपी के साथ समीक्षा बैठक कर 20 फरवरी को आयोजित होने वाले तिथि भोज सह जन्मोत्सव की तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर उपायुक्त ने बताया कि सभी विद्यालयों में "बैगलेस डे" भी मनाया जाएगा, जिसमें बच्चे बिना बैग के विद्यालय आएंगे और विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेंगे। बच्चों और शिक्षकों द्वारा केक कटिंग की जाएगी, वहीं सभी विद्यालयों में विशेष पकवान जैसे पुड़ी-सब्जी, खीर, रसगुल्ला, सलाद और पापड़ आदि बच्चों को परोसे जाएंगे। उपायुक्त ने कहा कि बच्चों के लिए यह आयोजन अत्यंत प्रेरणादायक होगा और उन्हें सामाजिक, सांस्कृतिक, रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर भी मिलेगा। इसके साथ ही, बच्चों को प्रेरणादायक फिल्म भी दिखाई जाएगी, जिससे उनका उत्साह और भी बढ़ेगा। वहीं उपायुक्त ने सभी शिक्षकों और कर्मचारियों से अपील किया कि वे बच्चों को इस आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करें और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करें।

युवक ने मानगो पुल से छलांग लगाने का किया प्रयास

पूर्वी सिंहभूम: शहर के मानगो क्षेत्र में गुरुवार को एक युवक की ओर से खुदकुशी का प्रयास किए जाने की घटना सामने आई। सोनारी थाना क्षेत्र के आदर्श नगर निवासी उदय सिंह पारिवारिक तनाव से परेशान होकर मानगो पुल पहुंच गया और स्वर्ण रेखा नदी में छलांग लगाने के इरादे से पुल पर लगी जाली पर चढ़ने लगा। बताया जाता है कि उसी समय पुल से गुजर रहे राहगीरों की नजर उस पर पड़ गई। युवक की हरकत देखकर लोगों ने तुरंत स्थिति को भांप लिया और बिना देर किए उसे पकड़कर नीचे उतार लिया। स्थानीय लोगों की तत्परता से वह नदी में कूदने से पहले ही सुरक्षित रोक लिया गया। घटना की सूचना तुरंत मानगो थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उदय सिंह को अपने साथ थाना ले गई। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि वह पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद के कारण मानसिक रूप से काफी तनाव में था। पुलिस ने परिजनों से संपर्क कर मामले की जानकारी दी है और आगे की प्रक्रिया जारी है।

पाकुड़ जिले के पीएम श्री स्कूलों की समीक्षा बैठक संपन्न

- रसोइया दीदियों के बीच प्रेशर कुकर का किया गया वितरण
- बीपीओ के बीच लेपटाप का किया गया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में पीएम श्री स्कूलों की समीक्षा बैठक समाहरणालय स्थित सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्री चेतना नंद सिंह, आईआरएसईई ने की, जो जिले में पीएम श्री स्कूलों के लिए केंद्रीय नोडल अधिकारी एवं भारत सरकार, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के संयुक्त सचिव हैं। बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार, निदेशक प्राथमिक शिक्षा मनोज रंजन, परियोजना निदेशक आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती, जिला योजना पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह उपस्थित थे। उपायुक्त ने पीएम श्री विद्यालयों की समीक्षा बैठक में जिले की उपलब्धियों की जानकारी दी और समीक्षा के क्रम में केंद्रीय नोडल अधिकारी, भारत सरकार के संयुक्त सचिव को जिले में स्कूलों की उपलब्धियों और सुधारात्मक पहलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बच्चों की उपस्थिति और सहभागिता में लगातार सुधार देखा जा रहा है और माता- पिता का सहयोग धीरे-धीरे बढ़ रहा है। उपायुक्त ने कहा कि शिक्षक नियमित मीटिंगों में भाग लेकर बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दे रहे हैं। पीएम श्री स्कूलों के निदेर्शानुसार, सभी स्कूलों में आवश्यक संसाधनों और शिक्षक-संख्या की पूर्ति सुनिश्चित की गई है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष बच्चों के प्रदर्शन में स्पष्ट सुधार दिख रहा है और जिले के स्कूल लगातार टॉप 5 रैंक में बनाए गए हैं।

शिक्षा और पोषण कार्यक्रम में सुधार

जिले के स्कूलों में पोषण और आहार कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए स्वस्थ और संतुलित आहार प्रदान किया जा रहा है। रसोइया दीदियों ने स्वयं खाना तैयार करने और वितरण में उत्कृष्ट प्रयास किए हैं। 20 तारीख को जिले के सभी विद्यालयों में तिथि भोज सह जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।शिक्षक बच्चों की केक कटिंग और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। शुगर बोर्ड और पोषण जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों और अभिभावकों को स्वास्थ्य और पोषण शिक्षा दी जा रही है।

स्वास्थ्य और अन्य पहलें

पोषाहार में प्रोटीनयुक्त आहार शामिल किया गया। टीचर्स और स्टाफ ने स्वयं पहल करते हुए कार्यक्रम की गुणवत्ता सुनिश्चित की। स्कूल स्तर पर टीबी और अन्य गंभीर बीमारियों को रोकने के लिए स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उपायुक्त ने कहा कि बच्चों की उपस्थिति, पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में टीचर्स और स्टाफ की मेहनत और प्रतिबद्धता के कारण पीएम श्री स्कूलों में उत्कृष्टता की दिशा में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि इसी प्रकार बच्चों के सर्वांगीण विकास और कार्यक्रमों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास जारी रखें। इसके साथ ही जिला प्रशासन द्वारा बच्चों और स्कूलों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण और मॉनिटरिंग जारी रहेगी। निदेशक, प्राथमिक शिक्षा मनोज कुमार ने बताया कि हाल ही में दो कार्यक्रमों में राष्ट्रपति पुरस्कार का वितरण किया गया, जिसके आयोजन में सभी को बधाई दी जाती है। उन्होंने उपस्थित सभी से अपील की कि इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएँ। ऐसे अवसर बार-बार नहीं आते, इसलिए इसे व्यर्थ न जाने दें।उन्होंने आगे कहा कि सभी मार्गदर्शन और निर्देश केंद्रीय नोडल अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारियों के माध्यम से प्रदान किए जाएंगे, जिन्हें ध्यानपूर्वक पालन करना आवश्यक है।

विद्युत विभाग ने छापेमारी अभियान चलाकर 8 बकायादारों का काटा विद्युत कनेक्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उधवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में बिजली विभाग की टीम के द्वारा अभियान चलाकर बकायादारों का विद्युत कनेक्शन काटा जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को विद्युत कनीय अभियंता चंदन कुमार के नेतृत्व में बिजली विभाग की टीम ने प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उधवा खाड़ी टोला तथा बाबू टोला गांव में अभियान चलाकर पांच हजार रुपए से अधिक बकाया वाले आठ उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काट दिया है। बिजली विभाग की टीम ने बताया कि अभियान के दौरान पांच हजार से अधिक बकाया वाले 8 उपभोक्ताओं का कनेक्शन काटा गया है। साथ ही उनलोगों को बकाया राशि जल्द-जल्द भुगतान करने के साथ-साथ विद्युत कार्यालय से आरसीडीसी रशीद लेकर ही बिजली उपयोग करने को कहा गया। मौके पर लाइनमैन रविन्द्र मंडल,पूरन साहा, अरूण मंडल, प्रकाश मंडल, इस्लाम शेख, दिपक मंडल,शौकत शेख सहित अन्य मौजूद थे।

दियारा क्षेत्र में बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग, विधायक एमटी राजा ने सदन में उठाया सवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड विधानसभा बजट सत्र के दौरान राजमहल विधानसभा क्षेत्र के सुदूरवर्ती एवं दियारा क्षेत्र में ऊर्जा विभाग की ओर से त्वरित सर्वे कराकर विद्युतीकरण कराई जाने की मांग को तारांकित प्रश्न के माध्यम से राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने सदन में उठाए है। उन्होंने सदन के माध्यम से ऊर्जा विभाग को कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी उज्जवला ज्योति योजना के तहत विद्युतीकरण कार्य किया जा रहा है लेकिन क्षेत्र से प्राप्त सूचना के अनुसार कई गांव में अब तक

विद्युतीकरण कार्य शुरू नहीं हुआ है ऐसे में लोग बांस बल्ला लगाकर बिजली की तार को संचालित किए हैं। विभाग इस पर त्वरित पहल करें और छुटे हुए गांव का सर्वे कराकर जल्द विद्युत पोल लगाते हुए विद्युतीकरण कार्य करना सुनिश्चित करें। ऊर्जा विभाग ने विधायक के प्रश्न को संज्ञान में लेकर उत्तर देते हुए कहा है कि राजमहल विधानसभा के कुल 24 ग्राम और 16 टोला में विद्युतीकरण कार्य हुआ है और 8 टोला में कार्य जारी है। 172 टोला ऐसे हैं जहां बांस बल्ली लगाकर विद्युतीकरण संचालित है वहां पीएससी पोल से बदलने का कार्य जारी है। छूटे हुए गांव का भी सर्वे कराकर विद्युतीकरण कार्य किया जाएगा। गर्मी से पूर्व राजमहल विधायक द्वारा उठाए गए इस जनहित के पहल पर क्षेत्र के लोगों ने विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया है।

शिवाजी जयंती पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में छत्रपति शिवाजी जयंती मनाई गई, शतरंज प्रतियोगिता भी आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा प्रखंड के बाबु लाल नंद लाल बोहरा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बरहरवा में गुरुवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती श्रद्धा, उत्साह और देशभक्ति के माहौल में मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार आजाद ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर विद्यालय के भैया-बहनों ने शिवाजी महाराज के जीवन, उनके अदम्य साहस, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्रप्रेम पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में बताया कि शिवाजी का जन्म एक दुर्ग में हुआ था। उनकी माता जीजाबाई एवं पिता शाहजी भोंसले थे। बचपन में माता द्वारा सुनाई गई रामायण और महाभारत की प्रेरक कथाओं ने उनके व्यक्तित्व को निखारा और

उनमें साहस, दृढ़ता तथा कुशल नेतृत्व क्षमता का विकास किया। उन्होंने कहा कि मात्र 16 वर्ष की आयु में शिवाजी ने तोरण किला पर विजय प्राप्त की। वर्ष 1659 में अफजल खाँ का वध किया तथा मुगलों के विरुद्ध अनेक युद्धों में सफलता अर्जित की। गुरिल्ला युद्ध पद्धति अपनाते हुए उन्होंने मराठा साम्राज्य की स्थापना की। वर्ष 1674 ईस्वी में रायगढ़ किला में उनका राज्याभिषेक हुआ और उन्हें छत्रपति सम्राट की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में साहिबगंज जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। शतरंज शिक्षक विक्रम कुमार मिश्रा एवं कमलेश कुशवाह के निर्देशन में प्रतियोगिता संपन्न हुई। उन्होंने विद्यार्थियों को शतरंज के बौद्धिक महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी आचार्य एवं दीदियों की सराहनीय भूमिका रही। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

जल निकासी को लेकर बुलाई गई आमसभा की बैठक, ग्रामीणों ने की सड़क जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के मिजाचौकी थाना क्षेत्र के बड़तल्ला पंचायत में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य मिजाचौकी-रक्षी स्थान मुख्य सड़क का निर्माण और सड़क पर बहते नाले के गंदे पानी की निकासी का समाधान खोजना था। बैठक की अध्यक्षता बड़तल्ला पंचायत के मुखिया संजय दुडू और महादेववरण पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सुनील सिंह ने संयुक्त रूप से की। साहिबगंज डीसी के निर्देश पर आयोजित इस आमसभा में सभी पक्षों की सहमति से समाधान निकालना था। हालांकि, ग्रामीणों के बीच आपसी सहमति न बन पाने के कारण कोई ठोस निर्णय नहीं लिया जा सका। कुछ ग्रामीणों ने सुझाव दिया कि मिजाचौकी बाजार से सिमरतल्ला झील तक पक्की नाली बनाई जाए, ताकि

समस्या का स्थायी समाधान हो सके। बैठक से पहले आक्रोशित ग्रामीणों ने कुछ देर के लिए मुख्य सड़क को जाम कर दिया, जिससे आवागमन बाधित रहा। बाद में पुलिस प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हुई। मौके पर मिजाचौकी थाना के एएसआई शिवलाल मरांडी अपने दल-बल के साथ मौजूद रहे। इस दौरान लोहरबीड़ा, बड़तल्ला, तेतरिया और मिजासँचालो के ग्राम प्रधानों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने समस्या की गंभीरता को तो स्वीकारा, लेकिन समाधान के रास्ते पर एक्कमत नहीं हो सका।

टाटानगर स्टेशन विकास को लेकर चला बुलडोजर, हटाये गये 24 से अधिक अवैध दुकानें

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : टाटानगर रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण और विकास कार्य को गति देने के लिए रेलवे प्रशासन ने गुरुवार को एक बार फिर सख्ती दिखाते हुए अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। स्टेशन चौक से कीताडीह जाने वाली सड़क के दोनों किनारों पर वर्षों से संचालित हो रही दुकानों को हटाने के लिए रेलवे ने तीन बुलडोजर तैनात किए। संभावित कार्रवाई की जानकारी पहले से मिल जाने के कारण अधिकांश दुकानदारों ने अपने सामान को पहले ही हटा लिया था, जिससे तोड़फोड़ की प्रक्रिया अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण ढंग से पूरी हुई। सुबह से ही रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग,

रेल पथ निरीक्षक और आरपीएफ की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। अभियान के तहत गोलपहाड़ी क्षेत्र सहित छोटे-बड़े मिलाकर करीब 24 से अधिक दुकानों को हटाया गया। कीताडीह रोड को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराने की दिशा में यह कार्रवाई की गई है, ताकि स्टेशन क्षेत्र का प्रस्तावित विकास कार्य बाधित न हो। गत 22 जनवरी को उच्च न्यायालय ने स्टेशन चौक से कीताडीह तक सड़क किनारे वर्षों से व्यवसाय कर रहे दुकानदारों को एक माह की मोहलत दी थी। साथ ही रेलवे प्रशासन को 42 दिनों के भीतर प्रभावित लोगों के पुनर्वास की व्यवस्था कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। मामले की अगली सुनवाई 20 मार्च को निर्धारित है। हालांकि अब तक रेलवे की ओर से वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर स्पष्ट स्थान तय नहीं किया गया है, जिससे दुकानदारों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार के विरोध या तनाव की आशंका को देखते हुए दंडाधिकारी की मौजूदगी में पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी। लेकिन अभियान के दौरान स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही और कहीं से भी किसी बड़े हंगामे की सूचना नहीं मिली। बताया जाता है कि कुछ प्रभावित दुकानदारों ने इस कार्रवाई के विरुद्ध पुनः उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, इसके बावजूद रेलवे ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया जारी रखी। रेलवे प्रशासन का कहना है कि स्टेशन क्षेत्र को व्यवस्थित और सुगम बनाने के लिए यह कदम जरूरी है, ताकि भविष्य में यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

संक्षिप्त खबरें

डीसी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला टास्क फोर्स की समीक्षात्मक बैठक संपन्न

साहिबगंज: समाहरणालय सभागार में डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला टास्क फोर्स की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई मुख्य रूप से एसपी अमित कुमार सिंह उपस्थित थे। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। इसमें मुख्य रूप से मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना, मुख्यमंत्री अस्पताल प्रबंधन एवं अनुरक्षण योजना, आयुष्मान भारत योजना, 15वां वित्त आयोग, पीएम-अभिन तथा बीपीएचयू से संबंधित बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई। डीसी ने सभी योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष बल देते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।बैठक में सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, जिले के सभी प्रखंडों के चिकित्सा पदाधिकारी सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे। बैठक के अंत में डीसी ने कहा कि जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

नगरपालिका निर्वाचन-2026 के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन हेतु महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

साहिबगंज: आगामी नगरपालिका निर्वाचन-2026 के सफल, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने हेतु अनुमंडल पदाधिकारी, साहिबगंज की अध्यक्षता में नगर परिषद साहिबगंज अंतर्गत सभी सेक्टर पदाधिकारियों एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन से संबंधित सभी तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की गई तथा विधि-व्यवस्था संधारण, मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, संवेदनशील स्थलों की पहचान, सुरक्षा व्यवस्था, फ्लाइंग स्क्वॉड एवं स्टैटिक सर्विलांस टीम की सक्रियता सहित अन्य आवश्यक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सतर्कता एवं जवाबदेही के साथ दायित्व निर्वहन करने का निर्देश दिया, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न हो सके। जिला प्रशासन साहिबगंज द्वारा सभी मतदाताओं से अपील की गई है कि वे लोकतांत्रिक पर्व में बढ़-चढ़कर भाग लें तथा शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने में प्रशासन का सहयोग करें।

एक दिवसीय बागवानी प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

साहिबगंज: प्रखंड सभागार साहेबगंज में मनरेगा के तहत एक दिवसीय बागवानी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने प्रशिक्षण में आये सभी ग्राम रोजगार सेवक, बागवानी सखी को बागवानी योजना के क्रियान्वयन में निगरानी हेतु आवश्यक कार्य करने का निर्देश दिया। प्रशिक्षक के रूप में बीपीओ शंकर कुमार, सहायक अभियंता राजीव कुमार, कनीय अभियंता नेहा कुमारी, जेएसएलपीएस बीपीएम, बीपीओ ने सभी को बागवानी योजना से संबंधित बागवानी सखी ऐप के माध्यम से योजना की गुणवत्ता और क्रियान्वयन प्रक्रिया के संबंध में विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया।इस क्रम में नए किसान का चयन, योजना के चयन पूर्व की गतिविधि, गड्ढा खुदाई के समय, पौधा रोपाई के समय और पौधा रोपाई के बाद की विभिन्न बिंदु पर चर्चा की। बागवानी सखी द्वारा सभी योजना का भौतिक रूप से स्थल जांच कर ऐप के माध्यम से डेटा अपलोड करना है। इससे बागवानी योजना की उत्तरजीविता पर सकारात्मक प्रभाव होगा। इस दौरान प्रखंड मनरेगा एवं अन्य उपस्थित थे।

तालझारी में श्रीश्री 108 श्री राम कथा का शुभारंभ कलश शौभायात्रा के साथ किया गया

साहिबगंज: तालझारी रेलवे स्टेशन के समीप पूर्वी टोला में आयोजित श्रीश्री 108 श्री राम कथा का शुभारंभ गुरुवार को तालझारी समिति की ओर किया गया। इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश शौभायात्रा निकाली गयी। इसमे 501 कन्याएं व माताएं शामिल हुई। कलश शौभायात्रा का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी,तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय,व वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़ व फीता काट कर किया। सुबह में कलश शोभायात्रा मंगलहाट नमामि गंगा घाट से जलभर कर मंगलहाट से निकलकर, इंग्लिश, संग्रामपुर, मखानी, लालमाटी, बैलदारचक, तालझारी होते हुए कथा स्थल पहुंची। तालझारी स्टेशन के पूर्वी टोला में आयोजित पांच दिवसीय श्रीराम कथा में आये मुख्य अतिथि राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी, तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे व कथा वाचिका देवी राज नंदनी तिवारी को समिति की ओर से अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। वहीं संध्या छह बजे से दस बजे तक प्रख्यात कथा वाचिका देवी राज नंदनी तिवारी के मुखारविंद से श्रीराम कथा की शुरूआत की।मौके पर समिति के किशोर दुबे, छटटू प्रसाद,सोनेलाल ठाकुर, संतोष सिंह,रोशन सिंह, सहित अन्य तालझारी ग्रामीण मौजूद थे।

खेल विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी की नीति पर चर्चा, मुख्य सचिव ने की समीक्षा बैठक

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने खेल विभाग की गुरुवार को समीक्षा बैठक की। इस बैठक में खेल सचिव महेन्द्र कुमार समेत विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में संदेश दिया गया कि अब राज्य में खेल व्यवस्था को और ज्यादा सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाएगा। सबसे ज्यादा जोर सुरक्षा और निगरानी पर रहा। मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि पंचायत स्तर पर बने खेल परिसरों और सभी आउटडोर स्टेडियमों में अनिवार्य रूप से CCTV कैमरे लगाए जाएं। उनका कहना था कि इससे न सिर्फ खिलाड़ियों की सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि गतिविधियों में पारदर्शिता भी आएगी। उन्होंने खेल क्लबों को कागजों से बाहर निकालकर जमीन पर सक्रिय करने और उनके संचालन को संस्थागत रूप देने पर बल दिया। साथ ही सचिव स्तर से नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया, ताकि योजनाओं की प्रगति की लगातार समीक्षा हो सके। बैठक में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने कहा कि खेल विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने के लिए स्पष्ट नीति बनाई जाए। स्थानीय उद्योगों को खेल गतिविधियों से जोड़ा जाए और युवाओं को प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाए। हर खेल क्लब के साथ अधिकारी और प्रशिक्षक होंगे टैग जवाबदेही तय करने के लिए एक अहम फैसला यह भी लिया गया कि हर खेल क्लब के साथ जिला खेल पदाधिकारी, सरकारी खेल प्रशिक्षक और शारीरिक शिक्षक को टैग किया जाएगा। इससे जमीनी स्तर पर निगरानी और मार्गदर्शन दोनों मजबूत होंगे। खेल सामग्री खरीद में पारदर्शिता, कैपिंग प्राइस लागू होगी खेल सामग्री की खरीद में पारदर्शिता लाने के लिए ओपन कॉल के जरिए आपूर्तिकताओं को एम्पैनल करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही खेल सामग्री की अधिकतम कीमत तय करने यानी कैपिंग प्राइस लागू करने की भी बात कही गई, ताकि कहीं भी ज्यादा कीमत वसूली न हो। बैठक में राज्य के 27 एकलव्य केंद्रों की भी समीक्षा की गई। इन केंद्रों की प्रगति पर संतोष जताया गया, जबकि बाकी प्रस्तावित केंद्रों को जल्द चालू करने का निर्देश दिया गया। विभाग ने यह भी जानकारी दी कि नवंबर और फरवरी में हाफ मैराथन आयोजित करने की योजना है, जिसकी शुरूआत इसी साल नवंबर से होगी।

पार्षदों का भत्ता डेढ़ गुना करने की तैयारी, पुराने प्रस्ताव को लागू करेगी सरकार

पटना (एजेंसी)। बिहार में शहरी निकायों के वार्ड पार्षदों का नियत भत्ता डेढ़ गुना हो सकता है। सरकार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले नगर विकास विभाग की ओर से तैयार किए गए प्रस्ताव को जल्दी ही लागू कर सकती है। विधायक तार किशोर प्रसाद के ध्यानाकर्षण पर सरकार की ओर से इस आशय का आश्वासन दिया गया। तार किशोर प्रसाद ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायती राज निकाय के पार्षदों का नियत भत्ता डेढ़ गुना किया जा चुका है, जबकि नगर निकायों के पार्षदों का नहीं किया गया है। इस पर संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी ने चुटकी ली कि आप वित्त मंत्री और नगर विकास मंत्री, दोनों थे। उस वक्त आपने क्यों नहीं बढ़ाया? इसके बाद नगर विकास मंत्री रहे विधायक जीवेश मिश्रा उठ खड़े हुए। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उनके मंत्रित्व काल में वार्ड पार्षदों का नियत भत्ता बढ़ाने को लेकर प्रस्ताव तैयार किया गया था। उसे ही लागू कर दिया जाए। मंत्री विजय चौधरी और श्रवण कुमार ने इस दिशा में सरकार के पहल करने का आश्वासन दिया। विधानसभा में कांग्रेस विधायक मनोहर सिंह ने ग्रामीण सड़कों के पक्कीकरण का मामला उठाया। इस पर ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि ये हमारी ही पार्टी में थे। कांग्रेस में चले गए। फिर से हमारी पार्टी में लौट जाएंगे तो सड़क बनवा दूंगा। इस पर राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि मंत्री भी तो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। इस पर चौधरी ने हल्के अंदाज में कहा कि इतना टॉर्चर करते हैं कि अध्यक्ष भी पार्टी छोड़ देता है। श्री कृष्ण सिंह को भारत रत्न देने की मांग... विधायक विनीता मेहता ने बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्री कृष्ण सिंह को मरणोपरांत भारत रे देने की मांग की। कहा कि उनके योगदान को देखते हुए सरकार को यह प्रस्ताव भेजना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने श्री कृष्ण सिंह के गांव खानवा को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का भी आग्रह किया। वहीं, विधायक मैथिली ठाकुर ने ध्यानाकर्षण के जरिए अर्जुन वृक्ष के संरक्षण की मांग की।

मैट्रिक परीक्षा में सॉल्वर गैंग, 10,000 में एक पेपर का सौदा

पटना (एजेंसी)। बिहार मैट्रिक परीक्षा का आज तीसरा दिन है। दोनों पालियों में आज सेकेंड लैंग्वेज की परीक्षा आयोजित की जा रही है। जिन परीक्षार्थियों की मातृभाषा हिंदी है, वे दूसरी भाषा के रूप में संस्कृत, फारसी, अरबी या मगही में से किसी एक का चयन कर सकते हैं। पहली पाली की परीक्षा शुरू हो चुकी है। इधर, मैट्रिक परीक्षा के दूसरे दिन बांका में सॉल्वर गैंग के दो छात्र पकड़े गए। यहां 10 हजार रुपए में मैथ्स का पेपर पास कराने का सौदा हुआ था। आरएमके इंटर स्कूल परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थी ओम कुमार की जगह बादल कुमार परीक्षा दे रहा था। वीक्षकों ने प्रवेश पत्र और पहचान पत्र की जांच के दौरान उसे पकड़ लिया। पूछताछ में बादल कुमार ने बताया कि ओम कुमार ने 10 हजार रुपए में उसे परीक्षा देने के लिए कहा था। इसमें से 7 हजार रुपए एडवांस दिए गए थे, जबकि बाकी रकम परीक्षा के बाद देने की बात हुई थी। वहीं, बाराहाट प्रखंड के मोहनपुर परीक्षा केंद्र पर भी एक और फर्जीवाड़ा सामने आया। यहां परीक्षार्थी बजरंगी कुमार की जगह प्राण कुमार परीक्षा देते हुए पकड़ा गया। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। 699 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा प्रदेश में कुल 1699 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की जा रही है। पहली पाली की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक हो रही है, जिसके लिए प्रवेश सुबह 9 बजे बंद कर दिया जाता है। वहीं दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित की जा रही है।

राजद एमएलसी ने कहा- विधान मंडल में हो जाएगी शराब की डिलीवरी, मंत्री अशोक चौधरी पर भी लगाया बड़ा आरोप

पटना (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के मुंहबोले भाई और राजद एमएलसी सुनील सिंह फिर से सुर्खियों में हैं। उनकी मंत्री अशोक चौधरी के साथ सियासी लड़ाई जारी है। उन्होंने अशोक चौधरी पर फिर से गंभीर आरोप लगा दिया। इतना ही नहीं शराबबंदी के सवाल पर ऐसी बातें कह दी, जिसकी चर्चा खूब हो रही है। राष्ट्रीय जनता दल के एमएलसी सुनील सिंह ने मंत्री अशोक चौधरी और शराबबंदी को लेकर बड़ा बयान दे दिया है। अब उनका बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। गुरुवार दोपहर उन्होंने बिहार विधान परिषद में मंत्री अशोक चौधरी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनसे बड़ा भ्रष्टाचारी इस राज्य में कोई नहीं है। उन्होंने भ्रष्टाचार कर अरबों रुपये अकूत संपत्ति अर्जित की है। भ्रष्टाचार के मामले में उनसे बड़ा ज्ञान तो कोई नहीं। लेकिन, अगले के ज्ञान के बारे में कोई टिप्पणी करता है तो उनसे बड़ा अज्ञानी कोई नहीं होता है। मैं उन्हें बड़ा भाई मानता हूं लेकिन अगर आगे बढ़कर वह मेरे ऊपर टिप्पणी करेंगे तो मैं भी छोड़ूंगा नहीं। सुनील सिंह बोले- विधान मंडल के कैंपस में भी शराब की आपूर्ति हो जाएगी इसके बाद राजद एमएलसी सुनील सिंह ने आरोप लगााय कि हर साल 25 हजार करोड़ का अवैध धंधा फल फूल रहा है। पिछले 10 साल में ढाई लाख करोड़ का अवैध कारोबार शराब के जरिए हुआ। बिहार में हर जगह शराब मिल रही है। अब तो सूखा नशा भी हर गली और मोहल्लों में बिक रहा है। छोटे बच्चे और युवा इस सूखे नशे के शिकार हो रहा है। कोई ऐसा क्षेत्र नहीं जहां शराब नहीं मिल रही है। आप प्रेम भाव से कहीं भी खोजिए तो शराब मिल जाएगी। बिहार विधान मंडल के कैंपस में भी शराब की आपूर्ति (डिलीवरी) हो जाएगी। बिहार विधान मंडल के कई एमएलसी या एलएलए है जो रोज शराब पीते हैं। वहां रोज बोलतें खुलती हैं। मैं इनका नाम जानता हूं लेकिन इनका नाम मैं नहीं बताऊंगा। यह लोग सत्ताधारी पार्टी के लोग है। क्या मंत्री और क्या विधायक? शराबबंदी बिहार में है ही नहीं। सुनील सिंह ने आरोप लगाया कि जितने भी नए-नए लड़के नशे की चपेट में आ गए हैं। 20 और 40 चेक पोस्ट से आप शराब रोक नहीं सकते हैं। आपके पड़ोसी राज्य और नेपाल में शराबबंदी नहीं है। इन राज्यों से बिहार में शराब की बड़ी बड़ी खेप आ रही है। जब शराबबंदी कानून नहीं था, तब जितनी शराब बिहार में आती थी, आज उससे कई गुणा अधिक शराब बिहार में अवैध रुप से आ रही है। राज्य के युवा सूखा नशा कर रहे हैं।

दोस्त की शादी में गए युवक का हुआ पकड़ौवा विवाह:बाद में पता चला पत्नी थी शादीशुदा, पति बोला-अगर मेरी गिरफ्तारी नहीं होती तो मैं मारा जाता

पटना (एजेंसी)। बिहार राज्य महिला आयोग में एक मामला सामने आया है, जिसमें पति ने अपनी ही पत्नी के ऊपर दो बच्चों को मारने का आरोप लगाया है। पति ने बताया कि उसकी शादी पकड़ौवा विवाह था, लेकिन फिर भी उसने इस शादी को निभाते हुए अपनी पत्नी को अपने घर लाया। वहां उसे पता चला कि उसकी पत्नी पहले से ही शादीशुदा थी। दूसरी ओर पत्नी का कहना है कि उसके ससुरालवालों ने उसके ऊपर केरोसिन तेल डालकर जलाने की कोशिश की थी। अब दोनों महिला आयोग पहुंचे हैं। यह मामला पटना के सालीमपुर थाने का है। वहीं, आवेदिका नालंदा के इस्लामपुर थाने की है। केरोसिन तेल छिड़ककर पति ने जान से मारने की कोशिश की दोनों की शादी 12 नवंबर 2024 को हुई थी। आवेदिका ने कहा, उपहार स्वरूप 4 लाख कैश और 2.5 लाख का सामान दिया गया था। शुरू के 7 महीने परिवार का व्यवहार ठीक , लेकिन उसके बाद पति सहित परिवार के अन्य लोग दहेज की मांग करने लगे। पति ने आवेदिका महिला पर किरासन तेल छिड़क कर, माचिस की तीली जलाकर जान से मारने की कोशिश की। किसी तरह महिला जान बचाकर वहां से भागी और अपने मायके नालंदा गई। उसे कुछ चोट भी आई थी, इसलिए वहां के सरकारी अस्पताल में उसका इलाज करवाया गया। दूसरी ओर आवेदिका के पति ने एक वीडियो दिखाया जिसमें महिला खुद कबूल रही है कि उसने अपने दोनों बच्चों को मारा है। पति ने कहा कि मेरी शादी पकड़ुआ विवाह हुई थी। मैं अपने दोस्त की शादी में गया था। वहां से कुछ जान पहचान के लोग मुझे बहला-फुसलाकर ले गए और जगदंबा स्थान करौटा में जबरदस्ती शादी करवाई। मेरे घरवालों को इसकी सूचना दी गई और वो लोग मुझे लेने आए। हम सब ने यही सोचा कि अब जब शादी हो चुकी है तो उसे निभाया जाए। फिर हम लड़की को विदा करके अपने साथ ले गए। शादी के बाद ये मेरे घर आई और 3 महीने रही। इस बीच हमें पता चला कि पहले भी आवेदिका की शादी हो चुकी है और उसके दो बच्चे भी थे।

उन्होंने आगे बताया कि पहले पति से नाराज होकर उसने अपने दोनों बच्चों की हत्या करवा दी। जब हमें यह बात पता चली तो उसने हमें डराया और कहा कि आत्महत्या कर लेगी। इस दौरान वह बार-बार डॉक्टर के पास भी जाती थी। डॉक्टर से पूछने पर हमें पता चला कि वह एक हृदय रोगी है। इसलिए हम लोगों ने उसका इलाज भी करवाया। करीब 6 महीने बाद बोली कि मैं अपने घर जाऊंगी तब हम लोग उसे छोड़ने गए। जब हम उसे लेकर गांव गए तो हमें बंधक बना लिया गया और काफी मारा गया। वह हमारे खिलाफ प्रताड़ना का आरोप लेकर थाने पहुंची और पुलिस ने हमें गिरफ्तार किया। मगर पुलिस के सहयोग से ही हम बच पाए क्योंकि अगर उस दिन पुलिस नहीं आती तो हमें मार दिया जाता। इस केस की सुनवाई करने वाली बिहार राज्य महिला आयोग की सदस्य श्यामा सिंह ने बताया कि जब आवेदिका की ओर से आवेदन दिया गया था तो उसने कहा था कि उसे ससुराल वाले जलाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, द्वितीय पक्ष ने आज आकर बताया कि आवेदिका पहले से शादीशुदा थी, और पहले पति से नाराज होकर अपने दोनों बच्चों की हत्या कर दी थी।

पटना हाईकोर्ट ने 42 विधायकों को भेजा नोटिस, इन पर क्या आरोप लगे हैं लिस्ट में दो दिग्गजों का भी नाम

पटना (एजेंसी)। बिहार के सियासी गलियारे में हलचल तेज हो गई है। हाईकोर्ट ने 42 विधायकों से जवाब तलब किया है। इसमें पक्ष और विपक्ष के विधायक शामिल हैं। अगर आरोप सही पाए गए तो इनकी सदस्यता पर खतरा बढ़ सकता है। जानिए क्या है पूरा मामला बिहार विधानसभा के 42 विधायकों को पटना हाईकोर्ट ने नोटिस भेजा है। इनमें पक्ष और विपक्ष दोनों के विधायक शामिल हैं।

आरोप है कि इन लोगों ने नामांकन के दौरान जो शपथ पत्र भरे थे, उनमें कई तथ्य छिपाए। इतना ही नहीं कुछ विधायकों पर वोटिंग प्रक्रिया में अनियमितता का भी आरोप लगाया गया है। कुछ माह पहले चुनाव हारने वालों प्रत्याशियों ने याचिका दायर की थी। आज कोर्ट में इस मामले में सुनवाई हुई। इसके बाद कोर्ट ने इन 42 विधायकों से लिखित जवाब देने को कहा है।

चौंकाने वाली बात यह है कि लिस्ट में विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार का भी नाम है। इनके अलावा मंत्री विजेंद्र यादव, पूर्व मंत्री जीवेश मिश्रा, जदयू विधायक चेतन आनंद, राजद विधायक अमरेंद्र प्रसाद समेत 42 विधायक शामिल हैं। कोर्ट की ओर से कहा गया है कि नामांकन के दौरान दाखिल किया गया शपथपत्र लोकतांत्रिक व्यवस्था का अहम हिस्सा है। वोटर्स को प्रत्याशियों की पृष्ठभूमि, संपत्ति और अन्य विवरणों की सही जानकारी मिलना चाहिए। अगर यह जानकारी गलत दी गई तो यह गंभीर बात है। सभी विधायक तय समय के अंदर अपना जवाब दें।

'2047 तक विकसित भारत के लिए सभी छह अल्पसंख्यक समुदायों की भागीदारी जरूरी', केंद्रीय मंत्री रिजिजू बोलें

पटना (एजेंसी)। किरन रिजिजू ने राजगीर में आयोजित चिंतन शिविर में कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के लिए सभी छह अल्पसंख्यक समुदायों की समान भागीदारी जरूरी है। केंद्र-राज्य तालमेल से योजनाओं के तेज और प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को राजगीर में कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के हर समुदाय का आगे आना जरूरी है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब देश के सभी छह अल्पसंख्यक समुदाय- मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी- प्रगति की मुख्यधारा में एक साथ कदम बढ़ाएंगे। मंत्री नालंदा विश्वविद्यालय में आयोजित मंत्रालय के दो दिवसीय 'चिंतन शिविर' में भाग लेने पहुंचे थे। चिंतन शिविर के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अक्सर सरकारी योजनाएं कागजी कार्रवाई और फाइलों में अटक जाती हैं, जिससे उनके क्रियान्वयन में विलंब होता है। मोदी सरकार का लक्ष्य है कि योजनाओं में देरी न हो। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल के लिए ही यह बैठक बुलाई गई है। जब अधिकारी आमने-सामने बैठकर बात करेंगे, तो फाइलों का मूवमेंट तेज होगा और काम तुरंत धरातल पर उतरेगा। रिजिजू ने कहा कि हर राज्य के अधिकारियों का अपना अनुभव होता है और उनके पास कुछ नए विचार भी होते हैं। इस शिविर में वे अपने अनुभव साझा करेंगे। केंद्र की टीम राज्यों की समस्याओं को सीधे सुनेगी और मिलजुलकर समाधान निकालेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि हम अलग-अलग नहीं, बल्कि एक टीम के रूप में काम कर रहे हैं। धर्म के नाम पर हिंसा बर्दाश्त नहीं', चाकूबाजी में घायल लोगों से मिलकर बोलीं विधायक मैथिली ठाकुर राजगीर अध्यात्म और ज्ञान की धरती इससे पूर्व, राजगीर पहुंचने पर उन्होंने इस स्थान की ऐतिहासिकता और पवित्रता का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राजगीर दुनिया भर में मशहूर है और आध्यात्मिक दृष्टि से इसका विशेष महत्व है। एक बौद्ध होने के नाते यह मेरे लिए तीर्थ स्थान जैसा है। यहां आकर काम करने से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। छह समुदायों पर विशेष फोकस मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि देश में अल्पसंख्यक आबादी में मुस्लिम समुदाय सबसे बड़ा है, इसके बाद ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी आते हैं। मंत्रालय इन छह समुदायों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। शिविर में इन समुदायों के लिए चल रही पुरानी योजनाओं की समीक्षा होगी और भविष्य के लिए नए विचारों पर मंथन किया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

गलगोटिया यूनिवर्सिटी विवाद पर चिराग पासवान बोले, नीट छात्रा रेप-मौत केस पर कहा- परिवार को सुरक्षा मिलनी चाहिए

पटना (एजेंसी)। एआई समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी से जुड़े मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, दूसरे देशों की चीजों को अपना बताकर पेश किया जाना गंभीर और चिंता का विषय है। इससे देश की अंतरराष्ट्रीय छवि प्रभावित होती है'। देश में इस समय एआई समिट चल रहा है और उसके समापन के बाद सरकार इस मामले की पूरी समीक्षा करेगी। समिट खत्म होने के बाद तथ्यों के आधार पर जो भी आवश्यक कार्रवाई होगी, वह सरकार तय करेगी। चिराग पासवान ने कहा कि भारत तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में यदि किसी संस्थान द्वारा विदेशी तकनीक या सामग्री को अपना बताकर प्रस्तुत किया जाता है, तो यह न केवल भ्रामक है बल्कि इससे देश की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े हो सकते हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि जांच में कोई गड़बड़ी सामने आती है, तो संबंधित पक्षों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। हानाबाद की छात्रा की मौत पर भी बोले जहानाबाद की रहने वाली नीट की तैयारी कर रही छात्रा की मौत के मामले में परिवार को कथित धमकी मिलने के मुद्दा पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि परिवार की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि पीड़ित परिवार को हर संभव सुरक्षा मिले और इस तरह की कोई भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना दोबारा न हो।

बिहार में 100 पिंक बसें महिलाओं के लिए तल रहीं:7 महिला ड्राइवरों को मिला लाइसेंस-प्रमाण पत्र

पटना (एजेंसी)। परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा अभियान का समापन समारोह आज अधिवेशन भवन में आयोजित किया गया। इस दौरान सड़क सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और यात्री सुविधा को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। मंत्री ने बताया कि राज्य में अगले एक महीने तक विभिन्न जिलों में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। मंत्री ने बताया कि राज्य में फिलहाल 100 पिंक बसें चलाई जा रही हैं, जिनमें महिला ड्राइवर और महिला कंडक्टर तैनात हैं और इनमें केवल महिलाएं ही सफर कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य को अभी लगभग 250 महिला ड्राइवरों की जरूरत है। औरंगाबाद में प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है और महीने के अंत तक 21 नई महिला ड्राइवर उपलब्ध होंगी। होली से पहले 149 नई बसें खरीदी जा रही हैं, जिनमें 75 एसी बसें शामिल हैं, ताकि त्योहार के दौरान यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिल सके। मंत्री ने स्पष्ट किया कि अवैध रूप से डीजे गाड़ियां चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं होली को देखते हुए सरकार ने पहले से व्यवस्था शुरू कर दी है। 800 स्कूलों में चला अवेयरनेस अभियान मंत्री ने जानकारी दी कि अब तक 800 सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों में रोड सेफ्टी अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इन कार्यक्रमों में बच्चों को ट्रैफिक नियमों, हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व और सुरक्षित सड़क व्यवहार के बारे में विस्तार से बताया गया। सरकार का उद्देश्य है कि कम उम्र से ही बच्चों में सड़क सुरक्षा की समझ विकसित हो। मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से बड़ा फैसला लिया गया है। पहले एक्सप्रेस वे और हाईवे पर दुर्घटना होने पर ही सहायता राशि दी जाती थी, लेकिन अब किसी भी सड़क पर दुर्घटना होने की स्थिति में घायल व्यक्ति को इलाज के लिए डेढ़ लाख रुपये तक की सहायता दी जाएगी। साथ ही, दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जान बचाकर अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इस कदम का उद्देश्य गुड सेमेरिटन को बढ़ावा देना और समय पर इलाज सुनिश्चित करना है। जान बचाने वालों को सम्मान समारोह के दौरान ऐसे कई लोगों को चेक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिन्होंने दुर्घटना में घायलों की जान बचाई थी। मंत्री ने कहा कि समाज में ऐसे लोगों का सम्मान करना जरूरी है ताकि अन्य लोग भी आगे आकर मदद कर सकें।

ओवरटेक के दौरान बसों ने टेंपो को मारी टक्कर, दो लोगों की हुई मौत

दरभंगा(एजेंसी)। दरभंगा-बेनीपुर एसएच-56 पर ओवरटेक के दौरान दो तेज रफ्तार बसों की टक्कर से टेंपो चपेट में आ गया। चालक जदी अहमद और यात्री गंगा साफी की मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने वाहन जब्त कर जांच शुरू की। दरभंगाझबेनीपुर स्टेट हाईवे-56 पर गुरुवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। सोनकी थाना क्षेत्र के एसएच-56 स्थित ग्रीन सिटी के समीप ओवरटेक करने के दौरान दो बसों की टक्कर से एक टेंपो चपेट में आ गया। हादसे में टेंपो सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान जमालपुर थाना क्षेत्र के खैसा गांव निवासी मंसूर आलम के पुत्र जदी अहमद (30), जो टेंपो चालक थे, तथा बहेड़ा थाना क्षेत्र के रढ़ियाम गांव वार्ड संख्या चार निवासी स्वर्गीय लखन साफी के पुत्र गंगा साफी (37) के रूप में हुई है। गंगा साफी कोलकाता में कपड़ा धुलाई का काम करते थे। वैशाली में शख्स की रहस्यमयी मौत, घाट पर शव मिलने से सनसनी; जमीन विवाद में हत्या का आरोप परिजनों के अनुसार गंगा साफी ट्रेन से कोलकाता से दरभंगा पहुंचे थे और वहां से टेंपो रिजर्व कर अपने गांव रढ़ियाम जा रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कुशेश्वरस्थान से दरभंगा की ओर आ रही दो बसें तेज रफ्तार में एक-दूसरे को ओवरटेक कर रही थीं।

जूली को भूल किसी और के इश्क में पड़े मटुकनाथ

पटना (एजेंसी)।लव गुरु के नाम से फेमस 72 साल के मटुकनाथ चौधरी एक बार फिर से चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने फेसबुक पर मोहब्बत के एक किस्से का जिक्र किया है, जिसमें उन्होंने लिखा, ह्लएक स्त्री है, जो स्त्री मुझे प्यार करती है, पर कहती है कि तुम प्यास जगा सकते हो, बुझा नहीं।ह्व रएक स्त्री मुझे प्यार करती है। जो स्त्री मुझे प्यार करती है, उसकी एक ही इच्छा है कि मैं उनकी रचनाओं को ध्यानपूर्वक पढ़ूं और उन पर टिप्पणियां करूं। अगर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने में मुझे कभी संकोच हो, तो निजी तौर पर मैसेंजर में जाकर कर दूं। मैं सोचने लग गया हूं कि यह प्रेम है या ड्यूटी? मैं तो सोचता हूं कि प्रेम के बदले प्रेम हो सकता है और रचना पढ़ने के बदले रचना पढ़ना। प्रेम के बदले रचना पढ़ना क्या प्रेम है? मैंने एक दिन उनसे कह दिया कि यह सब मुझसे नहीं होगा। प्रेम के बदले प्रेम होता है, न कि रचना पढ़ना। अब तो मेरे पास कहने के लिए कुछ बचा ही नहीं। यह गीत गाते हुए वहां से निकल पड़ा। रहने दो छोडो, जाने दो यार, हम ना करेंगे प्यारङ्कमें अपने काम में लग गया और उसकी याद को भुलाने की कोशिश करने लगा। मैं एक कविता पढ़ रहा था। पढ क्या रहा था, उसी के बारे में सोच रहा था।आखिर इस दर्द की दवा क्या है? इसी बीच उसका फोन आ गया। उसने कहा कि, मुझसे नाराज हो जानू ? हाय, इस 'जानू' शब्द को सुनते ही जान में जान आ गई। मुरझा रहा पौधा फोन -जल पड़ते ही हरा हो गया। नाराज क्यों रहूंगा? तुझपे नाराज होऊंगा तो प्रसन्न किस पर होऊंगा ? आगे से तुम्हारी रचनाएं पढ़ा करूंगा और और उनपर टिप्पणियां भी किया करूंगा। इस माध्यम से कम से कम तुमसे जुड़ा तो रहूंगा। मटुकनाथ-जूली की प्रेम कहानी 2006 में चर्चा में आई थी। उस वक्त मटुकनाथ पटना यूनिवर्सिटी में हिन्दी के प्रोफेसर थे और जूली उनकी स्टूडेंट। जूली मटुकनाथ से 30 साल छोटी थी। पहली बार क्लासरूम में दोनों की मुलाकात हुई थी। बताया जाता है कि, 2004 में मटुकनाथ ने एक कैंप लगाया था, जिसमें जूली भी पहुंची थी। इसी दौरान दोनों में बातचीत शुरू हुई थी। दोनों के बीच फोन पर घंटों बातें भी होती थी। मटुकनाथ के मुताबिक, एक दिन जूली का फोन आया और उसने कहा कि वो मुझसे प्यार करती हैं और शादी करना चाहती हैं। बातचीत का सिलसिला प्यार में बदला और फिर दोनों लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगे। पत्नी से हुआ तलाक जूली से अफेयर के बाद मटुकनाथ की पत्नी आभा ने उन पर गंभीर आरोप लगाए और दोनों का तलाक हो गया। मटुकनाथ की परेशानी बढ़ती गई और फिर उन्हें कानूनी लड़ाई भी लड़नी पड़ी।

काले चने गुड़ के साथ खाने से एनीमिया जल्द खत्म हो जाता है

खून में हीमोग्लोबिन या रेड ब्लड सेल्स की कमी को एनीमिया कहते हैं। कई बार शरीर रेड ब्लड सेल्स या हीमोग्लोबिन बना नहीं पाता और कई बार ज्यादा खून बह जाने से शरीर में इनकी कमी हो जाती है।एनीमिया को एक तरह की बीमारी माना जाता है। ये बीमारी ज्यादातर महिलाओ को होती है और उनमें इसकी एक मुख्य वजह मासिक धर्म होता है। आमतौर पर पुरुषों में 100 मिली ग्राम खून में 13.5 ग्राम से कम हीमोग्लोबिन और महिलाओं में 100 मिली ग्राम खून में 12 ग्राम से कम हीमोग्लोबिन हो तो इसे एनीमिया की स्थिति कहते हैं। कई बार एनीमिया के मरीजों में बाहर से कोई लक्षण नहीं नजर आते या हल्के-फुल्के लक्षण नजर आते हैं जिन्हें लोग नजरअंदाज कर देते हैं। खून की सीबीसी जांच द्वारा इस बीमारी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

एनीमिया का कारण

एनीमिया का सबसे बड़ा कारण शरीर में आयरन की कमी है। एक सामान्य व्यक्ति के शरीर में 3-5 ग्राम आयरन होता है।शरीर में इसकी मात्रा कम होने पर खून कम बन पाता है और एनीमिया हो जाता है। कई बार ज्यादा मात्रा में खून बह जाना भी एनीमिया का कारण बनता है। इसके अलावा शरीर में कैल्शियम की अधिकता से भी एनीमिया हो सकता है इसलिए कैल्शियम वाले खाद्य पदार्थों का बहुत अधिक सेवन भी शरीर के लिए खतरनाक है।

एनीमिया से बचाव

एनीमिया से बचाव के लिए आपको अपनी जीवनशैली में थोड़ा परिवर्तन करना पड़ेगा। एनीमिया मुख्यत : शरीर में खून की कमी ही है इसलिए इससे बचाव के लिए ऐसे आहार का सेवन करना चाहिए जिससे शरीर में खून की मात्रा बढ़े जैसे- चुकंदर, गाजर, पालक, टमाटर, बथुआ और अन्य हरी सब्जियां। के साथ-साथ काले चने और गुड़ में भी आयरन भरपूर होता है। रोजाना सुबह भीगे हुए काले चने गुड़ के साथ खाने से एनीमिया जल्द खत्म हो जाता है। इसके अलावा अगर आप सब्जी बनाने के लिए लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल करते हैं तो इससे भी शरीर में आयरन की कमी दूर होती है।शरीर में आयरन की ज्यादा कमी होने पर आप चिकित्सक की सलाह से आयरन की गोलियां भी ले सकते हैं।

एनीमिया के लक्षण

काम के दौरान जल्दी थक जाना
दिनभर कमजोरी महसूस होना
त्वचा पीली पड़ना
सीढ़ी चढ़ते हुए चक्कर आ जाना
सीने और सिर में दर्द होना
तलवों और हथेलियों का ठंडा हो जाना

सेहत के लिए बेहद लाभकारी होता है किशमिश के पानी

किशमिश के पानी सेहत के लिए बेहद लाभकारी होता है।इससे पेट की एक-दो नहीं बल्कि कई बीमारियां दूर हो जाती है।किशमिश में मौजूद तत्व शरीर की पूरी गंदगी को बाहर निकाल देते हैं और इससे आपका पेट पूरी तरह साफ हो जाता है और कब्ज, गैस आदि की दिक्कत नहीं होती है।सुबह खाली पेट पानी पीने से शरीर को कई तरह के फायदे होते हैं, लेकिन किशमिश का पानी सेहत के लिए और भी फायदेमंद होता है।किशमिश में कुछ ऐसे गुण होते हैं जो कि पानी के साथ मिलकर ज्यादा असरदार हो जाते हैं।इसके लिए रात के समय एक गिलास पानी में 8 से 10 किशमिश भिगोकर रख दें और सुबह इसे अच्छी तरह पीस लें।अगली सुबह किशमिश छान कर पानी को पीने लायक गरम करें और इसे खाली पेट पिएं।किशमिश का पानी पीने के बाद 30 से 35 मिनट तक इंतजार करें और फिर नाश्ता करें।किशमिश का पानी लीवर में बायोकैमिकल प्रोसेस शुरु करता है, जिससे खून तेजी साफ से होने लगता है। इसके अलावा किशमिश में आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।इसलिए इसे स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है। किशमिश में प्राकृतिक शुगर भी प्रचुर मात्रा में पाई जाती है।किशमिश का पानी पीने के और भी फायदे।

दांतों के लिए : किशमिश में ऑलियानॉलिक एसिड होता है जो कि फाइटोकेमिकल्स में से एक है और यह दांतों को केविटी और कई दिक्कतों से बचाता है।साथ ही किशमिश दांतों में बैक्टिरिया फैलने से रोकता है और दांतो को सुरक्षित रखता है।इसमें केल्शियम की मात्रा बहुत अधिक होती है और यह आपके दांतो को टूटने से बचाता है।

स्किन के लिए : किशमिश के पानी में फ्लेवेनॉइड्स एंटी ऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो स्किन पर होने वाली झुर्रियों को तेजी से कम करने में सहायक है।यह बढ़ती उम्र के निशान को कम कर आपको जवां दिखने में मदद करता है।

सांसों की बदबू के लिए : किशमिश में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं।इससे बैक्टीरिया से लड़ने में सहायता मिलती है और मुंह से आने वाली बदबू दूर होती है।इसके अलावा इसका उपयोग कई हेल्थ टॉनिक में भी किया जाता है।

पेट संबंधी रोगों के लिए : किशमिश के पानी से पेट की एक-दो नहीं बल्कि कई बीमारियां दूर हो जाती है। किशमिश में मौजूद तत्व शरीर की पूरी गंदगी को बाहर निकाल देते हैं और इससे आपका पेट पूरी तरह साफ हो जाता है और कब्ज, गैस आदि की दिक्कत नहीं होती है।साथ ही इसके नियमित सेवन से थकान भी दूर रहती है और पाचन तंत्र मजबूत होता है।

हार्ट प्रॉब्लम के लिए : हर रोज किशमिश का पानी उन लोगों के लिए बहुत अधिक फायदेमंद है जो अधिक कोलेस्ट्रॉल लेवल की वजह से परेशान हैं और उन्हें कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।दरअसल किशमिश का पानी शरीर में ट्राईग्लिसेराइड्स के स्तर को कम करने में मददगार है।इससे आपके शरीर में हर्ट संबंधी बीमारियां होने का खतरा कम हो जाता है।

आंखों के लिए : किशमिश में पॉलीफेनॉलिक फायटोन्यूट्रिंस होते हैं जो कि एंटी ऑक्सिडेंट होते हैं और यह आंखों की आई साइड को ठीक रखने में मदद करती है।इसमें कई तरह के एंटी बॉयटिक और एंटी ऑक्सीडेंट फिनॉलिक पायथोन्यूट्रियंट तत्व होते हैं जो कि बुखार को भी ठीक कर देते हैं।

संक्रमण से होती है आंखें लाल

आंख लाल होने की समस्या तब होती है जब आंख की सतह पर मौजूद रक्त वाहिकाएं फैलती हैं या चौड़ी होती हैं।ऐसा तब होता है जब आपकी आंख में कोई बाहरी चीज चली जाती है या कोई संक्रमण होता है। आंख आमतौर पर कुछ समय के लिए लाल हो जाती हैं। इसके साथ आंख में दर्द, आंखों में खुजली, रिसाव, आंखों की सूजन और धुंधला दिखना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। आंख लाल होने में या तो आंखों का पूरा सफेद हिस्सा लाल दिखने लगता है या कुछ रक्त वाहिकाएं सूज कर लाल हो जाती हैं।अगर आपकी आंख ठीक नहीं होती और लाली बढ़ती है, तो अपने डॉक्टर के पास जाएं।

लक्षण

आंख में खुजली होना
आंख से ज्यादा आंसू आना
आंख से रिसाव होना
प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता
धुंधला दिखना
नजर कमजोर होना
एक या दोनों आंखों में किरकिराहट महसूस होना
देखने या पढ़ने के बाद असहजता महसूस होना

कारण

इन कारणों से लाल होती हैं आंखें
सूखे बाल
मिट्टी
ऐलर्जी
ऐसी स्थिति में डॉक्टर को दिखाएं
आंख में हाल ही में चोट लगी है
अगर आप नजर में बदलाव, प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता, तेज सिरदर्द जैसे लक्षण अनुभव कर रहे हों।
ज्यादा दर्द हो रहा हो।
सिर पर चोट लगी हो।
किसी रसायन से आंख में चोट पहुंची हो

बचाव

आंखों को न मलें। आंखें मलने से इंफेक्शन व ऐलर्जी करने वाले बैक्टीरिया चले जाते हैं।

जोर से आंख मलने से कॉर्निया में खरोंच और सबकन्जंक्टिवाईटल हेमरेज हो सकता है।

धुएं, भाप, पराग, मिट्टी और क्लोरीन जैसे उत्तेजक पदार्थो से दूर रहें।

अपने कॉन्टैक्ट लेंस की सही से देखभाल करें।

कॉन्टैक्ट लेंस को ज्यादा समय तक न पहनें और इन्हें पहन कर न सोएं।

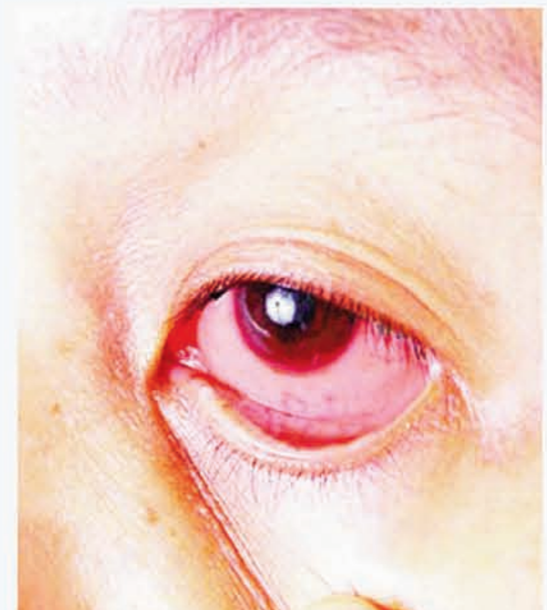

युवाओं में तनाव से बढ़ रहे हृदयाघात के मामले

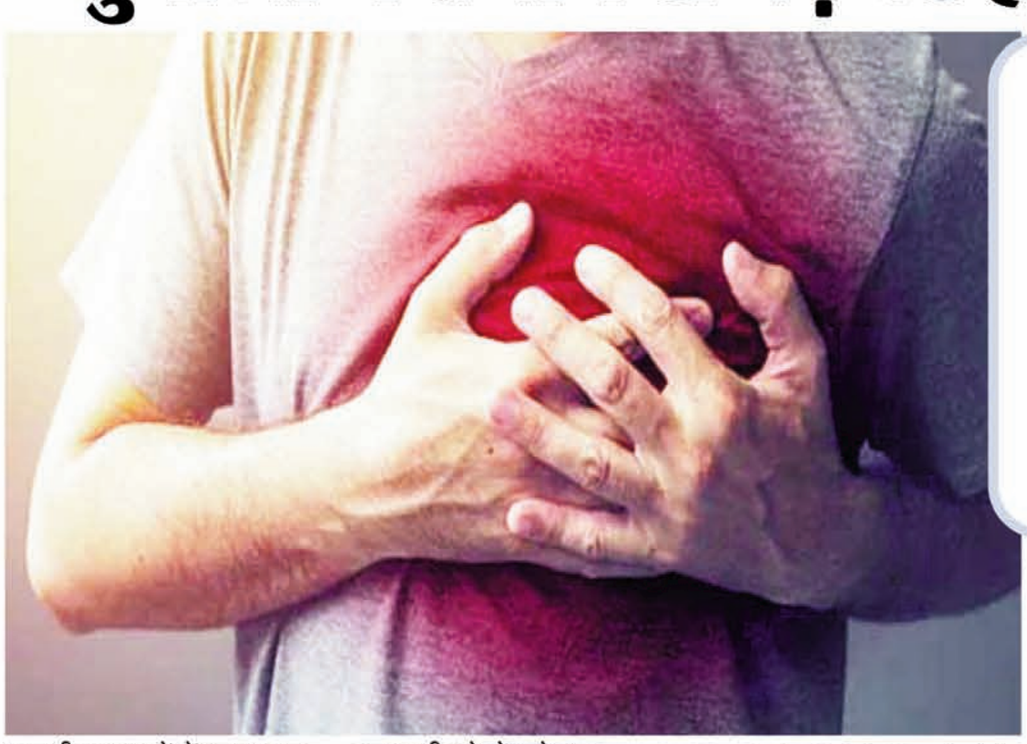

भारतीय युवाओं में हृदयाघात की समस्या बढ़ती जा रही है और यदि इस समस्या पर रोक के उपाय नहीं किए गए तो यह महामारी का रूप ले कर सकती है।विशेषज्ञों के अनुसार हृदय रोग की महामारी को रोकने का एकमात्र तरीका लोगों को शिक्षित करना है।

आम तौर पर दिल के दौरे का संबंध पहले बुढ़ापे से माना जाता था लेकिन अब अधिकतर लोग उम्र के दूसरे, तीसरे और चौथे दशक के दौरान ही दिल की बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। आधुनिक जीवन के बढ़ते तनाव ने युवाओं में दिल की बीमारियों के खतरे पैदा कर दिया है हालांकि अनुवांशिक और पारिवारिक इतिहास अब भी सबसे आम और अनियंत्रित जोखिम कारक बना हुआ है, लेकिन युवा पीढ़ी में अधिकतर हृदय रोग का कारण अत्यधिक तनाव और लगातार लंबे समय तक काम करने के साथ-साथ अनियमित नींद पैटर्न है। धूम्रपान और आराम तलब जीवनशैली भी 20 से 30 साल के आयु वर्ग के लोगों में इसके जोखिम को बढ़ा रही है।

ओपन हार्ट सर्जरी के मामले बढ़े

देश में हृदय अस्पतालों में दो लाख से अधिक ओपन हार्ट सर्जरी की जाती है और इसमें सालाना 25 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है।यह सर्जरी केवल तात्कालिक लाभ के लिए होती है। हृदय रोग के कारण होने वाली मौतों को रोकने के लिए लोगों को हृदय रोग और इसके जोखिम कारकों के बारे में अवगत कराना महत्वपूर्ण है।

कोरोनरी हृदय रोग ठीक नहीं हो सकता है, लेकिन इसके इलाज से लक्षणों का प्रबंधन करने, दिल की कार्यप्रणाली में सुधार करने और दिल के दौरे जैसी समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। इसके लिए जीवनशैली में परिवर्तन, दवाएं और नॉन-इंवैसिव उपचार शामिल हैं। अधिक गंभीर मामलों में इंवैसिव और शल्य चिकित्सा उपचार की आवश्यकता होती है।

समान लक्षण नहीं होते

सभी हृदय रोगियों में समान लक्षण नहीं होते हैं और एंजाइना छाती का दर्द इसका सबसे आम लक्षण नहीं है। कुछ लोगों को अपच की तरह असहज महसूस हो सकता है और कुछ मामलों में गंभीर दर्द, भारीपन या जकड़न हो सकता है। आमतौर पर दर्द छाती के बीच में महसूस होता है, जो बाहों, गर्दन, जबड़े और यहां तक कि पेट तक फैलता है, और साथ ही धड़कन का बढ़ना और सांस लेने में समस्या होती है।

अगर धमनियां पूरी तरह से अवरुद्ध हो जाती हैं, तो दिल का दौरा पड़ सकता है, जो हृदय की मांसपेशियों को स्थायी नुकसान पहुंचा सकता है। दिल के दौरे में होने वाले दर्द में पसीना आना, चक्कर आना, मतली और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

टी20 विश्वकप: जिम्बाब्वे की दूसरी बड़ी जीत, ऑस्ट्रेलिया के बाद अब श्रीलंका को हराया

कोलंबो (एजेंसी)। जिम्बाब्वे ने ब्रायन बेनेट के नाबाद अर्धशतक की बदौलत आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप मुकाबले में श्रीलंका को 6 विकेट हराकर दूसरी बड़ी जीत दर्ज की है। इससे पहले जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी। जिम्बाब्वे के स्पिनरों के खिलाफ धीमी पिच पर बीच के ओवरों में श्रीलंका के बल्लेबाजों को परेशानी आई लेकिन टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के मुकाबले में बृहस्पतिवार को मेजबान टीम ने 7 विकेट पर 178 रन बनाए। इसके जवाब में जिम्बाब्वे ने सधी हुई बल्लेबाजी करते हुए सिकंदर रजा के नेतृत्व में जीत हासिल की।

पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरूआत अच्छी रही। सलामी बल्लेबाज कुसल परेरा (22) और पाथुम निसांका (62) ने 4. 5 ओवर में 54 रन बनाए। बाएं हाथ के बल्लेबाज परेरा सहज नहीं दिखे लेकिन तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को उन्होंने दो चौके लगाए। वह हालांकि मुजरबानी के बाउंसर पर पूल शॉट खेलने के प्रयास में शॉर्ट फाइन लेग पर ग्रीम क्रेमर को कैच दे बैठे। श्रीलंका के बल्लेबाजों ने पावरप्ले में एक विकेट पर 61 रन बना लिए थे लेकिन इसके बाद रनगति धीमी पड़ गई।

जिम्बाब्वे के स्पिनरों सिकंदर रजा, क्रेमर, रियान बर्ल और वेलिंगटन मसाकाजा ने मेजबान बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। अगले चार ओवरों में सिर्फ 21 रन बने। इस बीच कुसल मेंडिस का विकेट भी गिरा जो 20 गेंदों में 14 रन ही बना सके। वहीं पिछले मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक बनाने वाले निसांका ने 34 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। वह क्रेमर की गेंद पर रिवर्स स्वीप लगाने के प्रयास में टोनी मुनिनोगा को कैच दे बैठे। पवन रत्नायके ने 25 गेंद में 44 रन बनाये और ब्राड इवांस को 19वें ओवर में दो चौके और एक छक्का जड़कर श्रीलंका को 150 रन के पार पहुंचाया। आखिरी दो ओवरों में 30 रन बने।

टी20 विश्वकप: जिम्बाब्वे से हार के बाद श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका का पहला बयान आया सामने

कोलंबो (एजेंसी)। टी20 विश्व कप मुकाबले में जिम्बाब्वे के खिलाफ हार के बाद श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका ने कहा कि हमने जो स्कोर बनाया वह डिफेंड करने के लिए काफी अच्छा था। ब्रायन बेनेट के अर्धशतक और कप्तान सिकंदर रजा की 45 रन की पारियों के दम पर जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को 6 विकेट से हराकर अपराजेय रहते हुए ग्रुप की शीर्ष टीम के रूप में टी20 विश्व कप के सुपर आठ में प्रवेश किया। कठिन पिच पर जीत के लिए 179 रन के लक्ष्य के जवाब में जिम्बाब्वे ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 182 रन बनाए। बेनेट 48 गेंद में 63 और रजा 26 गेंद में 45 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों टीमें ग्रुप बी से सुपर आठ में पहुंच चुकी है और लीग चरण में आस्ट्रेलिया को हराने वाली जिम्बाब्वे के प्रदर्शन ने सभी को चौंका दिया है।

श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका ने कहा, 'हमारी शुरुआत काफी अच्छी रही और सच कहूं तो, मुझे लगता है कि हमने जो स्कोर बनाया वह डिफेंड करने के लिए काफी अच्छा था। (मैच में) कुछ जगहें ऐसी थीं जहां हम थोड़ा और बेहतर कर सकते थे, लेकिन कुल मिलाकर मैं आज का स्कोर यही मानूंगा। मैं पथुम (निसांका) और पवन (रत्नायक) के खेलने के तरीके से बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि इस पिच पर (बैटिंग के हिसाब से) यह एक अच्छा टोटल था। प्लान हमेशा की तरह सिंपल था (बॉल से)। शुरुआत में विकेट लेना। बदकिस्मती से हम बॉल से वैसी शुरुआत नहीं कर पाए। नए खिलाड़ियों के आने से थोड़ी मुश्किल होती है, उन्हें भी सेट होने के लिए कुछ समय चाहिए। लेकिन कोई बहाना नहीं। हम थोड़ा और बेहतर कर सकते थे।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरे कुछ फैसले थोड़े गैंबल जैसे भी थे। यह उन दिनों में से एक था जहां हम बॉल से बेहतर कर सकते थे, लेकिन फिर से, कोई बहाना नहीं। क्वालिफिकेशन हमेशा अच्छा होता है, लेकिन हम जो भी मैच खेलते हैं, हम देश के लिए अच्छा करना चाहते हैं। हां, हमने आज चमीरा को आराम दिया, लेकिन जैसा मैंने कहा, कोई बहाना नहीं। हमने तीनों डिपार्टमेंट में ठीक-ठाक प्रदर्शन किया, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि हम और बेहतर कर सकते थे। मुझे लगता है कि हमें मैदान पर और ज्यादा कॉन्फिडेंट होने की जरूरत है। आज हममें इसी की कमी थी। उम्मीद है कि अगली बार जब हम मैदान पर उतरेंगे तो बेहतर एटीट्यूड के साथ वापस आएंगे।'

टी20 विश्व कप : होप और जोसेफ के अच्छे प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने इटली को 42 रनों से हराया

कोलकाता (एजेंसी)। कप्तान शाई होप और तेज गेंदबाज शामार जोसेफ के अच्छे प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने गुरुवार को यहां टी20 विश्व कप क्रिकेट के अपने अंतिम लीग मुकाबले में इटली को 42 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज की टीम ग्रुप सी में नंबर एक पर बनी हुई है। वेस्टइंडीज ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए होप के 46 75 रनों की सहायता से 20 ओवरों में छह विकेट पर 165 रन बनाये। आज के खेल का आकर्षण होप की पारी रही। होप ने तेजी से खेलते हुए 28 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया पर अन्य बल्लेबाजों का उन्हें साथ नहीं मिला, इस कारण टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली की टीम 18 ओवर में 123 रन ही बना पायी। वेस्टइंडीज की ओर से शामार जोसेफ ने 30 रन देकर चार विकेट लिए। इसके इसके अलावा चार कैच भी पकड़े। वहीं इस मैच के साथ ही इटली का अभियान इस टूर्नामेंट में समाप्त हो गया है। इस मैच में बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसन नहीं था। रोस्टन चेज 25 गेंद पर 24, शेरफेन रदरफोर्ड 15 गेंद पर नाबाद 24 रन और मैथ्यू फोर्डे आठ गेंद पर नाबाद 16 रन ही बना पाये। इटली के गेंदबाजों ने इंडीज बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। बेन मनेंटी और और कृशान कालुगामगे ने दो-दो विकेट लेकर बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। केव ग्रांट स्टीवर्ट के ही एक ओवर में 19 रन बने। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह पावर प्ले में तीन विकेट पर 37 रन ही बना पायी। एंथनी मोस्का ने 19 रन बनाये। वहीं उनके भाई जस्टिन मोस्का 02 रन ही बना पाये। सैयद नकवी भी 6 रन ही बना पाये। जेजे स्मट्स ने 27 गेंद में 24 रन जबकि कप्तान हैरी मैनेंटी ने 8 रन बनाये। इटली की आधी टीम 78 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद बेन मैनेंटी ने इटली को 100 रनों तक पहुंचाया। वहीं ग्रांट स्टीवर्ट 12 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे टी20 में भारतीय टीम को हराया

1-1 से सीरीज बराबरी पर पहुंची

कैनबरा (एजेंसी)। मेजबान ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे टी20 मैच में भारतीय टीम को 19 रनों से हराकर तीन मैच की सीरीज में 1-1 से वापसी की है। ऑस्ट्रेलिय ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जॉर्जिया वोल के अर्धशतक 88 रनों और बेथ मूनी के 46 रनों की सहायता से 5 विकेट पर 163 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले 164 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नौ विकेट पर 144 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय बल्लेबाजी ढ़ह गयी। कप्तान हरमनप्रीत कौर 36, स्मृति मंधाना 31 और शेफाली वर्मा 29 के अलावा अन्य बल्लेबाज असफल रहीं।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से एश्ले गार्डनर ने 22 रन देकर तीन विकेट जबकि किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया की कप्तान सोफी मोलिनू ने दो-दो विकेट लिए। । भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही थी और उसने नौवें ओवर में एक विकेट पर 65 रन बना लिए थे पर इसके बाद टीम ने अंत में सात रन के अंदर ही छह विकेट खो दिये। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पावरप्ले में ही 54 रन बना लिए थे पर इसके बाद शेफाली के आउट होने से बल्लेबाजी ढ़हनी शुरु हो गयी। जेमिमा रोड्रिग्स भी 4 रन ही बना पायी। मंधाना के रूप में तीसरा विकेट गिरा। भारतीय टीम ने तीन विकेट पर 71 रन बना लिए थे। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत और ऋचा घोष 19 ने चौथे विकेट के लिए 55 रन बनाये। बाद में तेजी से रन बनाने के प्रयास में विकेट एक के बाद एक गिरते गये। हरमनप्रीत को 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर गार्थ ने पेवेलियन भेजा। इसके बाद ऋचा भी गार्डनर की गेंद पर स्टंप आउट हो गईं। 18वें ओवर में गार्डनर ने दीप्ति शर्मा को सदरलैंड के हाथों कैच कराया। इसके बाद भारतीय पारी सिमट गयी।

बांग्लादेश के नये खेलमंत्री अमीनुल बोले, भारत और बीसीसीआई से बेहतर संबंध चाहते हैं

ढाका। बांग्लादेश सरकार के नये खेल मंत्री अमीनुल हक ने कहा है कि वह भारत के साथ ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से भी बेहतर बनाना चाहता है। खेल मंत्री की शपथ लेने के बाद हक ने कहा कि वह बीसीसीआई से संबंधों को फिर से पहले की तरह बनाना चाहते हैं। साथ ही कहा कि हाल में कुछ मामलों को लेकर दोनो ही देशों के बीच दूरियां बढ़ी हैं। उन्होंने कहा, शपथ लेने के बाद मैंने भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर से मुकाकात कर उनसे टी20 विश्व कप में भाग नहीं लेने के बाद के हालातों पर भी बात की जो सकारात्मक रही। मैंने उनसे कहा कि हम इस मामले को बातचीत से हल करना चाहते हैं। हम सभी पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। हक ने कहा, खेल के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी हम भारत के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। कुछ बाधाओं के कारण, हम टी20 विश्व कप नहीं खेल सके। बातचीत के दौरान इस प्रकार के मामलों को हाल किया जाता तो आज हमारी टीम भी विश्वकप में खेल रही होती। गौरतलब है कि बांग्लादेश की पिछली सरकार ने सुरक्षा कारणों से भारत में टीम भेजने से इंकार करते हुए कहा था कि उनके मैच श्रीलंका में रखे जाएं पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बोर्ड (आईसीसी) ने ये प्रस्ताव ठुकरा दिया था। जिसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपनी सरकार से बात करने के बाद खेल से बाहर होने का फैसला किया था।

हरमनप्रीत सबसे अधिक अंतराष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटर बनीं, न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स का रिकार्ड टूटा

कैनबरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां दूसरे टी20 क्रिकेट मैच के लिए मैदान में उतरते ही एक रिकार्ड बना दिया है। अब हरमनप्रीत महिला क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। हरमनप्रीत ने यहां मैदान पर उतरने के साथ ही अपना 356 वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला और वह न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सूजी बेट्स से आगे निकल गयी हैं।। बेट्स ने 355 मैच खेले हैं। वहीं सबसे अधिक मैच खेलने के मामले में तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की एलिसे पेरी हैं। पेरी के नाम पर 349 मैच हैं। वहीं भारतीय टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने 333 मैच खेले हैं, जबकि शार्लोट एडवर्ड्स ने इंग्लैंड के लिए 309 मैच खेले हैं। महिला क्रिकेट में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ियों में न्यूजीलैंड सोफी डिवाइन के नाम 305, इंग्लैंड की हीथर नाइट के नाम 303 और डैनी व्याट-हॉज के नाम 302 मैच हैं। हरमनप्रीत ने अपने क्रिकेट करियर में अब तक छह टेस्ट, 161 एकदिवसीय और 189 टी20 मैच खेले हैं। छह टेस्ट मैचों में उनके नाम 200 रन जबकि एकदिवसीय में 4,409 और टी20 मैचों में 3,784 रन हैं। हरमनप्रीत ने सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि उनका लक्ष्य के लिए आगे भी अच्छा प्रदर्शन करना रहेगा।

सुपर-8 मुकाबलों के लिए करने होंगे सुधार : सूर्यकुमार

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम को नीदरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप क्रिकेट के अपने अंतिम मुकाबले में 17 रनों से जीत मिली पर कप्तान सूर्यकुमार यादव इससे संतुष्ट नहीं हैं। सूर्यकुमार का कहना है कि सुपर-8 से पहले सब कुछ सही है ये नहीं कहा जा सकता। टीम को अभी कुछ सुधार भी करने हैं। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट खोकर 193 रन बनाए। वहीं इसके बाद एसोसिएट डच टीम ने भी सात विकेट पर 176 रन बनाये। इसी को देखते हुए कप्तान ने कहा कि जीत में भी सीख मिलती है, हमें और कसी गेंदबाजी करनी चाहिये थी। उन्होंने कहा कि पूरी तरह गेंदबाजों को भी दोष नहीं दिया जा सकता है क्योंकि ओसा काफी अधिक थी। जिससे भी गेंदबाजों को परेशानी हुई। उन्होंने सुपर आठ को लेकर कहा, 'शुरुआत थोड़ी धीमी हो सकती है पर सभी बल्लेबाजों के लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनकी जिम्मेदारी क्या है और बीच के ओवरों में विकेट कैसा बर्ताव कर सकता है। इसके बाद हमारे पास ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल या वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ी हैं, जो मैच को अच्छी तरह समाप्त कर सकते हैं।' सुपर-8 को लेकर पूछे एक सवाल पर उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं कह सकते कि सब कुछ पूरी तरह से सही था। जीत में भी कई प्रकार की सीख मिलती है और हमने कुछ चीजें सीखी हैं। अब हम आगे के मैचों को लेकर विचार-विमर्श करेंगे।'

'शिवम दुबे को बॉलिंग करना बहुत मुश्किल है', दिग्गज खिलाड़ी ने की भारतीय ऑलराउंडर की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवम दुबे के बल्ले और गेंद दोनों से ऑल-राउंड प्रदर्शन की बदौलत भारत ने अहमदाबाद में नीदरलैंड्स को 17 रन से हराकर आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप ए में टॉप कर रहे। स्टार स्पोर्ट्स के 'क्रिकेट लाइव' प्रोग्राम में बोलते हुए जियोस्टार एक्सपर्ट सुनील गावस्कर ने दुबे के बेहतर शॉट सिलेक्शन, वरुण चक्रवर्ती के अहम स्पेल की तारीफ की और टूर्नामेंट में अभिषेक शर्मा के खराब फॉर्म पर अपने विचार शेयर किए।

गावस्कर ने उस एक शॉट की ओर इशारा किया जो शिवम दुबे के खेल को दूसरे लेवल पर ले जा सकता है। उन्होंने कहा, 'शिवम दुबे को बॉलिंग करना बहुत मुश्किल है क्योंकि उनके पास कई तरह के शॉट हैं। आप ऑफ स्टंप के बाहर बॉलिंग कर सकते हैं, लेकिन उनमें लॉन्ग ऑन के ऊपर से हिट करने की पावर भी है। वह सिर्फ मिड-विकेट और स्क्वायर-लेग के ऊपर से हिट करने की कोशिश नहीं करते। वह लॉन्ग ऑफ को भी क्लियर कर सकते हैं। अगर वह एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से इनसाइड-आउट शॉट डेवलप करने पर कड़ी मेहनत करते हैं, तो वह सच में एक खतरनाक बैट्समैन बन जाएंगे।'

उन्होंने कहा, 'फिर वह बॉल को ग्राउंड के किसी भी हिस्से में हिट कर सकते हैं। जिस तरह से शिवम दुबे हर इनिंग के साथ मैच्योर हो रहे हैं, वह इंडिया के लिए बहुत अच्छी खबर है।' मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के शानदार रन पर उन्होंने कहा, 'वरुण चक्रवर्ती के चार ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट लेना कमाल का है। जब आप विकेट लेते हैं, तो आप विरोधी टीम के रन भी छीन लेते हैं। साफ है, वरुण आपके की बॉलर होंगे। इंडिया काफी हद तक वरुण के 4 ओवर पर डिपेंड करेगा। सुपर 8 स्टेज में विरोधी टीम उनका मुकाबला कैसे करती है, यह देखना बहुत इंटरेस्टिंग होगा।'

सबसे छोटे फॉर्मेट के नंबर 1 बैटर अभिषेक शर्मा अभी तक टूर्नामेंट में अपना खाता नहीं खोल पाए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट की तीन इनिंग्स में एक भी रन नहीं बनाया है। अभिषेक शर्मा के स्ट्रगल पर गावस्कर ने कहा, 'अभिषेक शर्मा एक अच्छा लड़का है, लेकिन उम्मीदें उस पर भारी पड़ रही हैं। अगर उसने USA के खिलाफ अच्छी शुरुआत की होती, तो बात अलग होती। अब बड़े छक्के मारने वाला और टॉप बैटर होने का प्रेशर दिख रहा है। अपनी शॉट रेंज के साथ उसे बीच में समय बिताने की जरूरत है। वह अपनी इनिंग्स की पहली बॉल पर बाउंड्री या सिक्स मारने की कोशिश नहीं कर सकता।'

उन्होंने कहा, 'अगर बड़े शॉट लगते हैं, तो ठीक है। लेकिन उसे खुद को लाइन के पार बड़े शॉट खेलने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। एक सिंगल लो और रन बना लो। चार डॉट बॉल भी मायने नहीं रखतीं। वह बाद में उनकी भरपाई कर सकता है। उसे शुरुआत में स्मार्ट खेलने की जरूरत है। एक या दो ओवर जमने में बिताओ, फिर अपना नैचुरल गेम खेलो। पहले, बस रन बनाओ। हर बैटर पहला रन चाहता है। एक बार जब वह इसे बना लेगा, तो सब कुछ ठीक हो जाएगा।'

टी20 विश्वकप से शुरुआत में बाहर होने से ऑस्ट्रेलिया की ओलंपिक दावेदारी को भी झटका

मुम्बई। आईसीसी टी20 विश्वकप से बाहर होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम की लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक की दावेदारी भी कमजोर पड़ी है। ओलंपिक में पुरुषों की टी20 प्रतियोगिता में केवल छह टीमों को ही अवसर मिलेगा। इसमें अंतिम चयन कॉन्टिनेंटल क्वालिफिकेशन सिस्टम व आईसीसी रैंकिंग के आधार पर होगा। विश्व कप से बाहर होने से वह रैंकिंग में न्यूज़ीलैंड से पिछड़ रही है। ऐसे में उसकी जगह कीवी टीम को मिल सकती है। ऐसे ऑस्ट्रेलिया के ग्रुप स्तर से ही बाहर होने से न्यूजीलैंड नेशनल क्रिकेट टीम की राह आसान हो गयी है। ऐसे में अब अगर कीवी टीम सेमीफाइनल या उससे आगे तक पहुंचती है, तो रैंकिंग में वह ऑस्ट्रेलिया से ऊपर पहुंच जाएगी। इससे उससे ओलंपिक के लिए प्रवेश मिल सकता है। कीवी टीम का आईसीसी इवेंट्स में रिकॉर्ड अच्छा रहा है, वे कई बार नॉकआउट चरण तक पहुंचे हैं जिससे उनकी दावेदारी और मजबूत होती है। ऐसे में यदि रैंकिंग में न्यूज़ीलैंड आगे निकल जाता है, तो कंगारुओं को को अंतिम ओलंपिक स्लॉट के लिए दूसरी रैंक वाली टीमों के साथ अलग क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट खेलना पड़ सकता है जो उसकी प्रतिष्ठा के लिए झटका होगा। इसके अलावा इस क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट में अगर वह शीर्ष पर रहती है तो भी उसे ओलंपिक में प्रवेश मिलेगा इसकी गारंटी नहीं रहेगी।

तीन मैच पॉइंट बचा कर गॉफ क्वार्टर फाइनल में पहुंची

दुबई। कोको गॉफ ने बुधवार रात को तीन मैच पॉइंट बचाए और एलिस मर्टेंस को 2-6, 7-6(9), 6-3 से हराकर दुबई क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। 2 घंटे और 18 मिनट में मिली इस जीत ने 2021 के बाद पहली बार यह दिखाया कि गॉफ ने टूर-लेवल की जीत में मैच पॉइंट बचाए और बेल्जियम की खिलाड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 5-0 कर लिया। गॉफ ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, 'पूरा मैच ऐसा लगा जैसे मेरे हिसाब से नहीं जा रहा है ।यह सबसे अच्छा नहीं था, लेकिन मैंने बस इसमें बने रहने की कोशिश की, और मैंने हर पॉइंट के लिए लड़ाई की। मुझे खुशी है कि मैं आज रिजल्ट ला पाई।' गॉफ 2001 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में चार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। वह 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से 100 डब्ल्यूटीए 1000 मेन-ड्रॉ जीत हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं। गॉफ का अगला मुकाबला एलेक्जेंड्रा एला से होगा ताकि वह नंबर 101 जीत हासिल कर सकें और अपने दूसरे दुबई सेमीफाइनल में पहुंच सकें। यह ङ्खञ्ज लेवल पर उनके बीच पहली मुलाकात होगी।

अभिषेक पर भड़के प्रशंसक, बोले इससे तो अधिक रन सैमसन बना रहे थे

अहमदाबाद। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का खराब दौर समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। अभिषेक टी20 विश्वकप में अपने तीसरे मैच में भी खाता नहीं खो पाये। इससे प्रशंसक उनपर भड़क गये हैं। प्रशंसकों का कहना है कि संजू सैमसन के भी उनसे अधिक रन हैं। सैमसन को अपनी खराब फार्म के कारण ही अभिषेक की वापसी के बाद बाहर किया किया गया है पर जिस प्रकार से अभिषेक रन बनाने में विफल हुए हैं। उससे ये बदलाव कारगर साबित नहीं हुआ है। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि अभिषेक आक्रामक अंदाज में खेलेंगे पर जब तीसरे मुकाबले में भी ऐसा नहीं हुआ तो उनके सब्र का बांध टूट गया। जिस तूफानी बल्लेबाजी की उम्मीद प्रशंसकों को थी। वह अब भी नहीं दिखी। इसके बाद सोशल मीडिया पर अभिषेक की जमकर खिंचाई हुई। प्रशंसकों ने तंज कसा कि इससे तो अधिक रन सैमसन के हैं। वहीं कुछ प्रशंसकों का मानना है कि सुपर-8 के लिए सैमसन को टीम में शामिल किया जाना चाहिये। सैमसन को अभिषेक के बीमार होने के कारण एक मैच में अवसर मिला था। उस मुकाबले में सैमसन ने 22 रन बनाए थे। अभिषेक का यह पहला ही टी20 विव कप है और उनसे इस तरह के प्रदर्शन की प्रशंसकों को उम्मीद नहीं थी। वह पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ विफल रहे। वहीं बीमार होने के कारण नामीबिया के खिलाफ नहीं खेल पाए। पाकिस्तान के खिलाफ उनसे बड़े स्कोर की उम्मीथ थी पर वह असफल रहे। नीदरलैंड के खिलाफ मैच में भी उनका खाता नहीं हुआ। अब अगर वह सुपर-8 में रन नहीं बनाते तो टीम में उनकी जगह खतरे में आ जाएगी।

'बहुत शुक्रगुजार हूं', न्यूजीलैंड की लॉरेन डाउन ने संन्यास का किया ऐलान

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर लॉरेन डाउन ने गुरुवार को क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान किया। 30 साल की बैटर ने 4 मार्च 2018 को लिंकन में वेस्ट इंडीज के खिलाफ वनडे मैच में न्यूजीलैंड के लिए डेब्यू किया था। दाएं हाथ की बल्लेबाज ने 9 फरवरी 2020 को वेलिंगटन में साउथ अफ्रीका विमेन के खिलाफ अपना टी20आई डेब्यू किया था। उन्होंने अपना आखिरी ODI मैच 23 दिसंबर 2024 को वेलिंगटन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था और उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए टी20आई में अपना आखिरी मैच 7 दिसंबर 2022 को क्वीन्सटाउन में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट की तरफ से जारी एक बयान में डाउन ने कहा, 'मुझे व्हाइट फर्न्स ग्रुप का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लगा, और मैं अपने देश को रिप्रेजेंट करने का मौका मिलने के लिए बहुत शुक्रगुजार हूं। मुझे लड़कियों के साथ रहना याद आएगा, लेकिन अब मैं साइडलाइन से देखने और यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि यह ग्रुप क्या हासिल कर पाता है।' लॉरेन डाउन ने 35 ODI और 31 इनिंग खेलीं जिसमें उन्होंने 62.06 के स्ट्राइक रेट से 486 रन बनाए। दाएं हाथ की बैट्समैन ने तीन हाफ-सेंचुरी लगाईं। टी20आई में 30 साल की इस खिलाड़ी ने 13 मैच और 9 इनिंग में 86.11 के स्ट्राइक रेट से 93 रन बनाए।

डाउन ने कहा, 'मेरे क्रिकेट करियर का एक बड़ा हिस्सा ऑकलैंड सेटअप में रहा है और मैं ऑकलैंड क्रिकेट, अपने कोच और टीम के साथियों को मेरे सफर में उनके रोल के लिए जितना धन्यवाद दूं कम है।' डाउन पांच सफल हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड कैंपेन का हिस्सा थीं जिसमें उन्होंने ऑकलैंड हार्ट्स को 2011-12, 2014-15, 2015-16, 2017-18 और हाल ही में 2019-20 में महिलाओं का 50 ओवर का टाइटल जीतने में मदद की, जहां उन्होंने हैमिल्टन के सेडन पार्क में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स को 67 रन से हराने में मदद करने के लिए ग्रैंड फाइनल में 90 रन बनाए।

डाउन ने अपने करियर का अंत हार्ट्स की तीसरी सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाली (1,496 रन) और चौथी सबसे ज्यादा लिस्ट, रन बनाने वाली (2,690 रन) खिलाड़ी के तौर पर भी किया और एक ऑलराउंडर के तौर पर अपने शुरुआती दिनों में 41 विकेट लिए। अंगूठे की चोट की वजह से डाउन न्यूजीलैंड में 2022 ICC विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप में नहीं खेल पाईं और उसी साल बाद में बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भी नहीं खेल पाईं, लेकिन सितंबर 2022 में वेस्ट इंडीज टूर के लिए टीम में वापस आ गईं और साउथ अफ्रीका में 2023 आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के लिए बेन सॉयर की टीम में शामिल हो गईं।

डाउन ने अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए 2023-24 सीजन के लिए व्हाइट फर्न्स के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर निकलने का ऑप्शन चुना, फिर 2024-25 लिस्ट में वापस आ गईं और 2024 में इंग्लैंड और भारत के टूर पर शामिल हुईं। उन्होंने पिछली गर्मियों में सेलो बेसिन रिजर्व में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे ODI में व्हाइट फर्न्स को आखिरी बार रिप्रेजेंट किया।

जल बोर्ड के गड्ढे में गिरने से युवक की मौत मामले में ठेकेदारों को नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में जल बोर्ड के गड्ढे में गिरने से युवक की मौत के मामले में सेशन कोर्ट ने गिरफ्तार 2 ठेकेदार और एक सहायक ठेकेदार को जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि हिरासत में लेकर पूछताछ जरूरी है और अपराध की गंभीरता को नजरअंदाज़ नहीं किया जा सकता है। एडिशनल सेशन जज हरलीन कौर ठेकेदार हिमांशु गुप्ता और कविश गुप्ता की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थीं। इनके खिलाफ दिल्ली पुलिस ने अरेस्ट वारंट जारी किए थे और कहा कि जांच अभी शुरुआती स्टेज में है। कोर्ट ने कहा कि इस बात की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि आरोपी गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं या सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 5 फरवरी की देर रात कमल भयानी (25) की दिल्ली में जल बोर्ड की कंस्ट्रक्शन साइट पर खोदे गड्ढे में गिरने से मौत हो गई थी। 6 फरवरी की सुबह 8 बजे पीसीआर कॉल मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद हादसे का पता चला। जांच एजेंसी को उनसे कस्टडी में पूछताछ करनी है। जांच अभी शुरुआती स्टेज में है, और जांच एजेंसी केस से जुड़ी जरूरी चीजें इकट्ठा करने में जुटी हैं। कहा जाता है कि एप्लीकेंट जांच एजेंसी की पूछताछ के दौरान सहयोग नहीं कर रहा था और टालमटोल कर रहा था। अपराध की गंभीरता और उसके सामाजिक असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस एप्लीकेशन को मंजूरी देने का कोई आधार नहीं बनता। आवेदक की मौजूदा एंटीसिपेटरी बेल एप्लीकेशन खारिज की जाती है।

पंजाब में सिविल और मिनी सचिवालय सहित पुलिस मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में सिविल सचिवालय और मिनी सचिवालय के साथ पुलिस मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद गुरुवार को पूरे परिसर में हाई अलर्ट घोषित किया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने एहतियातन मुख्य द्वारों को बंद कर लोगों के प्रवेश और निकास पर रोक लगा दी। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और खुफिया एजेंसियां सक्रिय हो गई। परिसर के भीतर और बाहर सुरक्षा घेरा बढ़ाया गया है। आने-जाने वाले हर व्यक्ति की सख्ती से जांच की जा रही है। संदिग्ध वस्तुओं की तलाशी के लिए विशेष अभियान चलाया गया। सूत्रों के अनुसार धमकी किसी संदेश या ईमेल के माध्यम से मिली है। हालांकि अधिकारियों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए कोई भी जोखिम नहीं लिया जा सकता।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर नहर में गिरी, चार दोस्तों की मौत, इलाके में पसरा मातम

मथुरा (एजेंसी)। यूपी के मथुरा जिले के नगला दैवीया के पास एक तेज रफ्तार कार नहर में गिर गई। इस हादसे में कार सवार चार युवकों की मौके मौत हो गई। मृतकों में तीन युवक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक हादसा बुधवार शाम को हुआ। मारुति कार में सवार चार दोस्त किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए महावन जा रहे थे। नगला दैवीया के पास कार की रफ्तार तेज होने के कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी सीधे नहर में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही मगोर्रा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से कार को नहर से बाहर निकाला। कार के अंदर फंसे युवकों को जब तक बाहर निकाला गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थीं। जानकारी के मुताबिक हादसे का शिकार हुए युवकों में से तीन की पहचान हो गई है, जबकि एक की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है। मृतकों में राहुल वर्मा (23) निवासी महावन, पेशे से दर्जी। अमित (23) निवासी प्रेमनगर कलां, छात्र और मोहित (22) निवासी महावन, ला का छात्र था। बताया जा रहा है कि जिस कार से हादसा हुआ, वह राहुल वर्मा के भाई सज्जन सिंह की थी। एसपी देहात ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और हादसे के कारणों की बारीकी से जांच की जा रही है। एक साथ चार युवकों की मौत से महावन और बलदेवगढ़ में सन्नाटा पसरा है।

10 साल से पुरानी डीजल और 15 साल से अधिक पुरानी पेट्रोल गाड़ियां... दिल्ली सरकार करेगी जब्त

-दिल्ली परिवहन विभाग ने जारी की सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली परिवहन विभाग ने राजधानी में तय उम्र पार कर चुकी गाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी पूरी कर ली है। दिल्ली सरकार की ओर से जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार अब 10 साल से अधिक पुरानी डीजल और 15 साल से अधिक पुरानी पेट्रोल गाड़ियां, जिन्हें 'एंड ऑफ लाइफ व्हीकल' माना गया है, बिना किसी पूर्व नोटिस के जब्त हो सकती हैं। यह कार्रवाई केवल सड़कों पर चल रही गाड़ियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पार्किंग, खुले मैदान या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर खड़े वाहनों पर लागू होगी। दिल्ली परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित आयु सीमा पूरी कर चुकी गाड़ियों को दिल्ली में रखने की अनुमति नहीं है। यदि ऐसी गाड़ियां राजधानी में दिखाई देती हैं, तब उन्हें कानून के तहत जब्त कर सीधे स्क्रैप (कबाड़) के लिए भेजा जा सकता है। यह कदम वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और पर्यावरण मानकों के सख्त पालन के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। वाहन मालिकों को सलाह दी गई है कि वे अपनी पुरानी गाड़ियों के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त कर उन्हें दिल्ली से बाहर किसी अन्य राज्य में ट्रांसफर करा लें। इससे वे जब्ती और अन्य कानूनी कार्रवाई से बच सकते हैं। विभाग का कहना है कि आने वाले समय में एक विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसमें बीएस-3 और उससे नीचे के उत्सर्जन मानकों वाले वाहनों की पहचान कर उन्हें हटाया जाएगा। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे नियमों की जानकारी समय रहते प्राप्त करें और आवश्यक कदम उठाएं, ताकि अचानक होने वाली कार्रवाई से किसी प्रकार की असुविधा न हो।

'वंदे मातरम' विवाद पर शशि थरूर... देशभक्ति दिल से होती, कानून बनाकर मजबूर नहीं करना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और पूर्व मंत्री शशि थरूर ने 'वंदे मातरम' को लेकर चल रही बहस पर साफ कहा कि किसी भी नागरिक को गाने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। उन्होंने हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए गाइडलाइंस की आलोचना कर कहा कि देशभक्ति दिल से होती है, और कानून बनाकर इस गाने को जबरन किसी की जुबान पर नहीं लाया जा सकता। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आदेश दिए हैं कि राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' अब सभी आधिकारिक कार्यक्रमों में पूरा गाना अनिवार्य होगा।

कांग्रेस नेता थरूर ने इस दौरान 'वंदे मातरम' के इतिहास का उल्लेख किया। यह गीत बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखा गया था और स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारियों और सत्याग्रहियों को प्रेरित करता था। उन्होंने कहा कि आज एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के रूप में राज्य और व्यक्तिगत अंतरात्मा के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। स्वतंत्रता के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 'वंदे मातरम' गाती थी, लेकिन देश की धार्मिक विविधता को देखकर 'जन गण मन' को राष्ट्रगान चुना गया। संविधान सभा ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत का समान दर्जा दिया, ताकि स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका सम्मानित हो और किसी समुदाय को अलग-थलग न किया जाए। यह एक सोच-समझकर किया गया समझौता था।

कांग्रेस नेता थरूर ने रवींद्रनाथ टैगोर की भूमिका का भी जिक्र किया। टैगोर ने 1896 में गीत को संगीतबद्ध किया और 1937 में सुझाव दिया कि सार्वजनिक मंचों पर केवल पहले दो अंतरे गाए जाएं। शुरुआती पंक्तियां मातृभूमि की प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीकात्मक वर्णन करती हैं, जिसे सभी स्वीकार कर सकते हैं। लेकिन बाद के अंतरों में दुर्गा और लक्ष्मी जैसी देवी-देवताओं का उल्लेख है, इससे कुछ धर्मों के लोग धार्मिक कारणों से नहीं गा सकते। कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि कई मुस्लिम नागरिकों की आपत्ति इसी कारण है, क्योंकि इस्लाम में तौहीद के सिद्धांत के अनुसार किसी अन्य ईश्वर या देवी-देवता को मानना या उसकी स्तुति करना स्वीकार्य नहीं है।

कांग्रेस सांसद थरूर ने मोदी सरकार के हालिया आदेश पर भी सवाल उठाकर कहा कि किसी प्रतीक की ताकत उसकी स्वैच्छिक श्रद्धा में है, जबरदस्ती पालन में नहीं। उन्होंने 1986 के सुप्रीम कोर्ट के 'जेहोवाज विटनेस केस' का उदाहरण दिया, जिसमें धार्मिक कारणों से राष्ट्रगान न गाने वाले छात्रों को बहाल किया गया था। थरूर ने सुझाव दिया कि 'वंदे मातरम' विवाद में यही मॉडल अपनाया जाए—जो लोग पूरी श्रद्धा से गाना चाहते हैं, वे गाएं, और जिन्हें धार्मिक या अंतरात्मा की आपत्ति है, उन्हें चुपचाप सम्मान करने का अधिकार मिले, बिना दंड या सामाजिक बहिष्कार के। यह दृष्टिकोण धर्मनिरपेक्षता और नागरिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक सोच-समझकर किया गया प्रयास है।

नई दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट पर तकनीकी खराबी... यात्रियों को लंबी लाइनों और देरी का सामना करना पड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट पर गुरुवार सुबह तकनीकी खराबी के चलते हड़कंप मच गया। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयरलाइंस द्वारा बुकिंग और चेक-इन के लिए इस्तेमाल होने वाले नेविटेयर सिस्टम के सर्वर में समस्या आ गई। इस वजह से यात्रियों को लंबी लाइनों और देरी का सामना करना पड़ा। दिल्ली एयरपोर्ट पर यह खराबी सुबह करीब 6-45 बजे सामने आई और तकनीकी टीम ने करीब 7-30 बजे तक ठीक किया। इस दौरान एयरलाइंस को यात्रियों की जानकारी मैनुअल रूप से अपडेट करनी पड़ी, जिससे सुबह की भीड़ में असुविधा बढ़ गई और कुछ उड़ानें प्रभावित हुईं। इसतरह मुंबई एयरपोर्ट पर भी ऐसी स्थिति देखी गई। नेविटेयर सिस्टम की खराबी के कारण यात्रियों को चेक-इन काउंटर पर लंबा इंतजार करना पड़ा और भीड़भाड़ की शिकायतें सामने आईं। नेविटेयर सिस्टम एयरलाइन टिकट बुकिंग, चेक-इन और बोर्डिंग जैसी सुविधाओं के लिए अत्यंत जरुरी है। इसके ठप होने पर एयरलाइंस यात्रियों को समय पर सेवा देने में असमर्थ होती हैं, इससे देरी और अव्यवस्था होती है। बीते साल नवंबर में भी कई एयरपोर्ट पर तकनीकी गड़बड़ी के मामले सामने आए थे। दिल्ली के आईजीआईए पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल प्रणाली में खराबी के कारण उड़ान संचालन बाधित हुआ था। इसके बाद भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने मामले पर स्पष्टीकरण दिया था। इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि एयरपोर्ट और एयरलाइंस के लिए तकनीकी सिस्टम की स्थिरता बेहद जरूरी है, और ऐसी खामियों से यात्रियों को असुविधा उठानी पड़ती है। कुल मिलाकर, गुरुवार की यह तकनीकी दिक्कत यात्रियों के लिए थोड़ी परेशानी का कारण बनी, लेकिन तकनीकी टीम की त्वरित कार्रवाई से स्थिति जल्दी नियंत्रण में आ गई।

संजय राउत के बयान पर पवन खेड़ा कि प्रतिक्रिया... उनके बयान पर इंडिया ब्लॉक में विचार होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सहयोगी संजय राउत के हालिया बयान पर गौर किया जाएगा। उन्होंने कहा, वह एक वरिष्ठ नेता हैं। अगर उन्होंने कुछ कहा है, तब निश्चित रूप से इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगी इस बयान के बारे में विचार कर तय करने वाले हैं कि क्या किया जाए है। इसके पहले शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसंभा सांसद संजय राउत ने इंडिया ब्लॉक के कामकाज की आलोचना कर आरोप लगाया कि गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव नजदीक आने पर ही सक्रिय होता है और प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दों पर लगातार समन्वय का अभाव है।

मुंबई में राउत ने कहा कि इंडिया ब्लॉक का काम लोकसभा चुनाव नजदीक आने पर शुरू होता है। तब तक किसी के बीच कोई संवाद नहीं होता। तब तक इंडिया ब्लॉक में जनता क्या कर रही है, यह किसी को नहीं पता होता। उन्होंने इस जोर दिया कि संसद के अंदर मुद्दों को उठाना ही काफी नहीं है, खासकर तब जब विपक्षी नेताओं को बाधाओं का सामना करना पड़ता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जिक्र कर राउत ने कहा, वे राहुल गांधी को संसद में बोलने तक नहीं देते। क्या हम बाहर कुछ कर सकते हैं?

राउत ने तर्क दिया कि गठबंधन को पूरे राजनीतिक चक्र में सक्रिय रहना चाहिए, न कि केवल आम चुनाव से पहले। उन्होंने किसानों की परेशानी, कानून व्यवस्था और मणिपुर की स्थिति सहित कई गंभीर मुद्दों की ओर इशारा किया, जिन पर समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है। देश में इतनी सारी समस्याएं हैं।

पीएम मोदी ने रामकृष्ण को स्वामी कह संबोधित किया, ममता का आरोप... बंगाल की सांस्कृतिक परंपरा के खिलाफ

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। सीएम ममता ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने रामकृष्ण परमहंस के जन्मदिन पर उन्हें स्वामी रामकृष्ण परमहंस कहकर संबोधित किया, जो बंगाल की सांस्कृतिक परंपरा के खिलाफ है और महान संत के प्रति सांस्कृतिक असंवेदनशीलता को दिखाता है। ममता बनर्जी ने पोस्ट पर अपनी नाराजगी जताकर कहा कि यह अभूतपूर्व और अनुचित संबोधन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंगाल में रामकृष्ण परमहंस को व्यापक रूप से ठाकुर या श्री रामकृष्ण के रूप में पूजा जाता है। ममता ने कहा कि परमहंस के देहांत के बाद उनके तपस्वी शिष्यों ने रामकृष्ण मठ और मिशन का गठन किया था, जिन्हें भारतीय परंपरा के अनुसार स्वामी कहा गया। लेकिन स्वयं आचार्य या गुरु को हमेशा ठाकुर कहा जाता रहा है। उन्होंने पीएम मोदी के बयान को बंगाल की संस्कृति और परंपराओं की समझ की कमी बताकर अनुचित बताया।

दरअसल, पीएम मोदी ने गुरुवार को रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने हिंदी में पोस्ट किया कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। पीएम मोदी ने लिखा कि उनके आध्यात्मिक विचार और संदेश हमेशा मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहने वाले है।

रामकृष्ण परमहंस (1836-1886) दक्षिणेश्वर काली मंदिर के पुजारी थे और विभिन्न धर्मों की एकता तथा आध्यात्मिक सद्भाव का संदेश देने के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं। उनके शिष्यों में स्वामी विवेकानंद प्रमुख थे, जिन्हें स्वामी उपाधि से संबोधित किया गया। वर्तमान में रामकृष्ण मिशन और रामकृष्ण मठ उनकी शिक्षाओं पर आधारित सक्रिय संस्थाएँ हैं। बंगाल में वे ठाकुर के रूप में सम्मानित हैं, इसलिए ममता बनर्जी ने पीएम मोदी के संबोधन को सांस्कृतिक दृष्टि से असंवेदनशील करार दिया। इस विवाद ने धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं के सही प्रयोग पर बहस को फिर से उभारा है, खासकर उन संदर्भों में जहाँ सार्वजनिक नेताओं द्वारा संतों और आचार्यों को संबोधित किया जाता है।

फांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने गुरुद्वारा बंगला साहिब में टेका माथा, वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआई इम्पैक्ट समिट-2026 में भाग लेने से पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दिल्ली के प्रसिद्ध गुरुद्वारा बंगला साहिब में माथा टेका और श्रद्धालुओं के साथ समय बिताया जो भारत-फ्रांस के बीच बढ़ते संबंधों का प्रतीक माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मैक्रों की इस यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जहां वे एक वैश्विक नेता के साथ-साथ एक श्रद्धालु के रूप में नजर आ रहे हैं। गुरुद्वारा बंगला साहिब के प्रबंधन ने भी उनके आगमन पर विशेष ध्यान दिया और इस यात्रा को यादगार बना दिया। उन्होंने वहां सिख समुदाय की परंपराओं को देखा और श्रद्धा भाव के साथ अपनी प्रार्थना की। इससे पहले दौरे के दौरान उन्होंने दिल्ली में निजामुद्दीन दरगाह का भी दौरा किया था।

मुस्लिम आरक्षण रद्द करने पर भड़की कांग्रेस ने कहा- बदले की राजनीति के सिवाए कुछ नहीं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की महायुति सरकार द्वारा मुस्लिम समुदाय को शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने के 2014 के पुराने आदेश को औपचारिक रूप से रद्द करने के फैसले ने राज्य की राजनीति में नया उबाल ला दिया है। जहाँ सत्ता पक्ष इसे केवल एक कानूनी और प्रक्रियात्मक औपचारिकता बता रहा है, वहीं विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस ने इसे अल्पसंख्यकों के खिलाफ बदले की भावना से की गई कार्रवाई करार दिया है।

यह विवाद 2014 के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले शुरू हुआ था, जब तत्कालीन कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन सरकार ने एक अध्यादेश के जरिए मराठा समुदाय को 16 प्रतिशत और मुस्लिम समुदाय को विशेष पिछड़ा वर्ग श्रेणी के तहत 5 प्रतिशत आरक्षण दिया था। इस नीति को बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी, जिसने मराठा आरक्षण को तो खारिज कर दिया था, लेकिन शैक्षणिक संस्थानों में मुस्लिम आरक्षण को आंशिक रूप से बरकरार रखा था। हालांकि, बाद में आई भाजपा-शिवसेना सरकार ने इस अध्यादेश को कानून का रूप नहीं दिया, जिससे यह समय सीमा समाप्त होने के बाद निष्प्रभावी हो गया था। अब वर्तमान सरकार ने उसी पुराने आदेश (जीआर) को आधिकारिक रूप से रद्द करने का प्रस्ताव जारी किया है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों से शपथ के समय सभी के प्रति निष्पक्ष रहने और संविधान का पालन करने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन केंद्र और राज्य सरकारें ऐसा नहीं कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उच्च न्यायालय ने कोटे के पक्ष में फैसला सुनाया था, तब भी इसे रद्द करना सरकार की भेदभावपूर्ण मानसिकता को दर्शाता है। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का तर्क है कि भारतीय संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता और 2014 का वह आदेश तकनीकी रूप से पहले ही खत्म हो चुका था। इस पूरे घटनाक्रम में उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) शिवसेना का रुख चर्चा का विषय बना हुआ है। हाल के महीनों में अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति नरम रुख दिखाने वाली पार्टी ने इस मुद्दे पर फिलहाल चुप्पी साध रखी है। पार्टी सांसद संजय राउत ने केवल इतना कहा कि इस विषय पर बाहर चर्चा करने के बजाय आगामी विधानसभा सत्र में अपनी बात रखी जाएगी। वहीं, शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भी सरकार के इस कदम का कड़ा विरोध किया है। विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही आरक्षण का यह मुद्दा राज्य में ध्रुवीकरण और तीखी राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है।

असम में तीसरी बार सत्ता में वापसी को जुटा भगवा दल... कांग्रेस की राह नहीं दिख रही आसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। भाजपा के लिए यहां सत्ता बचाने की चुनौती है। भगवा गुट यदि असम में सरकार बनाने में सफल होता है, तब असम में यह भगवा गुट की हैट्रिक होगी। भाजपा ने इसके लिए पूरी ताकत झोंक दी है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने हाल ही में पार्टी कार्यकर्ताओं को असम विधानसभा में 50 प्रतिशत वोट लाने का लक्ष्य दे दिया है। बता दें कि पिछले विधानसभा चुनाव में में बीजेपी का वोट शेयर 33.2 प्रतिशत था। वहीं, सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही कांग्रेस को तब जबरदस्त झटका लगा जब पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी छोड़ दी।

भाजपा अध्यक्ष नवीन के द्वारा दिए गए टारगेट को अगर बीजेपी हासिल कर लेती है, तब असम में सभी दलों का सूपड़ा साफ कर देगी। विपक्ष सिर्फ 20-28 सीटों पर सिमट कर रह जाएगा। बता दें कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की लोकप्रियता अभी भी कायम है। वहीं सत्ता में वापस आने के लिए व्याकुल दिख रही कांग्रेस की असम विधानसभा की राह आसान नहीं है। वरिष्ठ नेता भूपेन बोरा के इस्तीफे से जहां पार्टी आंतरिक चुनौती से जूझ रही है, वहीं महाजोत में भी सब कुछ ठीक नहीं है। सीट बंटवारे में ज्यादा से ज्यादा सीट हासिल करने को लेकर महाजोत के कई घटकदल दबाव बनाए हुए हैं। असम में अप्रैल में चुनाव हो सकते हैं।

तमाम कोशिशों के बावजूद कांग्रेस असम में पार्टी को एकजुट रखने में विफल रही। तमाम कोशिशों के बाद भी बोरा ने आखिरकार पार्टी छोड़ दी। पार्टी को डर है कि भूपेन बोरा के साथ उनके भरोसेमंद कई विधायक और नेता भाजपा में शामिल हो सकते हैं। इससे मतदाताओं में पार्टी की छवि कमजोर होगी। इसके साथ महाजोत में सीट बंटवारा भी कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है। क्योंकि, 2021 के महाजोत में कई बदलाव हुए हैं। एआईयूडीएफ और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) दोनों महाजोत से अलग हो चुके हैं। बीपीएफ अब एनडीए का हिस्सा है, वहीं मौलाना बदरुद्दीन अजमल की अगुआई में एआईयूडीएफ अपने दम पर चुनाव लड़ेगा।

वहीं, असम जातीय परिषद और अखिल गोगोई का रायजोर दल अब महाजोत में शामिल हैं। कांग्रेस ने एजेपी और रायजोर दल दोनों को महाजोत में 11-11 सीट देने की पेशकश की है, पर दोनों दल इससे ज्यादा सीट की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस इन्हें अधिक सीट देती है, तब चुनाव में कांग्रेस को कम सीट पर लड़ना होगा। असम में दूसरे दलों के साथ गठबंधन किए बगैर भाजपा की अगुआई वाले एनडीए को शिकस्त देना कांग्रेस के लिए आसान नहीं है।

अरुणाचल के करीब परमाणु हथियारों का जाल बिछा रहा चीन, भारत के लिए खतरे की घंटी

-चीन का यह परमाणु विस्तार दक्षिण एशिया की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग की सेना न्यूक्लियर हथियारों के दम पर डराने के पैंतरे आजमा रही है। दुनिया की नजरों से छुपकर चीन के अंदर एक बहुत बड़ी साजिश चल रही थी, जिसका कच्चा चिट्ठा अब सैटेलाइट तस्वीरों ने खोल दिया है। इन तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि चीन भारत के अरुणाचल प्रदेश के बिल्कुल करीब परमाणु हथियारों का जाल बिछा रहा है। चीन की यह गुस्ताखी न सिर्फ भारत के लिए बल्कि पूरे एशिया की शांति के लिए खतरा बन सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश की सीमा से महज 800 किलोमीटर दूर चीन के सिचुआन प्रांत में परमाणु ताकत का विस्तार चल रहा है, जिसका पर्दाफाश सैटेलाइट तस्वीरों ने किया है। इन फोटोज में चीन का वह गुप्त साम्राज्य दिख रहा है जहां न केवल नए परमाणु हथियार बन रहे हैं बल्कि उन्हें और भी घातक बनाने के लिए परीक्षण किया जा रहा है, जहां रूस और अमेरिका के बीच परमाणु संधि खत्म हो चुकी है, दूसरी तरफ चीन का यह बेलगाम परमाणु विस्तार दक्षिण एशिया की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है। सिचुआन की पहाड़ियों में छिपे ये ठिकाने सीधे तौर पर भारत के पूर्वी इलाकों के लिए रेड अलर्ट हैं।

सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि सिचुआन की घाटियों में दो प्रमुख जगहों पर काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। जितोंग घाटी में नए बंकर और मजबूत पाइपलाइन नेटवर्क देखे गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस जगह का उपयोग हाई एक्सप्लोसिव टेस्टिंग के लिए किया जा रहा है, जो परमाणु वारहेड को ट्रिगर करने के लिए जरूरी है। पिंगटोंग घाटी में प्लूटोनियम पिट्स का निर्माण किया जा रहा है, जो परमाणु बम का कोर होते हैं, यहां की सुरक्षा इतनी सख्त है कि यह किसी किले जैसी दिखती है।

बता दें सिचुआन, अरुणाचल प्रदेश से भौगोलिक रूप से सिर्फ 800 किमी दूर है। चीन ने पहले ही अरुणाचल को अपना 'कोर इंटरेस्ट' घोषित कर दिया है। परमाणु शक्ति का विस्तार चीन को सीमा पर एडवांटेज देगा। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन अपने परमाणु जखीरे को इसलिए बढ़ा रहा है ताकि वह अमेरिका और भारत जैसे देशों को अपने परमाणु हथियारों की पोजीशन दिखाकर डराने की स्थिति में ला सके। 2026 की शुरुआत तक चीन के पास 600 से ज्यादा परमाणु वारहेड हो चुके हैं और 2030 तक यह संख्या 1,000 के पार जाने का अनुमान है। ये भारत के लिए खतरे की घंटी है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 **A** कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**